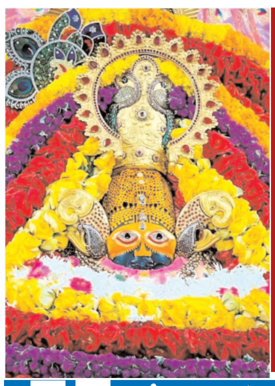

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 31। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 27 सितंबर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

बारिश बनी आफत, पहाड़ से मैदान तक बाढ़ का प्रहार

चक्रवात अर्नब का असर: 8 राज्यों में तेज बारिश, पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों में बाढ़; सैकड़ों वाहन फंसे

उत्तर प्रदेश में हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, उन्नाव में एक्सप्रेस-वे पर 3 फीट पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चक्रवात अर्नब के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत देश के आठ राज्यों में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। कई इलाकों में तेज बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और भूस्खलन से आवाजाही पर असर पड़ा है। उत्तर प्रदेश में खराब मौसम के कारण उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। इसके बाद उन्हें कार से गाजीपुर जाना पड़ा। दूसरी ओर उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर करीब 500 मीटर के दायरे में तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भी तेज हवाओं के साथ बारिश ने मुश्किलें बढ़ा दीं। यहां एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। पेड़ गिरने की पूरी घटना एक राहगीर ने अपने कैमरे में भी रिकॉर्ड की। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। उत्तराखंड में बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। चमोली के हेमकुंड साहिब और बद्रीनाथ में शनिवार को बर्फबारी दर्ज की गई। वहीं पिथौरागढ़-घाट सड़क पर भूस्खलन के कारण 300 से ज्यादा वाहन फंस गए। खराब मौसम को देखते हुए चारधाम यात्रा को दो दिनों के लिए रोक दिया गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश, बर्फबारी और भूस्खलन के कारण यात्रियों और स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बिहार में भी बारिश और बाढ़ का असर साफ दिखाई दे रहा है। सुपौल जिले के करीब 50 गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए हैं। राज्य के 19 जिलों में पीली चेतावनी जारी की गई है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत की सूचना है। नदियों और निचले इलाकों के आसपास रहने वाले लोगों में लगातार बारिश को लेकर चिंता बनी हुई है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में बाढ़ के बाद करीब 525 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। भामरागढ़ में गुरुवार दोपहर से शुरू हुआ बचाव अभियान देर रात तक जारी रहा। अब बाढ़ का पानी कम होने लगा है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति धीरे-धीरे सुधरने की बात कही जा रही है। ओडिशा के बालासोर में बाढ़ का असर और व्यापक है। यहां 91 गांवों के 14,660 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों से 3,268 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अतिरिक्त पानी निकालने के लिए शनिवार को हीराकुंड बांध के 11 और द्वार खोले गए। अब तक बांध के कुल 16 द्वार खोले जा चुके हैं। इस बीच महाराष्ट्र में 265 तहसीलों को सूखा प्रभावित घोषित किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। एक ही समय में देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश, बाढ़ और सूखे जैसी विपरीत परिस्थितियां मौसम की गंभीरता को दिखा रही हैं। चक्रवात के असर से प्रभावित राज्यों में प्रशासन और राहत दल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

गांधीधाम में हिमंत बिस्वा सरमा का राहुल गांधी पर विवादित बयान, बोले- 'मैं उन्हें पूरी तरह पागल मानता हूं'

कांडला में 2300 करोड़ के ई-मेथनॉल संयंत्र के शिलान्यास के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया बयान, वोटिंग में धांधली के आरोप पर सवाल पूछे जाने से पहले ही राहुल गांधी पर की टिप्पणी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीधाम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को गांधीधाम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया। कांडला में गुजरात सरकार, असम सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से बनने वाले 150 टन प्रतिदिन क्षमता के ई-मेथनॉल संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरमा ने राहुल गांधी को 'पागल' बताते हुए उन पर तीखी टिप्पणी की। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी की ओर से मतदान प्रक्रिया में कथित धांधली को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार राहुल गांधी द्वारा हिमंत बिस्वा सरमा पर लगाए गए मतदान में धांधली के आरोप को लेकर सवाल कर रहा था। पत्रकार अपना सवाल पूरा कर पाता, इससे पहले ही सरमा ने राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह उन्हें पूरी तरह पागल मानते हैं। उन्होंने राहुल गांधी की दाढ़ी और उनके देश-विदेश में आने-जाने का जिक्र करते हुए कहा कि उनके बारे में टिप्पणी करने का कोई फायदा नहीं है। सरमा ने यह भी कहा कि वह राहुल गांधी को लेकर अपनी राय पहले भी सार्वजनिक रूप से व्यक्त कर चुके हैं। गौरतलब है कि हिमंत बिस्वा सरमा इससे पहले भी राहुल गांधी पर इसी तरह की तीखी टिप्पणियां कर चुके हैं। पिछले महीने मनुस्मृति को लेकर राहुल गांधी की आलोचना के बाद सरमा ने उन पर निशाना साधते हुए कहा था कि राहुल गांधी 'पागल थे, पागल हैं और पागल ही रहेंगे।' उन्होंने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी हिंदू धर्म को निशाना बनाने और उसे बदनाम करने के लिए महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरमा ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा था कि यदि वह वास्तव में लैंगिक समानता में विश्वास करते हैं तो उन्हें बिना शर्त समान नागरिक संहिता का समर्थन करना चाहिए। इधर, गांधीधाम में आयोजित कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांडला में प्रस्तावित ई-मेथनॉल संयंत्र का शिलान्यास किया। कांडला हवाई अड्डे पर पहुंचने पर कच्छ जिला प्रशासन और दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण के अधिकारियों ने दोनों मुख्यमंत्रियों का स्वागत किया। इसके बाद गांधीधाम स्थित दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण के प्रदर्शनी मैदान में संयंत्र की आधारशिला रखी गई। करीब 2300 करोड़ रुपये के निवेश से तैयार होने वाले इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता 150 टन प्रतिदिन बताई गई है। परियोजना दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण और असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड के सहयोग से विकसित की जा रही है। परियोजना का उद्देश्य हरित ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा देना और समुद्री परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में योगदान देना है परियोजना के शुरू होने के बाद प्रतिदिन 150 टन हरित ईंधन के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

भारत का कबड्डी में डबल धमाका

एशियन गेम्स में भारत का कबड्डी में डबल गोल्ड, महिला और पुरुष दोनों टीमों ने जीते स्वर्ण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत ने शनिवार को एशियन गेम्स में कबड्डी के दोनों स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। महिला टीम ने रोमांचक फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया, जबकि पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से शिकस्त देकर गोल्ड अपने नाम किया। पुरुष टीम ने लगातार 10वीं बार और महिला टीम ने लगातार 5वीं बार पदक जीता है। महिला फाइनल में भारत ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। हाफटाइम तक भारतीय टीम 22-16 से आगे थी, लेकिन दूसरे हाफ में ईरान ने जोरदार वापसी करते हुए अंतर को घटाकर सिर्फ एक अंक कर दिया। मुकाबला बेहद रोमांचक स्थिति में पहुंच गया। इसके बाद संजू देवी ने अहम रेड के जरिए भारत की बढ़त मजबूत की। मैच में चार मिनट बाकी रहने पर भारत 34-28 से आगे था। इसके बाद जयदीप के सुपर टैकल और असलम इनामदार की शानदार रेड से भारत ने 21-21 की बराबरी कर ली।

रीति तिवारी को लेकर बढ़ा विवाद, एकम बावा ने शादी और पिता होने का किया दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। 'बिग बॉस 20' की कंटेस्टेंट रीति तिवारी को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। 'वीकेंड का वार' में सलमान खान की टिप्पणी के बाद अब पंजाबी गायक एकम बावा के दावों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। बावा ने दावा किया है कि वह रीति तिवारी की मां रानी तिवारी के साथ रिश्ते में थे और दोनों ने शादी भी की थी। उन्होंने खुद को रीति का सौतेला पिता और कानूनी तौर पर पिता बताया है। हालांकि, फिलहाल ये सभी बातें एकम बावा के दावों पर आधारित हैं। आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक, एकम बावा ने सोशल मीडिया पर रीति तिवारी और उनकी मां रानी तिवारी से जुड़े कई दावे किए हैं। उन्होंने रीति और रानी के साथ अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। बावा का कहना है कि वह वर्ष 2020 से 2025 के बीच रानी तिवारी और रीति के साथ एक ही घर में रहे थे। उन्होंने दावा किया कि शादी से पहले वह और रानी वर्ष 2020 से 2022 तक साथ रह रहे थे। बावा के मुताबिक, रीति को उनकी मां और उनके रिश्ते की जानकारी भी थी। हालांकि, रानी तिवारी ने एकम बावा के साथ शादी की पुष्टि नहीं की है और इन दावों को लेकर उनकी ओर से अब तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में रिश्ते और शादी से जुड़े दावों को फिलहाल एकम बावा के बयान के तौर पर ही देखा जा रहा है। बावा ने रीति तिवारी के आर्थिक संघर्ष से जुड़े दावों पर भी सवाल उठाए हैं। रीति ने बिग बॉस के घर में अपने पिता मनोज तिवारी से मिलने वाली आर्थिक मदद का जिक्र करते हुए कथित तौर पर बताया था कि उन्हें हर महीने खर्च के लिए 25 हजार रुपये मिलते हैं।

कुणाल घोष की कार पर अंडे-पत्थर से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हुगली। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला होने का मामला सामने आया। घोष श्रीरामपुर में आयोजित ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उनकी कार को घेर लिया और अंडे व पत्थर फेंके। हमले में कार का पिछला शीशा टूट गया। घटना के बाद घोष को रास्ता बदलकर कोलकाता लौटना पड़ा। घटना का वीडियो कुणाल घोष के कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया पर साझा किया गया है। वीडियो में घोष ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे दिखाई दे रहे हैं, जबकि पीछे की सीट पर मौजूद कुछ लोग घटना को कैमरे में रिकॉर्ड करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में भीड़ को कार के आसपास देखा जा सकता है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे भी दिखाए और नारेबाजी की। घटना के बाद कुणाल घोष ने इसे लेकर पुलिस की मौजूदगी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उनकी कार पर अंडे और पत्थर फेंके गए तथा रास्ता रोक दिया गया। घोष ने इसे 'जंगलराज' बताते हुए कहा कि घटना के समय वहां कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। उन्होंने कोलकाता लौटकर लालबाजार या भवानी भवन में शिकायत दर्ज कराने की बात कही। बाद की रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने घटना को लेकर शिकायत भी दर्ज कराई हमले को लेकर TMC और BJP के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। TMC नेताओं ने घटना के पीछे BJP के शामिल होने का आरोप लगाया और इसे पहले से सुनियोजित हमला बताया। वहीं उत्तरपाड़ा स BJP विधायक दीपांजन चक्रवर्ती ने इसे लोगों की नाराजगी का स्वतःस्फूर्त प्रदर्शन बताया। पुलिस की ओर से तत्काल हमले के लिए किसी एक पक्ष की जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। पिछले कुछ महीनों में कुणाल घोष को लेकर ऐसी घटनाएं पहले भी सामने आई हैं। 15 जून को कोलकाता के कालीघाट में ममता बनर्जी के आवास के बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान घोष पर अंडा फेंका गया था। इस मामले में पुलिस ने चंदन सिंह और रवि कोयल को गिरफ्तार किया था, जिन्हें बाद में जमानत मिल गई थी।

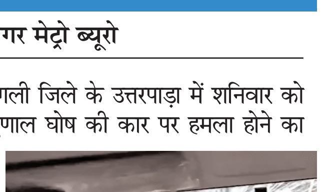

मतदाता सूची विवाद पर विपक्ष एकजुट, 30 सितंबर की बैठक पर निगाहें

एसआईआर विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष का हमला तेज, ममता बोलीं- 'वैनिश कुमार' को जाना होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद और चुनाव आयोग के भीतर सामने आए मतभेदों के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विपक्ष के निशाने पर हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को हुगली में पार्टी की रैली के दौरान ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'वैनिश कुमार' कह दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से लोगों के नाम 'गायब' किए जा रहे हैं। ममता ने कहा कि जब तक यह मुद्दा हल नहीं होता, उनकी पार्टी विरोध जारी रखेगी और ज्ञानेश कुमार को पद से जाना होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी सामाजिक माध्यम पर पोस्ट कर ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ज्ञानेश कुमार को चुनावों का 'अंपायर' बनाकर 'मैच फिक्सिंग' की जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर तीखी टिप्पणी की। यह विवाद ऐसे समय बढ़ा है, जब एक रिपोर्ट के अनुसार दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों और प्रक्रियाओं को लेकर कई बार आपत्ति जताई। इनमें नए मतदाताओं के आवेदन पत्र में बदलाव, मतदाता आंकड़ों के नियंत्रण, पश्चिम बंगाल में मतदाता नाम हटाए जाने के बाद की अपील और गोवा में सॉफ्टवेयर से जुड़ी समस्या जैसे मुद्दे शामिल बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों चुनाव आयुक्तों ने कुछ प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की ओर से कहा गया है कि आयोग के निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। इससे आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है। इसी बीच विपक्षी दलों के बीच इस मुद्दे पर एकजुटता की कोशिश भी तेज हुई है। विपक्षी गठबंधन की 30 सितंबर को नई दिल्ली में बैठक प्रस्तावित है। इसमें चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों पर आगे की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव एमए बेबी से भी फोन पर बातचीत की है। दोनों के बीच करीब तीन दशक बाद सीधे फोन पर बातचीत होने की बात सामने आई है दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के नेता समिक भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग की भूमिका का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों ने बिना डर के मतदान किया और मतदाता सूची के पुनरीक्षण में ज्ञानेश कुमार की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने यह भी दावा किया कि सीमावर्ती राज्य में मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम हटाए गए। उनके बयान पर विपक्षी नेताओं ने पलटवार किया। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन भी किया। चुनावी प्रक्रिया और कथित सॉफ्टवेयर बदलावों से जुड़े कुछ मुद्दे उच्चतम न्यायालय तक भी पहुंच चुके हैं। अब 30 सितंबर की प्रस्तावित विपक्षी बैठक पर नजर है, जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर आगे की रणनीति पर चर्चा की जा सकती है।

वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के शिष्य की चौथी मंजिल से गिरकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज से जुड़े 25 वर्षीय शिष्य रसिक दुलारी शरण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार को उन्होंने वाराह घाट क्षेत्र स्थित गुरु कृपा कुंज की चार मंजिला इमारत की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटनास्थल से एक ग्राइंडर मिला है, जिस पर खून लगा हुआ था। शिष्य के निजी हिस्से में भी चोट के निशान मिले हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या घटना से पहले उन्होंने खुद को नुकसान पहुंचाया था। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे रसिक दुलारी शरण इमारत की चौथी मंजिल पर गए थे। कुछ देर वहां बैठने के बाद उन्होंने नीचे छलांग लगा दी।

एआई से पूछकर स्नैक्स चुन रहे अमेरिकी, प्रोटीन और फाइबर पर बढ़ा फोकस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर सदर ब्लॉक के हातिहालका इलाके में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए हमले में शमशेर खान की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कार्यकर्ता घायल हो गया। बताया गया कि हमलावर लाठी, रॉड और कुल्हाड़ी जैसे हथियारों से लैस थे। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। स्थिति को देखते हुए अस्पताल और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमलावर तृणमूल कांग्रेस समर्थित थे। भाजपा नेताओं ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक शमशेर खान के शव को घर नहीं ले जाया जाएगा। घटना के बाद इलाके में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। घायल दूसरे कार्यकर्ता का उपचार कराया जा रहा है। इधर, मणिपुर के सेनापति जिले में शनिवार दोपहर संदिग्ध उग्रवादियों ने दो नागा नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी।

एसआई भर्ती पुनर्परीक्षा में फिर उठे सवाल, केंद्र के अंदर प्रश्नपत्र और ओएमआर की रिकॉर्डिंग वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पेपर लीक के चलते रद्द हुई उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 की 20 सितंबर को हुई पुनर्परीक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। परीक्षा केंद्र के अंदर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कक्षा का श्वेतपट, प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट की मोबाइल से रिकॉर्डिंग दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद राजस्थान लोक सेवा आयोग के एक अधिकारी ने शुक्रवार रात अजमेर के सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी। अजमेर पुलिस ने मामला दर्ज करने के लिए शून्य संख्या प्राथमिकी दर्ज कर इसे जयपुर के महेश नगर थाने भेज दिया, जहां प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक, आयोग के अनुभाग अधिकारी की शिकायत में बताया गया कि सोशल मीडिया पर एक अभ्यर्थी की ओर से परीक्षा केंद्र का वीडियो साझा किया गया। इसमें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद परीक्षा कक्ष के श्वेतपट और प्रश्नपत्र सहित ओएमआर शीट की रिकॉर्डिंग दिखाई दे रही थी। मामले की जांच में सामने आया कि वीडियो जयपुर के महेश नगर इलाके में स्थित कल्याण पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परीक्षा केंद्र से जुड़ा है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जिज्ञासा ने बताया कि 20 सितंबर को आयोग की ओर से उप निरीक्षक भर्ती की पुनर्परीक्षा इसी केंद्र पर आयोजित की गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि स्कूल का कलाम एकेडमी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यास परीक्षण आयोजित कराने का अनुबंध है। 21 सितंबर को इसी परीक्षा केंद्र के बेसमेंट-ए में कलाम एकेडमी की ओर से राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा का अभ्यास परीक्षण आयोजित किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 20 सितंबर की परीक्षा के बाद श्वेतपट को ठीक से साफ नहीं किया गया था। उस पर परीक्षा केंद्र का कोड 16-0253, परीक्षा का नाम और 3796881 से 3796904 तक की अनुक्रम संख्या लिखी हुई थी। यही जानकारी अगले दिन बनाए गए वीडियो में दिखाई दे रही थी। आरोपी ने श्वेतपट के साथ अभ्यास परीक्षण की ओएमआर शीट और अन्य सामग्री का भी वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन तक नहीं किया था। उसने 21 सितंबर को कलाम एकेडमी की ओर से आयोजित राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अभ्यास परीक्षण में भाग लिया था। इसी दौरान उसने परीक्षा केंद्र में मौजूद सामग्री की रिकॉर्डिंग की। उल्लेखनीय है कि 20 सितंबर को उप निरीक्षक संयुक्त प्रतियोगी पुनर्परीक्षा-2021 प्रदेश के 11 जिलों में 666 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। जयपुर में सबसे अधिक 187 केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा दो पारियों में हुई।

री-एग्जाम के बाद फिर सवालों में आयोग

20 सितंबर की उप निरीक्षक भर्ती पुनर्परीक्षा के बाद जयपुर के एक परीक्षा केंद्र का वीडियो सामने आया है, जिसमें श्वेतपट पर लिखी परीक्षा संबंधी जानकारी के साथ प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट की रिकॉर्डिंग दिखाई दे रही है। जांच में सामने आया कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आवेदन ही नहीं किया था उसने अगले दिन उसी केंद्र पर आयोजित अभ्यास परीक्षा के दौरान वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर साझा किया

गुवाहाटी में 22 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध मौत, बॉयफ्रेंड गिरफ्तार; आधी रात को मां से कहा था- 'वे मुझे मार डालेंगे'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुवाहाटी। गुवाहाटी विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की 22 वर्षीय छात्रा निमिषा ठाकुरिया की आजरा इलाके के एक होमस्टे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। निमिषा शुक्रवार रात अपने बॉयफ्रेंड आसिफ अली के साथ होमस्टे में रुकी थी। घटना के बाद पुलिस ने आसिफ अली को गिरफ्तार कर लिया है। आसिफ का दावा है कि निमिषा ने आत्महत्या की थी, लेकिन पुलिस की प्राथमिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने कहा है कि मामले की पूरी जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। निमिषा के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, घटना वाली रात आधी रात के समय उसने फोन किया था।

अहमदाबाद दहल उठाः जुहापुरा की कुख्यात 'बाबू कालिया गैंग' का खूंखार गुर्गा रोजानखान पठान ज़ोन-7 LCB के शिकंजे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले अपराधियों के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। शहर के कुख्यात और संवेदनशील माने जाने वाले जुहापुरा क्षेत्र से असामाजिक तत्वों की कमर तोड़ने वाली एक बड़ी सफलता सामने आई है। हत्या के प्रयास और अत्यंत गंभीर माने जाने वाले 'गुजिसीटोक' जैसे काले कारनामों के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहा कुख्यात बाबू कालिया गैंग का गुर्गा आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, अहमदाबाद शहर के ज़ोन-7 एलसीबी की टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुख्यात बाबू कालिया गैंग का सक्रिय और भागा हुआ गुर्गा वेजलपुर क्षेत्र में छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने पैनी नज़र रखते हुए अपने जाल बिछाए और वेजलपुर क्षेत्र में गश्त लगाकर रोजानखान पठान नामक इस कुख्यात शख्स को दबोच लिया। पुलिस की इस अचानक और त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में भारी खौफ फैल गया है। गुजिसीटोक और हत्या का प्रयासः यह आरोपी केवल सामान्य मारपीट या चोरी तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके खिलाफ संगठित अपराध करने के एवज में सख्त माने जाने वाले 'गुजिसीटोक' अधिनियम के तहत और निर्दोषों पर जानलेवा हमले करने के 'हत्या के प्रयास' जैसे अत्यंत गंभीर अपराध दर्ज हैं। वेजलपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज हैं मामलेः पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज विवरण के अनुसार, केवल वेजलपुर क्षेत्र में ही इसके खिलाफ दो से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं और यह लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर फरार चल रहा था। की इस सटीक कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि कितना भी शातिर अपराधी क्यों न हो, कानून के लंबे हाथों से कोई नहीं बच सकता।

सीलपैक सोडा की बोतल से निकला जीवित मकोड़ा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। गुजरात में कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा के शौकीनों के स्वास्थ्य के साथ किस तरह सरेआम खिलवाड़ किया जा रहा है, इसका एक और जीवंत और चौंकाने वाला उदाहरण जामनगर से सामने आया है। 'स्वच्छता और गुणवत्ता' के बड़े-बड़े दावे करने वाली फैक्ट्रियों और कंपनियों की पोल खोलने वाली इस घटना में, बाज़ार से खरीदी गई एकदम सीलपैक सोडा की बोतल से जीवित मकोड़ा निकला है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल होने से ग्राहकों और नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, जामनगर क्षेत्र में एक ग्राहक ने बाज़ार से ठंडे पेय की सोडा की बोतल खरीदी थी। बोतल ऊपर से पूरी तरह से पैक (सीलपैक) थी, जिससे अंदर की शुद्धता पर कोई संदेह नहीं था। लेकिन जब बोतल खोलने या देखने की कोशिश की गई तो ग्राहक के होश उड़ गए। सीलबंद बोतल के अंदर स्पष्ट रूप से एक मकोड़ा तैरता हुआ दिखाई दिया। इस गंभीर लापरवाही को देखकर चौंके हुए ग्राहक ने तुरंत इस पूरे नज़ारे का वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। यह वीडियो सामने आने के बाद जामनगर बेल्ट में सनसनी फैल गई है। इस घटना ने एक बार फिर खाद्य सुरक्षा और स्थानीय बॉटलिंग प्लांट्स की मिलीभगत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं हाइजिन की धज्जियांः सोडा या कोल्ड ड्रिंक्स बनाने वाली फैक्ट्रियों में गंदगी के बीच उत्पादन होने का यह सबसे बड़ा प्रमाण है। बॉटलिंग प्लांट्स में गुणवत्ता जाँचने की कोई व्यवस्था नहीं होने की बात स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। गंभीर बीमारियों का जोखिमः यदि ऐसे दूषित पेय पदार्थ बच्चे या बुजुर्ग पी लें, तो वे फूड पॉइज़निंग, पेट के गंभीर संक्रमण और जानलेवा बीमारियों का शिकार बन सकते हैं। जामनगर में पहले भी कई बार खाद्य पदार्थों में कीड़े या इल्लियाँ निकलने की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं

अनलिस्टेड शेयर बेचकर किया 8.31 करोड़ का मुनाफा, पति से प्रॉपर्टी खरीदकर पाई करोड़ों की टैक्स छूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। टैक्स चोरी या टैक्स बचाने के कानूनी प्रावधानों के बीच आए दिन इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और करदाताओं के बीच तनातनी होती रहती है। हाल ही में मुंबई से एक ऐसा ही जबरदस्त माइंडगेम और कानूनी जंग का मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला ने अपने ही पति से प्रॉपर्टी खरीदकर कानूनी दायरे में रहते हुए करोड़ों रुपए की टैक्स छूट हासिल कर ली है। इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट के विरोध के बावजूद इस मामले में मुंबई ITAT (इन्कम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल) द्वारा महिला के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया गया है, जिसने बिजनेस और टैक्स हलकों में भारी चर्चा छेड़ दी है। मुंबई में रहने वाली एक महिला ने पहले अनलिस्टेड शेयरों की बिक्री की थी, जिससे उसे भारी-भरकम रु. 8.31 करोड़ का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स लंबे समय का पूंजीगत लाभ) प्राप्त हुआ था। इतनी बड़ी रकम पर सामान्य तौर पर भारी टैक्स भरना पड़ता है, लेकिन कानूनी छूट का लाभ उठाने के लिए महिला ने एक नया दांव खेला। उसने अपने ही पति से रु. 7.5 करोड़ की कीमत में एक रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी (आवासीय संपत्ति) खरीद ली। यह प्रॉपर्टी सीधे पति के नाम पर नहीं बल्कि उनके पति की ट्रेडिंग' नामक प्रोपराइटरशिप फर्म के स्वामित्व की थी। महिला के इस दावे के सामने इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विभाग ने इस पूरे ट्रांजैक्शन को 'वास्तविक नहीं बल्कि सिर्फ टैक्स बचाने के लिए एक बनावटी या प्रायोजित चाल' करार दिया था.

विकास के विरोध की आड़ में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा और खुली दबंगई! पुलिस का डर गायब?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की गौरवशाली भूमि और अहमदाबाद जैसे शांतिप्रिय शहर में कानून और व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक बेहद चौंकाने वाली और सुलगती घटना सामने आई है। अहमदाबाद के आबवाड़ी क्षेत्र के मेहनतपुरा (भूदरपुरा) इलाके से ऐसे रिपोर्ट और वीडियो सामने आए हैं, जिसने पूरे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भूचाल ला दिया है। सवाल यह उठता है कि क्या यह विकास का विरोध है या फिर देश के सर्वोच्च पद पर बैठे प्रधानमंत्री के प्रति नफरत और खुली गुंडागर्दी? स्थानीय सूत्रों और प्राप्त जानकारी के अनुसार, आबवाड़ी के मेहनतपुरा क्षेत्र में रीमेक/रीडवलपमेंट (पुनर्विकास) या अन्य स्थानीय मुद्दों को लेकर विवाद चल रहा है। लेकिन यह विवाद अब लोकतांत्रिक विरोध से आगे बढ़कर सीधी दबंगई और धमकियों पर आ गया है।मौके से मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा न केवल विकास कार्यों का विरोध किया जा रहा है, बल्कि हद तो तब पार हो गई जब इन तत्वों ने सार्वजनिक रूप से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र शब्दों और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। इस अराजकता का शिकार बने स्थानीय आवाजों और जागरूक नागरिकों ने जब इस गुंडागर्दी के खिलाफ आवाज उठाई और पहला वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया, तो उन्हें डराने और दबाने का खेल शुरू हो गया। खुल्लम-खुल्ला धमकियाँः मुफ्त की दबंगई चलाने वाले इन तत्वों ने इलाके में बेकाबू होकर पूछताछ शुरू कर दी कि, 'ए बेन कहाँ रहती हैं? खौफ का माहौलः इस तरह की धमकियों से यह साफ हो जाता है कि मेहनतपुरा और आसपास के इलाकों में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं। जहाँ आम जनता या आवाज उठाने वाले लोग दिन-रात खौफ के साए में जी रहे हों, वहाँ कानून और पुलिस की मौजूदगी पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

करोड़ों की वित्तीय गड़बड़ियों से मचा हड़कंप

गुजरात यूनिवर्सिटी में 200 करोड़ का महा-घोटाला? शिक्षा जगत में भूचाल; गड़बड़ी के पीछे असली मास्टरमाइंड कौन?

ग्रांट से भर्ती तक सवालों के घेरे में गुजरात यूनिवर्सिटी

पुराने मामलों ने फिर बढ़ाई हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात की गौरवशाली और राज्य की सबसे बड़ी शैक्षणिक संस्था मानी जाने वाली गुजरात यूनिवर्सिटी अब विद्या के धाम की जगह भ्रष्टाचार और घोटालों के अड्डे के रूप में बदनाम हो रही है। यूनिवर्सिटी में किए गए काले कारनामों को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। शैक्षणिक हलकों में चर्चा की जा रही जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी में लगभग 200 करोड़ के आर्थिक घोटाले की बू आ रही है, जिसे लेकर विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और पूरे राज्य में भारी सनसनी फैल गई है। वित्तीय अनियमितताओं, करोड़ों रुपये की ग्रांट के दुरुपयोग और प्रशासनिक लूट के इस मामले में अब सवाल उठ रहे हैं कि इस घोटाले के पीछे असली चेहरे किसके हैं?

क्या है पूरे घोटाले की कहानी? (वित्तीय गड़बड़ियों के गंभीर आरोप)

प्राप्त विवरण के अनुसार, गुजरात यूनिवर्सिटी में पिछले कुछ समय से चल रहे प्रशासनिक वर्चस्व और भ्रष्टाचार के कारण तिजोरी खाली हो रही है पहले भी लगे हैं बड़े आरोप यूनिवर्सिटी में पहले भी विभिन्न छात्र संगठनों (जैसे ABVP और NSUI) द्वारा करोड़ों रुपये की हेराफेरी के आरोप लगाए गए हैं। कहीं 34 करोड़, कहीं 32 करोड़ तो कहीं 40 करोड़ तक के वित्तीय घोटालों के आरोप पहले सतह पर आए थे।

आर्थिक नुकसान और ग्रांट का दुरुपयोगः यूनिवर्सिटी को विभिन्न स्रोतों से मिलने वाली करोड़ों रुपये की ग्रांट और फंड का सही उपयोग करने के बजाय अपने निजी हितों के लिए बर्बाद कर दिए जाने की गंभीर चर्चाएं चल रही हैं। कागजों पर प्रोजेक्ट्स दिखाकर या फालतू खर्चे बताकर करोड़ों रुपये की हेराफेरी किए जाने की आशंका है।

भर्ती और प्रशासनिक घोटालेः यूनिवर्सिटी में नियमों को ताक पर रखकर की गई कर्मचारियों की अवैध भर्ती और पद के दुरुपयोग के मामले भी पहले चर्चा के केंद्र में रहे हैं।

पूर्व प्रशासनिक हलचल और सवालों के घेरे में जिम्मेदार

जब यूनिवर्सिटी में इतने बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की बात सामने आई है, तो जाँच के

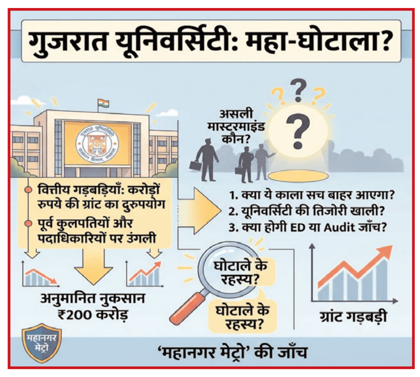

तार सीधे तौर पर उच्च स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों और पूर्व पदाधिकारियों की ओर इशारा कर रहे हैं। पहले पूर्व कुलपतियों और जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ ग्रांट के आवंटन में गड़बड़ी तथा मनमाने फैसले लेने के गंभीर आरोप लग चुके हैं।

जाँच में क्या सामने आएगा?

छात्र संगठनों द्वारा इस मामले में उग्र विरोध प्रदर्शन किए गए हैं और उच्च स्तरीय निष्पक्ष जाँच की माँग उठी है। यदि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय या ऑडिट टीम द्वारा गहराई से जाँच की जाए, तो कई दिग्गजों के नकाब उतर सकते हैं और कई बड़े चेहरे सलाखों के पीछे जा सकते हैं। विद्या के पवित्र धाम को लूटने वाले इन लुटेरों का पर्दाफाश करने के लिए 'महानगर मेट्रो' की टीम लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। गुजरात यूनिवर्सिटी और शिक्षा जगत की ऐसी ही सुलगती, विस्फोटक और अंदर की खबरें सबसे पहले पढ़ने के लिए जुड़े रहें 'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर के साथ।

अब सवाल यह उठता है कि...

- 1. क्या यह 200 करोड़ का घोटाला केवल अफवाह है या फिर कोई बड़ा काला सच बाहर आने की तैयारी में है?
- 2. यूनिवर्सिटी के विकास के लिए आने वाले करोड़ों रुपये आखिर किस खाते में और किसकी तिजोरी में समा गए?
- 3 क्या शिक्षा के मंदिर को लूटने वाले इन भ्रष्ट माफियाओं के खिलाफ किसी कड़ी जाँच एजेंसी द्वारा छापे मारे जाएंगे?

स्तन कैंसर के प्रति पुरुषों की यह लापरवाही और महिलाओं की यह चुप्पी कितनी घातक?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। घर की रसोई से लेकर परिवार के हर सदस्य की छोटी-बड़ी ज़रूरतों का ध्यान रखने वाली स्त्री जब खुद अंदर से घुट रही हो, तब हमारा पुरुषप्रधान समाज कहाँ देख रहा होता है? भारतीय संस्कृति में सहनशीलता और संकोच की अति के कारण आज भी हमारी माताएँ, पत्नियाँ, बहनें और बेटियाँ स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के बारे में खुलकर बात करने से डरती हैं। लेकिन अब चुप्पी तोड़ने का समय आ गया है। क्योंकि यह चुप्पी किसी की ज़िंदगी छीन सकती है! 'पाक्को गुजरात' के इस फ्रंट पेज आलेख में आज हम बात करने जा रहे हैं उस कड़वी वास्तविकता की, जहाँ जागरूकता के अभाव में हज़ारों महिलाएँ मौत के मुँह में धकेल जा रही हैं। माता, पत्नी, बहन या बेटी – किसी भी रूप में स्त्री पूरे परिवार का आधारस्तंभ होती है। यदि घर की नींव ही हिल जाए, तो पूरा परिवार बिखर जाता है। इसके बावजूद, हमारे समाज में पुरुषों की मानसिकता ऐसी बन गई है कि वे घर की महिलाओं के स्वास्थ्य, मासिक धर्म या शारीरिक बदलावों के बारे में बात करने में शर्म महसूस करते हैं या उन्हें नज़रअंदाज़ कर देते हैं। क्या परिवार के पुरुषों की यह ज़िम्मेदारी नहीं है कि वे अपनी माता या पत्नी के स्वास्थ्य के प्रति उतने ही जागरूक बनें जितने अपने व्यवसाय या करियर के प्रति बनते हैं? आधुनिक जीवनशैली और बदलती आदतों के कारण स्तन कैंसर अब युवतियों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। चिकित्सीय रिपोर्टों के अनुसार इस रोग के मुख्य जोखिम कारक इस प्रकार हैं बदलती जीवनशैली और फास्ट फूड कल्चरःव्यायाम का अभाव और अनियमित खान-पान। वज़न का असाधारण रूप से बढ़ना कैंसर को न्योता देता है। पूरा दिन बिना हलचल के बैठे रहने की आदत शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती है। छोटी-छोटी शारीरिक तकलीफों को 'सामान्य दर्द' मानकर नज़रअंदाज़ करने की घातक आदत। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि स्तन कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं है। यदि इस रोग का निदान शुरुआती चरण में हो जाए महिलाओं को पूरी तरह से कैंसरमुक्त किया जा सकता है!

कुमार की पहली हारः लोकतंत्र के रक्षक या कठपुतली? मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सवालों के घेरे में शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के लोकतंत्र और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर एक बार फिर से गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के लिए समय अब अनुकूल नहीं रहा है। एक तरफ लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करने वाले फैसलों के खिलाफ आक्रोश फूट पड़ा है, तो दूसरी तरफ ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कानूनी शिकंजा कस गया है। राजनीतिक और कानूनी गलियारों में इस घटनाक्रम को 'ज्ञानेश कुमार की पहली हार' के रूप में देखा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग अब संवैधानिक सीमाओं को लांघकर मनमानी कर रहा है? ज्ञानेश कुमार के विवादित फैसलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका ने दिल्ली से लेकर राज्यों की राजनीति में भूचाल ला दिया है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से

स्पष्ट मांग की है कि फॉर्म-6 में मनमाना बदलाव रद्द होः चुनाव आयोग अपनी मर्जी से फॉर्म-6 में कोई फेरबदल न करे। यदि कोई भी सुधार करना हो, तो वह केवल संसद में कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। सहयोगियों की अनदेखी पर सवालः याचिका में गंभीर आरोप लगाया गया है कि ज्ञानेश कुमार ने अपने समकक्ष सहयोगियों – विवेक जोशी और एस. एस. संधू – को विश्वास में लिए बिना एकतरफा फैसले लिए हैं, जो सभी रद्द होने चाहिए। कानूनी कार्रवाई की मांगः केवल फैसले ही नहीं, बल्कि ज्ञानेश कुमार, सीमा खन्ना और गोवा के श्चऋ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की भी जोरदार मांग की गई है। यह सारा विवाद चल ही रहा था कि तभी गोवा चुनाव आयोग द्वारा एक प्रेस रिलीज जारी की गई, जिसमें इस बात को स्वीकार किया गया कि जो 97 (97) मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से छूट गए थे, उन्हें अब शामिल कर लिया गया है! यहाँ यह याद दिलाना प्रासंगिक है कि गोवा के श्चऋ द्वारा फरवरी महीने में इन 97 लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए मात्र सात दिनों के भीतर आठ-आठ बार ईमेल भेजे गए थे, लेकिन दिल्ली में बैठी व्यवस्था पूरी तरह चुप रही थी। आज अचानक इन सभी मतदाताओं को शामिल करना पड़ा, जिसे राजनीतिक विश्लेषक ज्ञानेश कुमार की पहली नैतिक और कानूनी हार बता रहे हैं।

वडोदरा में गरीबों के हक पर बिल्डरों की दावतः मधु नगर आवास योजना के वादे हवा हुए, झोपड़पट्टी तोड़कर गिफ्ट में दी गई जमीन पर अब खुलेगा 'मिस्र/मैकडॉनल्ड्स'!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात में 'सबका साथ, सबका विकास' और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के बड़े-बड़े दावे खोखले साबित हो रहे हैं, इसका सबसे बड़ा और जीवंत उदाहरण सांस्कृतिक नगरी वडोदरा से सामने आया है। वडोदरा महानगरपालिका की नाक के नीचे चल रहे घोटालों और भ्रष्टाचार की हद पार हो चुकी है। वार्ड नं. 15 में गरीबों के नाम पर केवल और केवल ठेकेदारों और मालामाल बिल्डरों की तिजोरी भरने वाली सरकारी योजना का पर्दाफाश हुआ है।वर्ष 2016 में गरीबों की झोपड़ियाँ तोड़कर शुरू की गई 'मधु नगर आवास योजना' के पीड़ित आज भी घर के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जबकि गरीबों के हक की कीमती जमीन बिल्डरों को मुफ्त में सौंप दिए जाने का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है! प्राप्त विवरण के अनुसार, वर्ष 2016 में वडोदरा महानगरपालिका द्वारा गरीब परिवारों को आवास देने के नाम पर वार्ड-15 क्षेत्र में स्थित गरीबों की झोपड़ियों पर बुलडोजर फिरा दिया गया था। गरीबों को आश्वासन दिया गया था कि उन्हें वहीं पर नए आवास बनाकर दिए जाएंगे। एक दशक बीतने के बाद भी वादा

अधूरा वर्ष 2026 चल रहा है, एक दशक बीत जाने के बावजूद आज भी वे गरीब परिवार अपने ही हक के मकानों के लिए धक्के खा रहे हैं। गरीबों के घर तो बने नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत से करोड़ों का पूरा घोटाला कर दिया गया।

गरीबों के नाम पर जमीन ली, और बिल्डर को प्लॉट मुफ्त में आवंटित कर दिया!

इस घोटाले का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि मधु नगर आवास योजना के नाम पर झोपड़ियाँ खाली करवाकर जो जगह खाली कराई गई थी, उसके एवज में या उसके आसपास के कीमती इलाकों में करोड़ों रुपये की जमीनों का खेल खेला गया। गुरुग्राम/गुरुकुल चार रास्ता के पास गिफ्टः प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस पूरी सेटिंग के तहत प्राइम लोकेशन माने जाने वाले गुरुकुल चार रास्ता पर आया कीमती प्लॉट एक बड़े बिल्डर को मुफ्त या पानी के भाव आवंटित कर दिया गया होने का गंभीर आरोप उठ रहा है। गरीबों के नाम पर रचे गए इस भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा तो देखिए! जो प्लॉट गरीबों के पुनर्वास या जनहित के लिए होना चाहिए था, वहाँ अब बहुत जल्द ही लग्जरी मल्टीनेशनल ब्रांड 'मैकडॉनल्ड्स' का आउटलेट खुलने जा रहा है। इस घटना ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' नीति है? क्या अंतिम व्यक्ति के विकास का मतलब गरीबों की झोपड़ियाँ तोड़कर वहाँ बड़े बिल्डरों को मॉल और फास्ट फूड चेन खोलने के लिए जमीन सौंप देना है? वडोदरा महानगरपालिका के सत्ताधीश और अधिकारी गरीबों के नाम पर करोड़ों रुपये का मुनाफा ठेकेदारों और बिल्डरों की झोली में उड़ेल रहे हैं, जबकि दशकों से धक्के खा रहे गरीब न्याय की उम्मीद में बैठे हैं। दिनदहाड़े चल रही इस लूट और प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता के खिलाफ स्थानीय नागरिकों और सामाजिक अग्रणियों में भारी गुस्सा फूट पड़ा है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या ड्रूस्ष्ट के भ्रष्ट अधिकारी और नेता गरीबों की लाचारी का सौदा इसी तरह करते रहेंगे?

21 करोड़ रुपये की मशीन और 265 करोड़ रुपये का किराया? सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में बहुत बड़ा करप्शन स्कैम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड और टेक्सटाइल सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर से एक बहुत ही चौंकाने वाला और शर्मनाक स्कैम सामने आया है। शहर की गरीब बहनें और मजदूर परिवार मेहनत करके और टैक्स के तौर पर अपनी कमाई की एक-एक बूंद देकर सूरत को साफ रखने में मदद करते हैं, वहीं नेता और उनके कॉन्ट्रैक्टर आम लोगों के पसीने की कमाई पर करोड़ों रुपये डकार रहे हैं! सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में यह करप्शन अब हद पार कर चुका है। जब स्कैम के आंकड़े सामने आते हैं, तो आम लोगों का सिर शर्म से झुक जाता है। सूत्रों और मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा खरीदी या किराए पर ली गई मशीनरी और इक्विपमेंट के लेन-देन में जो खेल खेला गया है, उसने अर्थशास्त्रियों को चिंता में डाल दिया है 21 करोड़ रुपये की मशीनः मशीन की असली कीमत या मार्केट प्राइस मुश्किल से 21 करोड़ रुपये के आसपास है, उस मशीन को चलाने और मेंटेन करने के लिए म्युनिसिपल ट्रेजरी से सालाना या कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर 265 करोड़ रुपये का भारी किराया दिया जा रहा है जनता के टैक्स के पैसे की लूटः अगर मशीन चलाने के नाम पर उसकी कीमत से कई गुना ज़्यादा किराया दिया जा रहा है, तो इसे एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल कहें या BJP के ठेकेदारों की तिजोरियां भरने की बड़ी साज़िश? सूरत की अनगिनत बहनें जो घर का काम करती हैं, सिलाई का काम करती हैं या छोटे-मोटे काम करके अपने परिवार का पेट पालती हैं

गणेश विसर्जन बंदोबस्त के दौरान ट्रैफिक क्लियर करने का इशारा करते समय ड्राइवर भड़क गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शुक्रवार रात अहमदाबाद शहर में हाटकेश्वर चौराहे के पास भारी ट्रैफिक जाम के दौरान, एक एक्टिवा ड्राइवर भड़क गया और ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे PSI से झगड़ा करने लगा और उनकी ड्यूटी में रुकावट डाली। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए वस्त्राल में रहने वाले एक बिजनेसमैन के खिलाफ खोखरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। ट्रैफिक कंट्रोल के दौरान एक्टिवा रोकने का इशारा करते समय ड्राइवर ने पुलिस के साथ बदतमीजी की खोखरा पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात PSI आर. आर. चौधरी 25 सितंबर को गणेश विसर्जन बंदोबस्त और पेट्रोलिंग के दौरान अपने स्टाफ के साथ मौजूद थे। रात में हाटकेश्वर चौराहे के पास भारी ट्रैफिक जाम लग गया था। जिसके कारण पुलिसकर्मी ट्रैफिक कंट्रोल का काम कर रहे थे। इसी बीच, पुलिस ने एक एक्टिवा ड्राइवर को रुकने का इशारा किया ताकि वह सड़क पर ट्रैफिक में रुकावट न डाले। लेकिन, एक्टिवा ड्राइवर ने गाड़ी खड़ी करने के बजाय उसे आगे बढ़ाने की कोशिश की। जब ड्यूटी पर मौजूद पुलिसवालों ने उसे रोकने की कोशिश की, तो वह बहुत गुस्सा हो गया और पुलिस स्टाफ से बदतमीज़ी करने लगा, अपनी मर्ज़ी से कुछ भी बोलने लगा। पुलिस ने उसे रोका और पूछताछ के लिए सड़क के किनारे ले गई। उसका नाम संदीपभाई दिनेशभाई परमार बताया गया, जो वस्त्राल का रहने वाला है।

नगर निगम चुनाव के लिए कांग्रेस के 16 और उम्मीदवारों के नाम घोषित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आने वाले गांधीनगर नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज़ हो रही है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अपनी रणनीति के तहत 16 और उम्मीदवारों की ऑफिशियल लिस्ट घोषित कर दी है। जिसमें पहले घोषित 19 उम्मीदवारों के साथ अब तक 35 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय हो चुके हैं। इस लिस्ट में सबसे बड़ा और विवादित नाम वार्ड नंबर 2 से सूर्यसिंह डाभी का है, जिनका राजनीतिक सफर और पार्टी बदलना इस समय लोकल पॉलिटिक्स के सेंटर में है। जबकि वार्ड-4 और 5 में अभी सभी उम्मीदवारों की घोषणा होनी बाकी है। साथ ही, वार्ड-6 की सीट नंबर तीन पर पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, कांग्रेस डैमेज कंट्रोल की स्थिति से बचने के लिए, अगर इन नौ उम्मीदवारों को सीधे मैंडेट देकर फॉर्म भरने के निर्देश दिए जाएं तो हैरानी नहीं होगी। वार्ड नंबर 2 की जनरल सीट से टिकट पाने वाले सूर्य सिंह डाभी पहले कांग्रेस पार्टी में जिला और शहर अध्यक्ष जैसे अहम पदों पर काम कर चुके हैं।

जेतपुर-अमरेली मार्ग पर एसटी बस और बाइक की टक्कर, बाइकर की मौके पर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। थाना गलोल गांव के पास जेतपुर-अमरेली मार्ग पर शनिवार को एसटी बस और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि बाइक सवार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार थाना गलोल गांव की पुरानी सड़क से एक बाइक सवार मुख्य मार्ग पर आ रहा था। इसी दौरान जेतपुर-अमरेली रूट पर जा रही एसटी बस से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव के प्रयास किए, लेकिन बाइक सवार की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान चेतन हरसमुखभाई गोहेल (47) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही तालुका पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और हादसे से संबंधित आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस द्वारा दुर्घटना के संबंध में जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही के बीच पुरानी सड़क से आने वाले वाहनों को सावधानी बरतने की जरूरत है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

डभोई शहर में मौसमी महामारीः प्राइवेट अस्पताल मरीजों से भरे, प्रशासन की बड़ी लापरवाही पर लोगों में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के आर्थिक और वाणिज्यिक केंद्र समान अहमदाबाद शहर में ऑनलाइन राइड-हैलिंग प्लेटफॉर्म्स (कैब सर्विस) के बीच खतरनाक प्रतिस्पर्धा छिड़ गई है। एक तरफ उबर और रेपिडो जैसे दिग्गज प्लेटफॉर्म्स को छोड़कर बड़ी संख्या में कैब ड्राइवर नए उभरे 'भारत टैक्सी' ऐप से जुड़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ इस बदलाव के कारण आम यात्रियों के लिए सड़क पर सफर करना मुश्किल हो गया है। शहर में कैब की भारी कमी पैदा हो गई है और ड्राइवरों द्वारा यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाकर दबाव बनाने की घटनाएं बढ़ने के बाद आखिरकार पुलिस को मैदान में उतरकर सख्त निर्देश जारी करने पड़े हैं। प्राप्त विवरण के अनुसार, अहमदाबाद में पिछले कुछ समय से ऑनलाइन कैब सर्विस देने वाली कंपनियों की नीतियों और कमीशन के विवाद के बीच ड्राइवरों का बड़ा वर्ग 'भारत टैक्सी' की तरफ शिफ्ट हो रहा है। इस व्यापक बदलाव के कारण अचानक हीः अहमदाबाद के कई यात्रियों ने प्रशासन के समक्ष उग्र शिकायतें दर्ज कराई हैं कि जब वे उबर या रेपिडो पर राइड बुक करते हैं, तब ड्राइवर फोन करके या रूबरू मिलकर बुकिंग रद्द करने और अनिवार्य रूप से 'भारत टैक्सी' ऐप का इस्तेमाल करने अथवा सीधे नकद में यात्रा करने का दबाव बनाते हैं। यदि कोई यात्री मना करता है, तो ड्राइवर राइड रद्द कर देते हैं, जिसके कारण सीनियर नागरिकों, नौकरीपेशा लोगों और महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों की बढ़ती शिकायतों और शहर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े, इसके लिए अहमदाबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस द्वारा कैब ड्राइवरों को स्पष्ट और मौखिक चेतावनी दी गई है कि यदि कोई ड्राइवर यात्रियों के साथ ग्राहक विरोधी व्यवहार करेगा या दबंगई करेगा.

साल्हेवारा के युवाओं ने दिखाया उत्साह, उपमुख्यमंत्री से हुआ सीधा संवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावरा। लायन्स क्लब जावरा द्वारा संचालित लायन्स नेत्र चिकित्सालय अपने सेवा संकल्प और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के दम पर निरंतर जन-जन का विश्वास अर्जित कर रहा है। चिकित्सालय की विश्वसनीयता और ख्याति के चलते नागदा-खाचरौद के लोकप्रिय विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान ने जावरा स्थित लायन्स नेत्र चिकित्सालय पहुँचकर अपना संपूर्ण नेत्र परीक्षण करवाया। उक्त जानकारी देते हुए लायन्स क्लब जावरा के सचिव ला. संदीप रांका ने बताया की ?चिकित्सालय के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एन. के. वर्मा ने विधायक डॉ. चौहान का विधिवत नेत्र परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान विधायक महोदय ने डॉ. वर्मा से नेत्र स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर लायन्स क्लब जावरा के अध्यक्ष ला. सुधीर जैन, सचिव ला. गुरु संदीप रांका, पूर्व अध्यक्ष ला. अनिल धारीवाल, पूर्व अध्यक्ष ला. सजी वर्गीस तथा ला. नरेंद्र संघवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। ?परीक्षण के उपरांत विधायक डॉ. चौहान ने चिकित्सालय परिसर का गहन निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य सुविधाओं व व्यवस्थाओं को लेकर क्लब पदाधिकारी अध ला. सुधीर जैन सचिव ला. गुरु संदीप रांका, पुर्वाध्यक्ष ला. अनिल धारीवाल पुर्वाध्यक्ष ला. सजीवर्गीस ला. नरेंद्र संघवी से विचार-विमर्श किया। चिकित्सालय की कार्यप्रणाली और आधुनिक सुविधाओं से प्रभावित होकर डॉ. चौहान ने कहा, 'लायन्स क्लब जावरा द्वारा महानगरों जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधा जावरा जैसे नगर में सुलभ कराना अत्यंत प्रशंसनीय है। यही सच्ची मानव सेवा और जनकल्याण का उत्कृष्ट उदाहरण है। ' ?उन्होंने चिकित्सालय परिसर में व्याप्त स्वच्छता, अनुशासित वातावरण और समर्पित स्टाफ के सेवाभाव की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। साथ ही, समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुलभ नेत्र चिकित्सा पहुँचाने के क्लब के इस सेवा संकल्प को अनुकरणीय बताया।

अहमदाबाद में AMC का बुलडोजर एक्शन

अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन की सख्त नजर, 1 सितंबर से 24 सितंबर के बीच लाखों किलो सामान जब्त और लाखों का जुर्माना वसूल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में ट्रैफिक की समस्या और सार्वजनिक सड़कों पर होने वाले अतिक्रमण से परेशान आम जनता के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। अहमदाबाद नगर निगम के एस्टेट विभाग द्वारा शहर के सभी 7 ज़ोन में अतिक्रमण हटाने का महाअभियान शुरू किया गया है। प्रशासन द्वारा सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और व्यावसायिक क्षेत्रों से अवैध कब्जों का सफाया करने के लिए अत्यंत आक्रामक कार्रवाई की गई है, जिसके आंकड़े देखकर अतिक्रमणकारियों के होश उड़ गए हैं।

1 से 24 सितंबर, 2026 तक की कार्रवाई के चौंकाने वाले आंकड़े

AMC के एस्टेट विभाग द्वारा गत 1 सितंबर से 24 सितंबर, 2026 के दौरान की गई सघन ड्राइव के आधिकारिक आंकड़े निम्नलिखित हैं

1,428 लारी-गल्ले हटाए गएः सड़कों को घेरकर बैठने वाले लारी-गल्ला चालकों को खदेड़कर रास्ते खुले किए गए।

413 शेड हटाए गएः अवैध निर्माण और शेड खड़े करके रास्ता रोकने वालों पर बुलडोजर चलाया गया।

1,882 बांस-बली-ताड़पत्री जब्तः लारी और पटरीवालों द्वारा खड़े किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए।

8,479 अन्य परचून सामान जब्तः सड़क पर बिक्री के लिए फैलाया गया हजारों किलोग्राम सामान जब्त किया गया।

3,680 विज्ञापन बोर्ड, बैनर और होर्डिंग हटाए गएः शहर में अवैध रूप से लगाए गए पोल और बैनरों का सफाया किया गया।

2,309 वाहन लॉक किए गएः नो-पार्किंग या सार्वजनिक सड़कों पर आड़े-तिरछे खड़े किए गए वाहनों को सजा के तौर पर लॉक किया गया।

2,340 वाहनों पर जुर्मानाः नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालकों से मौके पर ही जुर्माना वसूला गया।

कुल 15.24 लाख का जुर्माना वसूलः अवैध गतिविधियां करने वालों से लाखों रुपये का जुर्माना वसूलकर सरकारी खजाने में जमा कराया गया। जनता को राहत देने के लिए प्रशासन का कसा शिकंजा अहमदाबाद नगर निगम की इस सख्त कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक मार्गों पर आवाजाही को अधिक सुगम बनाना और शहर में सुव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखना है। लंबे समय से नागरिकों की शिकायत थी कि लारी-गल्लों और अवैध अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक जाम की विकट समस्या पैदा होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए AMC ने अब कड़ा रुख अपनाया है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि जो लोग दोबारा सड़कों पर अतिक्रमण करेंगे, उनके खिलाफ और अधिक आक्रामक कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

डभोई तालुका के कुकड़ गांव में झील के किनारे 10 फुट लंबा विशालकाय अजगर मिलाः युवाओं की समय रहते सूझबूझ से एक बड़ी अनहोनी टल गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका के कुकड़ गांव में एक झील के किनारे अचानक 10 फुट लंबा विशालकाय अजगर दिखने से पूरे जिले में भारी हलचल मच गई। वन विभाग और स्थानीय युवाओं की मिली-जुली कोशिशों से इस विशालकाय अजगर को सुरक्षित बचाने में सफलता मिली है, जिससे गांव वालों ने राहत महसूस की है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुकड़ गांव में झील के किनारे से गुजर रहे कुछ गांव वालों को अचानक एक विशालकाय अजगर दिखा। दिन के समय झील के किनारे इतना बड़ा अजगर देखकर लोगों की सांसें थम गईं। जैसे ही यह खबर पूरे गांव में जंगल की आग की तरह फैली, मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस विशालकाय जीव को आबादी के करीब देखकर कुछ देर के लिए पूरे इलाके में भारी डर और सन्नाटा छा गया।इस गंभीर स्थिति में भी गांव के सतर्क युवाओं ने घबराने के बजाय गजब की हिम्मत और समय रहते सूझबूझ दिखाई। अजगर किसी को नुकसान न पहुंचाए या डर के मारे पास की घनी झाड़ियों में छिप न जाए, इसके लिए युवाओं ने सावधानी से उसे एक बोरे से ढक दिया और स्थिति को काबू में कर लिया। युवाओं की इस समयबद्धता के कारण कोई भी अनहोनी टल गई। जैसे ही स्थानीय लोगों ने इस मामले की जानकारी तुरंत वन विभाग को दी, वन विभाग की रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची। बड़ी मेहनत और कुशलता के बाद, वन कर्मचारियों ने इस 10 फुट लंबे अजगर को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू करके पिंजरे में डाल दिया। वन विभाग के अनुसार, शुरुआती जांच और हेल्थ चेकअप के बाद, इस अजगर को उसके प्राकृतिक आवास, यानी घने जंगल वाले इलाके में, जो आबादी से सुरक्षित दूरी पर है, बिना किसी नुकसान के छोड़ दिया गया है। स्थानीय लोगों के अनुमान के अनुसार, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह विशाल अजगर खाना या शिकार की तलाश में कुकड़ गांव के आसपास के तालाब और नमी वाले प्राकृतिक माहौल से बाहर आया था। वन विभाग ने गांव वालों से अपील की है कि वे आसपास के इलाके में अलर्ट रहें और किसी भी जंगली जानवर के दिखने पर तुरंत सूचना दें। य

चांगोदर में शर्मनाक कांडः 13 साल की नाबालिग के साथ रिश्तेदार ने ही किया दुष्कर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में सुरक्षा के बड़े-बड़े दावों के बीच अहमदाबाद के ग्रामीण इलाके से मानवता को शर्मसार करने वाली और कलेजा कंपा देने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद के पास औद्योगिक और संवेदनशील माने जाने वाले चांगोदर क्षेत्र में एक 13 वर्ष और 8 माह की मासूम नाबालिग के साथ उसके ही पारिवारिक रिश्तेदार द्वारा लगातार दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने नाबालिग को डरा-धमकाकर उसकी मजबूरी का फायदा उठाया था। इस भयानक घटना के सामने आते ही पूरे इलाके में भारी रोष और सनसनी फैल गई है। चांगोदर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस कुख्यात और आपराधिक इतिहास वाले 23 वर्षीय नराधम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, चांगोदर क्षेत्र में रहने वाली 13 वर्ष 8 माह की नाबालिग को उसका ही पारिवारिक रिश्तेदार (भाई या चाचा लगने वाला शख्स) पिछले कुछ समय से निशाना बना रहा था।

धमकियों का सिलसिलाः आरोपी ने नाबालिग को अलग-अलग डरावनी धमकियाँ देकर ब्लैकमेल किया था।

5 महीने में 4 से 5 बार दुष्कर्म– नराधम ने अपने ही परिवार की बेटी की आबरू के साथ खेलते हुए पिछले 5 महीनों में 4 से 5 बार उसके साथ जबरन अकुदरती या अनैतिक संबंध बनाए। मासूम नाबालिग डर के मारे मूक बनकर यह जुल्म सहती रही थी। इस पाप की कहानी का अंत तब हुआ जब नाबालिग के माता-पिता पवित्र तीर्थधाम अंबाजी दर्शन के लिए गए थे और वहाँ से लौटकर अपने घर आए। घर लौटने के बाद नाबालिग का डर दूर हुआ और उसने हिम्मत जुटाकर अपने साथ हुई इस घृणास्पद आपबीती को रूबरू अपने माता-पिता के सामने रखा। बेटी के मुँह से यह भयानक सच सुनकर माता-पिता के होश उड़ गए और पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना की गंभीरता को समझते हुए नाबालिग के परिजनों ने तुरंत चांगोदर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। पुलिस जाँच में इस आरोपी की एक और भयानक कुंडली सामने आई है।

अहमदाबाद के मकरबा ओवरब्रिज का लोकार्पणः पहले ही दिन 'विकास' ट्रैफिक के जाम में फँसा, जनता परेशान!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में विकास के बड़े-बड़े दावों के साथ लोकार्पण तो धूमधाम से कर दिए जाते हैं, लेकिन बिना योजना के काम जनता के लिए कैसे आफत बन जाते हैं, इसका जीवंत उदाहरण मकरबा ओवरब्रिज पर देखने को मिला है। अहमदाबाद के मकरबा में नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज का गत 24 सितंबर को मुख्यमंत्री के हाथों भव्य लोकार्पण किया गया था। जनता को राहत देने के दावे के साथ शुरू हुआ यह ब्रिज शुरू होने के पहले ही दिन ट्रैफिक व्यवस्था की विफलता का शिकार बन गया है। सरखेज-जुहापुरा और एसजी हाईवे जैसे अत्यंत व्यस्त क्षेत्रों को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण ब्रिज पर लोकार्पण की शाम से ही चक्काजाम की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। नया ब्रिज शुरू होने से राहत मिलने की उम्मीद लगाकर बैठे वाहन चालक घंटों तक ट्रैफिक में फंसे रहे, जिसके कारण लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। स्थिति सुधारने के बजाय प्रशासनिक तंत्र और ट्रैफिक विभाग की लचर नीति के कारण मुश्किलें और बढ़ गईं। 25 सितंबर को प्रशासन द्वारा अचानक चार रास्ते बंद करके भारी डायवर्जन दिए गए, जिसके कारण मकरबा और आसपास के आंतरिक रास्तों पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया और लोग असह्य ट्रैफिक की त्रासदी का शिकार बने। जनता प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने में सफल रहता है या फिर मकरबा के इस नए ब्रिज पर वाहन चालकों को रोज इसी तरह परेशान होना पड़ेगा?

अहमदाबाद से मात्र 50 किमी दूर 'मौत के कुएं' बनते जा रहे गाँवःभेटावाडा सहित पाँच गाँवों के लोग पिछले 35 दिनों से नर्क जैसी ज़िंदगी जीने को मजबूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोलका। गुजरात की 'आर्थिक राजधानी' कहे जाने वाले अहमदाबाद से मात्र 50 किमी की दूरी पर स्थित धोलका तालुका का भेटावाडा गाँव। गाँव का बोर्ड दिखाई देने से लगभग दो किमी पहले से ही छाती चीर देने वाली और दम घोंटने वाली दुर्गंध वातावरण में फैल जाती है। पहली नज़र में रास्ते पर दिखने वाली हरियाली के 'स्वच्छ' वातावरण के भ्रम को यह असह्य गंध, जगह-जगह बहते गंदे पानी के नाले, कीचड़ और पानी पर पनपे मच्छरों व काई का दृश्य पल भर में तोड़ देता है। आज भेटावाडा सहित पालड़ी, त्रासद, नेसड़ा और आंमरेली - इन पाँचों गाँवों की हालत इतनी भयानक हो गई है कि वहाँ जीवित रहना रोज़मर्रा की एक असह्य लड़ाई बन गया है। गाँव के मुख्य रास्ते की दोनों तरफ़ केमिकल युक्त गंदा पानी भरा हुआ है, जिस पर मोटी काई जम गई है। रास्ते पर कम से कम चार जगहों पर गंदे पानी के बड़े बहाव सड़क को पार कर दूसरी तरफ पहुँच रहे हैं। रास्ते के दोनों तरफ बने कच्चे-पक्के मकानों और खेतों के आसपास घुटनों तक 'गंदा पानी' भरा हुआ दिखाई दे रहा है। इन गाँवों के लोगों का सीधा और गंभीर आरोप है कि उनके आसपास चल रहे औद्योगिक इकाइयों (इंडस्ट्रीज़) और स्थानीय नगरपालिका द्वारा धड़ल्ले से छोड़े जा रहे 'गंदे पानी' तथा 'सरकारी निष्क्रियता' के परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों से इन गाँवों में लगातार 'त्वचा संबंधी बीमारियाँ और कैंसर' के मामलों में भारी उछाल आया है।

वड़ताल में 16 वर्षीय नाबालिग से छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। प्रसिद्ध तीर्थधाम वड़ताल क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग से छेड़खानी का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों ने वड़ताल पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार रावली गांव निवासी रिजवान मियां रियाज मियां मलक पर नाबालिग से छेड़खानी करने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में आरोपी की पहचान होने के बाद पुलिस ने तकनीकी निगरानी और अन्य माध्यमों की मदद से उसे पकड़ लिया। नाबालिग की उम्र 16 वर्ष होने के कारण पुलिस ने मामले में पॉक्सो अधिनियम समेत संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की है। घटना के बाद वड़ताल और खेड़ा क्षेत्र में लोगों में रोष है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

अहमदाबाद में महाठगीः 519 करोड़ रुपये के फर्जी डोनेशन घोटाले में सीआईडी क्राइम में गरजी शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर से एक बेहद चौकाने वाला और देश भर में सनसनी फैला देने वाला करोड़ों रुपये का आर्थिक घोटाला सामने आया है। नरोडा रोड पर सिर्फ कागजों पर चलने वाली 'स्वतंत्रता अभिव्यक्ति पार्टी' नामक फर्जी राजनीतिक दल की आड़ में अनगिनत लोगों के साथ मिलकर 519 करोड़ रुपये के नकली डोनेशन प्राप्त किए जाने का खुलासा हुआ है। इस मास्टरमाइंड घोटाले के जरिए सरकारी तिजोरी को सीधा चूना लगाकर 155 करोड़ रुपये की भारी कर चोरी को अंजाम दिया गया है, जिसका भंडाफोड़ होने के बाद अब सीआईडी क्राइम की टीम पूरी तरह सक्रिय हो गई है। ायकर भवन के सहायक निदेशक मुक्तेन्द्रकुमार सतीशकुमार द्वारा दर्ज कराई गई आधिकारिक शिकायत के अनुसार, यह पूरी पार्टी सिर्फ कागज पर रजिस्टर्ड अप्रमाणित राजनीतिक दल के रूप में खड़ी की गई थी। जमीनी स्तर पर इस पार्टी का कोई वास्तविक अस्तित्व ही नहीं था, लेकिन इसका एकमात्र उद्देश्य टैक्स चोरी करना और अवैध कमीशन कमाना था। घोटाले के तौर-तरीके को देखकर जांचकर्ताओं के भी होश उड़ गए हैं। देश भर के बड़े करदाताओं से चेक या आरटीजीएस के माध्यम से फर्जी डोनेशन प्राप्त किया जाता था। दान देने वाले व्यक्तियों से 8 से 9 प्रतिशत तक का भारी-भरकम कमीशन काटकर बाकी के करोड़ों रुपये उन्हें कैशबैक के रूप में वापस दे दिए जाते थे। धारा 80जीजीसी के तहत टैक्स में 100 प्रतिशत छूट दिलाने का लालच देकर पूरा नेटवर्क चलाया जा रहा था। दिए गए आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पार्टी का पता दुकान नं. 2, महावीर नगर, कल्याण मिल के सामने, चेतना होटल के बाजू में, नरोडा रोड, सैजपुर बोघा, अहमदाबाद दर्शाया गया था। हालांकि, जब प्रशासनिक जांच की गई तो इस पते पर पार्टी का कोई कार्यालय, स्टाफ या किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि का नामोनिशान देखने को नहीं मिला। काले धन को सफेद करने के लिए 'जय ट्रेडिंग कंपनी' नाम की शेल कंपनी खड़ी कर उसमें पैसे ट्रांसफर करके नकदी निकाल ली जाती थी। इस गंभीर अपराध की जांच फिलहाल पीआई कल्पेशकुमार पटेल कर रहे हैं।

1.28 करोड़ एलपीजी ग्राहक होने के बावजूद वास्तविक स्थिति पर रहस्य का पर्दा क्यों?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में एक तरफ विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ आम जनता और गृहिणियों की रसोई में मंहगाई का ऐसा धुआँ फैल गया है कि गैस सिलेंडर खरीदना अब लोहे के चने चबाने समान हो गया है। हाल ही में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री निशित व्यास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में भाजपा सरकार के सामने अत्यंत गंभीर सवाल उठाए गए हैं। राज्य में 1.28 करोड़ से अधिक ग्राहक होने के बावजूद वास्तविक रिफिल का डेटा छुपाए जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए निशित व्यास ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं केवल सामान्य ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार की ढिंढोरा पीटने वाली 'उज्ज्वला योजना' के सक्रिय ग्राहकों में भी लगभग 6 लाख की गिरावट दर्ज की गई है। गुजरात की स्थितिः गुजरात में 1 अप्रैल 2026 को लगभग 1.285 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी ग्राहक और लगभग 44 लाख उज्ज्वला कनेक्शन थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल कनेक्शन बाँट देने भर से गरीबों की रसोई हरी-भरी हो गई है? कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार से माँग की है कि केवल 'कनेक्शन देने' के आंकड़े दिखाने का पाखंड बंद करके सरकार निम्नलिखित जिला और तालुका-वार पारदर्शी डेटा सार्वजनिक करे एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर भी सरकार की पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े हुए हैं। 1 मार्च 2026 के संसदीय जवाब के अनुसार, 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की प्रभावी कीमत सामान्य ग्राहक के लिए ?913 और उज्ज्वला लाभार्थी के लिए 613 थी।

जयपुर नगर निगम में डिप्टी मेयर के लिए मतदान शुरू, भाजपा की सरोज कंवर और कांग्रेस के सलमान मंसूरी आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। नगर निगम जयपुर में डिप्टी मेयर पद के लिए शनिवार को मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई। भाजपा और कांग्रेस के पार्षद नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा ने वार्ड 90 की पार्षद सरोज कंवर को प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस की ओर से वार्ड 137 के पार्षद सलमान मंसूरी मैदान में हैं। दोनों प्रत्याशियों के बीच मुकाबले के चलते मतदान कराया जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी सरोज कंवर भी मतदान के बाद नगर निगम से बाहर निकलीं। यदि वह चुनाव जीतती हैं तो जयपुर नगर निगम के इतिहास में पहली महिला डिप्टी मेयर बनने का रिकॉर्ड उनके नाम होगा। सरोज कंवर भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री रणजीत सिंह सोडाला की पत्नी हैं। पार्टी ने इस चुनाव में महिला चेहरे के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़ा प्रतिनिधित्व भी सामने रखा है। कांग्रेस प्रत्याशी सलमान मंसूरी ने नामांकन से पहले क्रॉस वोटिंग की संभावना का दावा किया था। वहीं भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा था कि प्रत्याशी का चयन पार्टी पार्षदों की राय के आधार पर किया गया है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से विवाद पैदा करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वास्तविक स्थिति अलग है। दोनों पक्षों के दावों के बीच अब निगाहें मतदान के परिणाम पर टिकी हैं। डिप्टी मेयर चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने पार्षदों की बाड़ेबंदी की थी। चुनाव के लिए पार्षद एक बार फिर नगर निगम मुख्यालय पहुंचे हैं। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद लंबे समय से चल रही बाड़ेबंदी समाप्त होने की संभावना है। वहीं निर्दलीय पार्षदों को लेकर भी दोनों खेमों में संपर्क और बातचीत का दौर चला है। भाजपा की ओर से निर्दलीय पार्षदों के समर्थन का दावा किया गया है, हालांकि वास्तविक स्थिति मतदान और मतगणना के बाद ही स्पष्ट होगी। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार नामांकन प्रक्रिया के बाद दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी का समय रखा गया था।

जयपुर में कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर पति की हत्या का आरोप, पत्नी और ससुर समेत पांच पर मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। कानोता थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में उसकी पत्नी, ससुर समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मृतक की मां ने आरोप लगाया है कि उसके बेटे बबलू मीणा को उसकी पत्नी सुनीता ने अपने पिता और अन्य परिजनों के साथ मिलकर कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने अदालत के आदेश पर शुक्रवार दोपहर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कानोता थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह के अनुसार बैनाड़ा निवासी मन्नी देवी ने अपने बेटे बबलू की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में मृतक की पत्नी सुनीता, उसके पिता प्रकाश मीणा, भाई रामावतार तथा हेमल्यावाला, दौसा निवासी भतीजे गोलू और दीपक पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले में आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार बबलू मीणा की शादी मई 2024 में सुनीता के साथ हुई थी। मृतक की मां ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ समय से बबलू को पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध होने का शक था। इसी कारण उसने सुनीता का मोबाइल अपने पास रख लिया था। इसके बाद 19 जुलाई 2026 को सुनीता घर छोड़कर अपने मामा के घर बिहारीपुरा चली गई थी। आरोप है कि 22 जुलाई को सुनीता ने बबलू को अपने पिता और भाइयों से बातचीत करने के बहाने बिहारीपुरा बुलाया। वहां बातचीत के दौरान उसे कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिलाया गया। इसके बाद बबलू को घर जाने के लिए कहा गया। घर पहुंचने के बाद दोपहर में उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे तेज सिरदर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी। परिजन और पड़ोसी उसे पास के नवजीवन अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जहर दिए जाने की आशंका जताते हुए उसे एसएमएस अस्पताल ले जाने की सलाह दी। अस्पताल ले जाते समय बबलू ने परिजनों को बताया कि बिहारीपुरा में उसके ससुरालवालों प्रकाश, गोलू, दीपक और सुनीता ने उसे कोल्ड ड्रिंक में जहर दिया है। एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था। मृतक की मां के अनुसार बबलू के मोबाइल की रिकॉर्डिंग जांचने पर सुनीता और उसके पिता प्रकाश के बीच बातचीत की एक रिकॉर्डिंग मिली, जिसमें कथित तौर पर बबलू को जहर देने की बात सामने आती है।

AI Generated

जालम सिंह हत्याकांड में मुख्य आरोपी भागीरथ विश्नोई को दूसरी बार भी जमानत नहीं

राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने खारिज की याचिका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। सांचौर के बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड में मुख्य आरोपी भागीरथ विश्नोई को राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ से भी राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने उसकी दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 25 सितंबर 2026 को यह आदेश जारी किया। मामले की सुनवाई फिलहाल अपर सेशन न्यायाधीश, सांचौर की अदालत में चल रही है। मामले में जालम सिंह के पिता अनोप सिंह ने 18 अगस्त 2024 को सांचौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार जालम सिंह पहले हुबली में भागीरथ विश्नोई की लॉज में काम करता था। बकाया वेतन मांगने पर उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। आरोप है कि इसके बाद लॉज से डोडा-पोस्त पकड़े जाने के मामले में भागीरथ ने जालम सिंह को जिम्मेदार ठहराया और उससे 15 लाख रुपए की मांग की। रिपोर्ट में जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। परिवाद के अनुसार 17 अगस्त 2024 को जालम सिंह सांगड़वा से सांचौर गया था। शाम तक उसके घर नहीं लौटने पर पिता ने उसके मोबाइल पर फोन किया। आरोप है कि फोन भागीरथ ने उठाया और 15 लाख रुपए पहुंचाने की बात कही। इसके बाद जालम सिंह ने फोन पर अपने पिता को बताया कि उसके साथ मारपीट की जा रही है। बाद में मामले में पुलिस ने भागीरथ सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया और जांच पूरी कर आरोप पत्र अदालत में पेश किया। दूसरी जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि भागीरथ को आपसी दुश्मनी के कारण मामले में झूठा फंसाया गया है। बचाव पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि मृतक के शरीर पर मिली 40 चोटों में कोई भी गंभीर प्रकृति की नहीं थी और आरोपी अगस्त 2024 से जेल में बंद है। वहीं परिवादी की ओर से अधिवक्ता निखिल भंडारी ने जमानत का विरोध किया। उन्होंने गवाहों के बयानों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए अदालत के समक्ष मामले से जुड़े तथ्य रखे। उनका कहना था कि अब तक दर्ज आठ गवाहों के बयान आरोपी के खिलाफ हैं, जबकि 18 अन्य गवाहों के बयान अभी दर्ज होना बाकी हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने भागीरथ विश्नोई की दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी।

जोधपुर के आसमान में गरजेंगे राफेल, तेजस और एफ-35, 'तरंग शक्ति-2026' का आगाज

भारत समेत कई देशों के 100 से ज्यादा विमान और 3 हजार से अधिक वायु योद्धा होंगे शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर का आसमान एक बार फिर दुनिया के खतरनाक लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट से गूंजने वाला है। बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' शनिवार से शुरू हो गया है। यह युद्धाभ्यास 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक जोधपुर एयरबेस पर चलेगा। इसमें भारत समेत 8 देशों की वायु सेनाओं के जवान हिस्सा ले रहे हैं। अभ्यास के लिए 32 पर्यवेक्षक और करीब 100 विमान जोधपुर पहुंच चुके हैं। वहीं 3 हजार से अधिक वायु योद्धा इस अंतरराष्ट्रीय अभ्यास में भाग ले रहे हैं। युद्धाभ्यास के दौरान राफेल, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई, पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 और एफ-16 जैसे लड़ाकू विमान अपनी परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही हवा में ईंधन भरने वाले विमान भी अभ्यास का हिस्सा होंगे। अलग-अलग देशों के विमानों के एक साथ अभ्यास करने से हवाई अभियानों में तालमेल और परिचालन क्षमताओं को परखा जाएगा। भारतीय वायुसेना इस युद्धाभ्यास के दौरान ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख का भी अभ्यास करेगी। इसके लिए जोधपुर सहित पश्चिमी सीमा के 4 से 5 एयरबेस को अभ्यास में शामिल किया जाएगा। इन एयरबेस से लड़ाकू विमान अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार उड़ान भरेंगे और लक्ष्य पर कार्रवाई का अभ्यास करेंगे। फ्रांस की वायु रक्षा एवं हवाई संचालन कमान के डिप्टी कमांडर जूलियन साबेने ने तरंग शक्ति को फ्रांस के लिए महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास बताया। उन्होंने कहा कि इसी वजह से फ्रांस की टीम समय पर भारत पहुंची है। अपने पेगासस-26 मिशन के तहत फ्रांस चार लड़ाकू विमान लेकर भारत आया है। उन्होंने कहा कि भारत फ्रांस का महत्वपूर्ण वैश्विक रणनीतिक साझेदार है और इस अभ्यास के जरिए दोनों देश मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं। जूलियन साबेने के अनुसार भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर काम करने के लिए फ्रांस के पास कुल सात राफेल विमान होंगे। भारत की ओर से फ्रांस से 114 राफेल विमानों की खरीद की चर्चा पर उन्होंने कहा कि फ्रांस भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर काम करने और बेहतर कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक है। 'तरंग शक्ति-2026' के दौरान विभिन्न देशों की वायु सेनाएं संयुक्त रूप से परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी। 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में जोधपुर एयरबेस प्रमुख केंद्र रहेगा।

मूलियावास के तालाब में सैकड़ों मछलियां मरी, ग्रामीणों ने जताई केमिकलयुक्त पानी की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के पास मूलियावास गांव के तालाब में शुक्रवार को एक के बाद एक सैकड़ों मछलियां मृत मिलने से ग्रामीणों में चिंता फैल गई। तालाब में बड़ी संख्या में मछलियां मरी हुई दिखाई देने के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि तालाब में केमिकलयुक्त पानी पहुंचने के कारण मछलियों की मौत हुई है। हालांकि, मौके पर पहुंची टीम की प्रारंभिक जांच में तालाब के पानी में ऑक्सीजन की कमी को मछलियों की मौत का संभावित कारण माना गया है। वास्तविक कारण प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। मूलियावास निवासी अधिवक्ता विक्रमसिंह जोधा ने बताया कि 25 सितंबर को ग्रामीणों ने तालाब में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां देखीं। मछलियों की लगातार मौत की जानकारी सामने आने के बाद ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी और तालाब के पानी की जांच कराने की मांग की। ग्रामीणों की शिकायत के बाद पाली तहसीलदार विकास, प्रदूषण नियंत्रण मंडल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों और संबंधित विभाग की टीम ने तालाब का निरीक्षण किया तथा पानी के नमूने लिए। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारियों की ओर से पानी की गुणवत्ता और मछलियों की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। मौके पर की गई प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि संभवतः तालाब के पानी में ऑक्सीजन की कमी के चलते मछलियों की मौत हुई हो। हालांकि, यह केवल प्रारंभिक आकलन है और अभी मछलियों की मौत का अंतिम कारण सामने नहीं आया है। पानी के नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि तालाब में किसी तरह का रासायनिक प्रदूषण मौजूद था या नहीं। ग्रामीणों द्वारा केमिकलयुक्त पानी के कारण मछलियों की मौत की आशंका जताए जाने के बाद जांच रिपोर्ट को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि पानी में किसी तरह के रासायनिक तत्व या प्रदूषण की पुष्टि होती है तो उसके स्रोत की भी जांच की जा सकती है। फिलहाल प्रशासन और संबंधित विभाग प्रयोगशाला रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर कार ने ऑटो को मारी टक्कर, एक की मौत, चार महिलाएं घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर सानवाड़ा और वीरवाड़ा के बीच तेज रफ्तार कार ने आगे चल रहे ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क से दूर जाकर में गिर गया। हादसे में ऑटो में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार महिलाओं का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार ऑटो रिक्शा पिंडवाड़ा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क से दूर में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायलों को बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस 108 के पायलट सुरेंद्र सिंह देवड़ा और मेल नर्स राजू जीनगर मौके पर पहुंचे। दोनों ने घायलों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई और सभी को उपचार के लिए सिरोही के सरकारी अस्पताल स्थित ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का उपचार शुरू किया। हादसे में गंभीर रूप से घायल रामाराम पुत्र चेनाजी की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं डिंगार गांव निवासी छोगी देवी पत्नी लक्षाराम, सुखी देवी पत्नी छगनलाल, चेनू देवी पत्नी लाखाराम और ज्योत्सना घायल हैं। चारों महिलाओं का अस्पताल में उपचार जारी है।

माउंट आबू की बेटी डॉ. मनस्वी ने नौ महीने में फतह की पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियां

एशिया से अंटार्कटिका तक लहराया तिरंगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। 28 वर्षीय डॉ. मनस्वी अग्रवाल ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए महज नौ महीने में पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर तिरंगा फहराया है। उन्होंने एशिया, यूरोप, अफ्रीका, अंटार्कटिका और दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटियों को फतह कर अपनी पहचान बनाई। उनकी इस उपलब्धि से माउंट आबू में भी उत्साह का माहौल है, क्योंकि उनके पर्वतारोहण सफर की शुरुआती नींव यहीं रखी गई थी। डॉ. मनस्वी अग्रवाल ने दुनिया के पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर पहुंचकर भारत का तिरंगा लहराया। इनमें एशिया की माउंट एवरेस्ट, यूरोप की माउंट एल्ब्रुस, अफ्रीका की माउंट किलिमंजारो, अंटार्कटिका की माउंट विन्सन मैसिफ और दक्षिण अमेरिका की माउंट एकोनकागुआ शामिल हैं। मनस्वी को अंटार्कटिका की सर्वोच्च चोटी माउंट विन्सन मैसिफ पर तिरंगा फहराने वाली राजस्थान की पहली नागरिक बताया गया है। उनके इस पर्वतारोहण अभियान की खास बात यह है कि उन्होंने पांच अलग-अलग महाद्वीपों की ऊंची चोटियों को करीब नौ महीने की अवधि में फतह किया। कठिन मौसम, ऊंचाई और चुनौतीपूर्ण पर्वतीय परिस्थितियों के बीच इन अभियानों को पूरा करना उनके लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। मनस्वी के पर्वतारोहण सफर की शुरुआत माउंट आबू से हुई। वर्ष 2021 में परिवार के साथ माउंट आबू आने के दौरान उन्हें गुजरात सरकार के स्वामी विवेकानंद पर्वतारोहण संस्थान के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने इसी संस्थान से पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेने का निर्णय किया। संस्थान में उन्होंने बुनियादी और उन्नत पर्वतारोहण प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान पर्वतीय परिस्थितियों में चढ़ाई, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों से निपटने और अभियान की तैयारियों से जुड़े अनुभव हासिल किए। इसी प्रशिक्षण ने आगे चलकर उनके पर्वतारोहण अभियानों की आधारभूमि तैयार की। माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगे के साथ डॉ. मनस्वी अग्रवाल की तस्वीर उनकी इस यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाती है। पांच महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर तिरंगा फहराने की उपलब्धि के साथ उन्होंने पर्वतारोहण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके इस सफर में माउंट आबू स्थित पर्वतारोहण संस्थान की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही, जहां से उन्होंने अपने पर्वतारोहण अभियान की शुरुआती तैयारी की थी।

अजमेर में कार्ड का लिंक भेजकर ढाई लाख की ऑनलाइन ठगी, खाते से निकाले 2.59 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने कार्ड का लिंक भेजकर ज्ञान विहार कॉलोनी निवासी सत्यनारायण बंसल के खाते से 2 लाख 59 हजार रुपए निकाल लिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने साइबर कंट्रोल रूम में शिकायत दर्ज कराई। वहां से प्राप्त जीरो नंबर की एफआईआर के आधार पर हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाने के एएसआई जयलाल ने बताया कि ज्ञान विहार कॉलोनी निवासी सत्यनारायण बंसल पुत्र ओंकारमल बंसल को एक कार्ड का लिंक भेजा गया था। पीड़ित ने जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया, उसके बैंक खाते से 2 लाख 59 हजार रुपए निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित को ऑनलाइन ठगी का पता चला इसके बाद सत्यनारायण बंसल ने मामले की शिकायत साइबर कंट्रोल रूम में दर्ज कराई। साइबर कंट्रोल रूम से प्राप्त जीरो नंबर की एफआईआर के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले की जांच थाना प्रभारी महावीर प्रसाद शर्मा को सौंपी गई है। पुलिस अब ऑनलाइन ठगी में इस्तेमाल किए गए लिंक, लेन-देन और खाते से जुड़ी जानकारी जुटा रही है। वहीं अजमेर में एक निजी वित्त कंपनी से मकान का फर्जी पट्टा तैयार कर सवा नौ लाख रुपए का ऋण लेने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में कंपनी के कर्मचारी की ओर से सिविल लाइन थाने में आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी पर मकान का फर्जी पट्टा तैयार कर उसके आधार पर निजी वित्त कंपनी से करीब सवा नौ लाख रुपए का ऋण उठाने का आरोप है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

माउंट आबू में टोकन व्यवस्था की शिकायतों पर मंथन, आवासीय फाइलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

मॉनिटरिंग कमेटी ने संभागीय आयुक्त के सामने रखीं समस्याएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। टोकन व्यवस्था और आवासीय मामलों की फाइलों के निस्तारण में हो रही देरी को लेकर माउंट आबू के स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों पर अब प्रशासन ने चर्चा शुरू की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टोकन प्राप्त करने और आवासीय मामलों से जुड़ी फाइलों के निस्तारण में उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई मामलों में फाइलें उपखंड कार्यालय और नगर पालिका में लंबे समय तक अटकी रहने की शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आम लोगों के मामलों में प्रक्रिया पूरी होने में अधिक समय लगता है, जबकि प्रभावशाली लोगों से जुड़े काम अपेक्षाकृत जल्दी होने की शिकायतें हैं। प्रक्रिया में देरी के कारण आवासीय और निर्माण संबंधी कार्य प्रभावित होते हैं। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि अनावश्यक देरी से अवैध निर्माण को बढ़ावा मिलने की स्थिति बनती है और निर्माण सामग्री लाने में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। करीब तीन माह पहले मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई आबू विकास समिति की बैठक में भी स्थानीय लोगों की आवासीय समस्याओं का मुद्दा उठा था। बैठक में मुख्यमंत्री ने मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक बुलाकर स्थानीय लोगों से जुड़े आवासीय मामलों का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अब मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में टोकन व्यवस्था और आवासीय मामलों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। हाल ही में हुई बैठक में कमेटी के सदस्यों ने संभागीय आयुक्त के सामने टोकन व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां रखीं। सदस्यों ने बताया कि प्रक्रिया में होने वाली देरी के कारण स्थानीय लोगों को अपने आवासीय और निर्माण संबंधी कार्यों के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। इससे लोगों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है। बैठक में संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर ने कमेटी सदस्यों की समस्याएं सुनीं और प्रक्रिया को सरल बनाकर मामलों का निस्तारण कम समय में करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय लोगों से जुड़े आवासीय मामलों के निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक के बाद संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर ने माउंट आबू के उपखंड अधिकारी को मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर आवासीय एवं विकास कार्यों से जुड़े मामलों पर चर्चा करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक प्रक्रिया में समन्वय कर कार्यों को गति देने के लिए भी कहा गया। इससे स्थानीय लोगों को टोकन व्यवस्था और लंबित फाइलों की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

पाली में बिजली के तार के बॉक्स में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, पेड़ से बरसती लपटों का दिखा मंजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर में शुक्रवार शाम बिजली के तार पर लगे बॉक्स में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। तार के पास ही पेड़ होने के कारण आग की लपटें पेड़ तक पहुंच गईं। दूर से देखने पर ऐसा लग रहा था मानो पेड़ से आग बरस रही हो। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने बिजली आपूर्ति बंद करवाकर आग पर काबू पाया। दमकलकर्मी पारस गहलोत ने बताया कि पाली शहर में मिल चाली के सामने मकानों के पास से गुजर रहे बिजली के तार पर लगे बॉक्स में शॉर्ट सर्किट हो गया। इसके बाद बॉक्स में आग लग गई और देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। जिस स्थान पर आग लगी, उसके पास ही पेड़ मौजूद था। आग की लपटें पेड़ तक पहुंचने के कारण स्थिति और भी भयावह नजर आने लगी। घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची। आग बुझाने से पहले बिजली की आपूर्ति बंद करवाई गई, ताकि करंट के कारण कोई हादसा न हो। इसके बाद दमकलकर्मियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग जिस तार में लगी थी, वह मकानों के काफी नजदीक से गुजर रहा था। ऐसे में आसपास के लोगों में भी किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रही। आग लगने के दौरान पेड़ के नीचे कुछ बाइक खड़ी थीं। लपटें बढ़ती देख आसपास मौजूद लोग अपनी बाइक और अन्य वाहनों को वहां से हटाते नजर आए। लोगों को डर था कि यदि आग पेड़ या तार से नीचे तक पहुंची तो बाइक और आसपास खड़े वाहनों में भी आग लग सकती है।

मर्दानगी का झूठा अहंकार या हैवानियत?

महिला के सम्मान को रौंदती पुरुषवादी मानसिकता के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई जरूरी!

गुजरात और देश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वास्तव में हमारी सामाजिक मानसिकता बदल रही है? 'महानगर मेट्रो' के इस विशेष रिपोर्ट में आज हम उस कड़वी सच्चाई पर बात करना चाहते हैं, जो पुरुष प्रधान समाज में वर्षों से छिपी हुई है और जिससे बलात्कार तथा गैंगरेप जैसे घृणित अपराध जन्म लेते हैं। जब भी कोई निर्मम दुष्कर्म या गैंगरेप की घटना होती है, तो सोशल मीडिया पर गुस्सा फूट पड़ता है, कुछ दिनों तक कोहराम मचता है और फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन, क्या हमने कभी सोचा है कि इस पाप की जड़ कहाँ है?

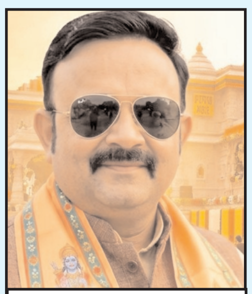

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

'मर्द बन मर्द' – पुरुषार्थ की गलत परिभाषा और हिंसा

बचपन से ही लड़कों को यह सिखाया जाता है कि रोना नहीं, गुस्सा करना, ताकत दिखाना ही असली मर्द की पहचान है। 'मर्द बन, क्या इस तरह कमजोरों की तरह पेश आ रहा है?' - यह वाक्य बचपन से ही दिमाग में भर दिया जाता है। सत्ता, संपत्ति और स्त्री के शरीर पर नियंत्रण पाना ही अपना पुरुषत्व साबित करना है - यह मानसिकता ही समाज का सबसे बड़ा कैंसर है। जमाना बदल चुका है, डिजिटल युग में पोर्नोग्राफी और सोशल मीडिया पर उत्तेजना की लत अब ड्रग्स से भी अधिक खतरनाक साबित हो रही है। जो पुरुष मानसिक या शारीरिक रूप से सबल नहीं होता, वह अपनी हीनभावना को छिपाने के लिए मासूम बच्चियों या महिलाओं को अपनी तथाकथित मर्दानगी का शिकार बनाता है।

वैश्विक सर्वेक्षण के चौंकाने वाले आंकड़े: क्या पुरुष वास्तव में बलात्कार को अपराध नहीं मानते?

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा एशिया-प्रशांत देशों में किए गए सर्वेक्षण के निष्कर्ष चौंकाने वाले हैं। इस सर्वेक्षण में यह सामने आया कि अधिकांश पुरुष बलात्कार को गंभीर अपराध नहीं मानते! कुछ देशों में तो युवा इसे 'वीकेंड एक्टिविटी' या दोस्तों के बीच अपनी ताकत दिखाने का जरिया मानते हैं। यदि कोई युवक इस हिंसक भीड़तंत्र या गैंगरेप में शामिल नहीं होता, तो उसे 'मर्द नहीं' होने का हीन लेबल लगा दिया जाता है। यही भीड़ की मानसिकता महाभारत के समय से चली आ रही है, जहाँ द्रौपदी के चीरहरण के वक्त भी शूरवीर कहलाने वाले पुरुष नीची नजरें करके मूकदर्शक बने बैठे रहे थे।

'लड़की रात में बाहर क्यों गई थी?' – पीड़िता पर ही दोष का मढ़ना!

कोई भी दुष्कर्म होता है तो हमारी रूढ़िवादी मानसिकता तुरंत सक्रिय हो जाती है: लड़की के कपड़े कैसे थे? वह रात में बाहर क्यों निकली थी? उसने शराब पी थी या बेपरवाह घूम रही थी? इस तरह के सवालों का गर्भित अर्थ हमेशा यही होता है कि स्त्री की गलती के कारण ही बलात्कार हुआ है। कठुआ से लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई घटनाओं में धर्म और जाति के टैग लगाकर अपराधियों को बचाने के प्रयास किए जाते हैं, जो हमारी गिरती हुई नैतिकता की पराकाष्ठा है।

अब मौन तोड़ने का समय आ गया है!

प्रसिद्ध लेखिका वर्जिनिया वूलफ ने सही ही कहा था कि पुरुष हमेशा स्त्री में अपना अक्श देखना चाहता है ताकि उसका अहंकार संतुष्ट हो सके। इक्कीसवीं सदी में नारी की प्रगति और आत्मनिर्भरता आज भी कई पुरुषों के अहंकार को ठेस पहुँचाती है। जब तक हम अपने घरों से ही लड़कों को यह नहीं सिखाएंगे कि स्त्री कोई उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि बराबर की इंसान है, तब तक कानून कितने भी कड़क हो जाएँ, ऐसे अपराध कम नहीं होंगे। पुरुषवादी मानसिकता को बदलने के लिए अब पुरुषों को खुद आगे आकर इस जहरीले पुरुषार्थ के खिलाफ आवाज उठानी होगी। जब समाज का प्रत्येक पुरुष किसी भी स्त्री के खिलाफ उठने वाली अपमानजनक नजर का खुलकर विरोध करेगा, तभी सही अर्थों में एक सुरक्षित समाज का निर्माण हो सकेगा। नारी का सम्मान और सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। इस विचार-बिंदु पर आपकी क्या राय है? हमें अपने विचार जरूर साझा करें।

(रविवार) 27 सितंबर 2026

मेष – मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है, रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और कार्यक्षेत्र में नई सफलता मिल सकती है।

वृषभ – रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और किसी पुराने संपर्क से फायदा मिल सकता है, नौकरी-व्यवसाय में भी सकारात्मक बदलाव आएगा

मिथुन – आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा, आय के नए अवसर मिल सकते हैं और परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा

कर्क – आत्मविश्वास मजबूत रहेगा, महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सफलता मिलेगी और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है

सिंह – किसी महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है, नई जिम्मेदारी मिलेगी और आपकी समझदारी की सराहना होगी

कन्या – भाग्य का साथ मिलेगा और नए अवसर सामने आएंगे, यात्रा या भविष्य से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण योजना बन सकती है

तुला – परिवार का सहयोग और किसी करीबी से अच्छी खबर मिल सकती है, साथ ही पुराने तनाव से राहत मिलने के संकेत हैं

वृश्चिक – कामकाज में व्यस्तता रहेगी, लेकिन लगातार प्रयासों से अच्छे परिणाम मिलेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं

धनु – कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आएगी, मेहनत का सम्मान मिलेगा और महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे

मकर – नई योजना पर काम शुरू करने का अच्छा समय है, कार्यक्षेत्र में अवसर मिलेंगे और किसी फैसले से भविष्य में लाभ हो सकता है

कुंभ – धन से जुड़े मामलों में लाभ के अवसर मिलेंगे, योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता और संतुष्टि मिलेगी

मीन – मानसिक तनाव कम होगा और दिन सकारात्मक रहेगा, परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा तथा जरूरी काम आसानी से पूरे होंगे

कैमरे के सामने पोज या दबाव का जवाब?

चुनाव आयोग को तीनों कमिश्नरों की तस्वीर जारी कर एस.आई.आर.और 97 मतदाताओं के मुद्दे पर सफाई देनी पड़ी!

देश के लोकतंत्र और चुनाव आयोग की पारदर्शिता पर उठे गंभीर सवालों के बीच आखिरकार चुनाव आयोग को स्पष्टीकरण देना पड़ा है। आज चुनाव आयोग द्वारा एक आधिकारिक प्रेस नोट जारी किया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि दोपहर तीन बजे तीनों चुनाव आयुक्तों की संयुक्त बैठक हुई। इस बैठक में एस.आई.आर. और अन्य चुनाव प्रक्रियाओं को लेकर नई घोषणाएं की गई हैं। सवाल यह है कि अचानक चुनाव आयोग को तीनों कमिश्नरों की मौजूदगी वाली तस्वीरें साझा करते हुए प्रेस नोट जारी करने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या यह कानूनी और राजनीतिक दबाव का सीधा असर है? गोवा प्रकरण पर आयोग की स्वीकारोक्ति: 97 में से 81 मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 भरे गए! चुनाव आयोग ने अपने प्रेस नोट में इस बात को स्वीकार किया है कि गोवा के विवादित बने 97 मतदाताओं

में से 81 मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए 'फॉर्म-6' भरा जा चुका है।

यहाँ यह उल्लेख करना अनिवार्य है कि इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स (द इंडियन एक्सप्रेस सहित प्रतिष्ठित समाचार माध्यमों) में इन 97 मतदाताओं के नाम काटे जाने के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया गया था। स्थानीय स्तर पर ईआरओ द्वारा बार-बार ईमेल भेजने के बावजूद दिल्ली से कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। अब जब विवाद बढ़ा और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचने के आसार बने, तब जाकर आयोग को फॉर्म-6 की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की घोषणा करनी पड़ी है।

एस.आई.आर. और चुनावी प्रक्रिया पर सवालों के घेरे में आयोग

देशभर में एस.आई.आर. की प्रक्रिया और मतदाता सूची से नाम काटे जाने के मनमाने फैसलों के खिलाफ विपक्ष और नागरिक संगठन लगातार आवाज उठा रहे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर बिहार और गोवा तक जिस प्रकार की संदेहास्पद स्थिति पैदा हुई है, उसने चुनाव आयोग की स्वायत्तता पर काले धब्बे लगा दिए हैं। ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के अन्य अधिकारी भले ही अब संयुक्त बैठकों की तस्वीरें जारी करके अपना बचाव करने का प्रयास कर रहे हों, लेकिन जनता की नजर में आयोग की विश्वसनीयता पर जो सवाल उठे हैं, वे आसानी से दूर होने वाले नहीं हैं। यदि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई, तो देश के मतदाताओं का लोकतंत्र की इस पवित्र व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा।

'महानगर मेट्रो' का कड़ा प्रहार: तस्वीरों से नहीं, पारदर्शिता से न्याय चाहिए!

केवल प्रेस नोट जारी करने से या कमिश्नरों के साथ बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालने से जमीनी हकीकत नहीं बदल जाती। गोवा के 97 में से अभी भी बचे हुए मतदाताओं का सवाल हो या देश के अन्य राज्यों में चल रही संदेहास्पद गतिविधियाँ – हर मामले में चुनाव आयोग को जवाब देना ही होगा। लोकतंत्र के संरक्षकों को यदि खुद कटघरे में खड़ा होना पड़े, तो यह देश के भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है। 'महानगर मेट्रो' लोकतंत्र के पहरेदार के रूप में हर मनमानी पर पैनी नजर बनाए रखेगा।

लोगों को कानून सिखाने वाली दिल्ली पुलिस खुद तोड़ रही है नियम?

जंतर-मंतर पर नेमप्लेट के बिना तैनात पुलिसकर्मियों पर खड़े हुए गंभीर सवाल!

देश की राजधानी दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के लिए मशहूर जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ ऑन-ड्यूटी पुलिस अधिकारियों और जवानों की वर्दी पर नेमप्लेट नदारद मिलने से पुलिस की पहचान और नियमों के पालन को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। सवाल केवल एक नेमप्लेट का नहीं है, बल्कि पुलिस की जवाबदेही, पारदर्शिता और जनता के प्रति उसकी पहचान से जुड़ा हुआ है। गौरतलब है कि दिल्ली के खुद के आधिकारिक नियमों में वर्दी के साथ नेमप्लेट पहनना अनिवार्य किया गया है।

क्या कहता है दिल्ली पुलिस का नियम? (स्टैंडिंग ऑर्डर नं. 51)

दिल्ली पुलिस के आधिकारिक स्टैंडिंग ऑर्डर नंबर 51 में यूनिफॉर्म से जुड़े कड़े नियम दिए गए हैं। इसके पॉइंट नंबर 5 में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि:सभी रैंक के पुलिसकर्मियों के लिए हिंदी और अंग्रेजी में नेमप्लेट पहनना अनिवार्य है। यह नेमप्लेट दाईं छाती पर, ब्रेस्ट पॉकेट के ठीक ऊपर और मध्य भाग में लगाई जानी चाहिए। गैर-राजपत्रित अधिकारियों और निचले रैंक के कर्मचारियों की नेमप्लेट पर उनका पद भी दर्शाया जाना आवश्यक है। दिल्ली पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर भी यह स्टैंडिंग ऑर्डर इसके आर्काइव में शामिल है, जो यह साबित करता है कि यह विभाग का एक स्थायी और स्पष्ट नियम है।

नियम क्या सिर्फ आम नागरिकों के लिए हैं?

जब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों की वर्दी पर नेमप्लेट न होने का मामला सामने आता है, तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या नियमों का पालन हर किसी के लिए समान रूप से अनिवार्य नहीं होना चाहिए? पुलिस हमेशा आम नागरिकों को कानून और नियमों का पाठ पढ़ाती है। ऐसे में, खुद पुलिस बल द्वारा अपनी ही वर्दी और ड्यूटी से जुड़े विभागीय नियमों की अनदेखी करना कई सवाल खड़े करता है। सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच आमना-सामना होता है। ऐसे में, ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी की पहचान स्पष्ट होना जवाबदेही और पारदर्शिता के दृष्टिकोण से बेहद अहम है। यदि कोई पुलिसकर्मी कार्रवाई करता है या किसी से बातचीत करता है, तो उसकी पहचान को लेकर कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से स्टैंडिंग ऑर्डर नं. 51 में नेमप्लेट के संबंध में पुख्ता प्रावधान किए गए हैं।

अब दिल्ली पुलिस से सीधे सवाल

जंतर-मंतर पर बिना नेमप्लेट के ड्यूटी बजा रहे पुलिसकर्मियों के इस प्रकरण के बाद जनता और मीडिया द्वारा कुछ तीखे सवाल पूछे जा रहे हैं: क्या संबंधित पुलिसकर्मियों के पास बिना नेमप्लेट के ड्यूटी करने की कोई विशेष अनुमति थी? यदि अनुमति थी, तो वह किस आदेश या नियम के तहत दी गई थी? यदि कोई विशेष छूट नहीं थी, तो स्टैंडिंग ऑर्डर नंबर 51 का पालन क्यों नहीं किया गया? क्या इस लापरवाही पर उच्च अधिकारियों द्वारा कोई जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी?

नियमों का पालन सभी के लिए समान रूप से जरूरी

पुलिस देश में कानून और व्यवस्था बनाए रखने वाली सर्वोच्च संस्था है, और इसकी कार्यप्रणाली में जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है। इसलिए, पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए विभागीय नियमों का पालन उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना आम नागरिकों से अपेक्षा की जाती है। जंतर-मंतर पर सामने आया यह मामला अब सिर्फ एक नेमप्लेट की चूक भर नहीं रह गया है, बल्कि यह पुलिस की पहचान, जवाबदेही और आंतरिक अनुशासन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न बन गया है।

लोग प्राइवेट पार्ट्स पर कमेंट करते हैं, हम जितना सहन करते हैं पुरुष एक दिन भी नहीं सह सकते..

पाकिस्तान में काम करने वाली महिलाओं की दयनीय और खौफनाक सच्चाई!

जहाँ एक तरफ आधुनिक युग में महिलाएँ अपने कौशल और मेहनत के बल पर देश और दुनिया में नाम रोशन कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ पड़ोसी देश पाकिस्तान से महिलाओं की सुरक्षा और उनके कार्यस्थल पर होने वाले अत्याचारों को लेकर एक बेहद हिला देने वाला और शर्मनाक खुलासा सामने आया है। पाकिस्तान में नौकरी करने वाली महिलाओं पर होने वाली मानसिक, शारीरिक और यौन उत्पीड़न संबंधी जो दर्द पीड़ित महिलाओं ने बयाँ किया है, वह कलेजा कंपा देने वाला है। पाकिस्तानी महिलाओं का यह दर्द यह साबित करता है कि पुरुष प्रधान समाज और पुरुषवादी अहंकार की हदें कितनी वीभत्स हो चुकी हैं!

पाकिस्तान में सरकारी और निजी क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों को लेकर रिपोर्ट्स और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। वहाँ की महिला कर्मचारियों ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया है कि ऑफिसों, फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों में उन्हें केवल काम के दबाव का ही नहीं, बल्कि भारी यौन अपमान का सामना करना पड़ता है।

अछूती टिप्पणियाँ और प्राइवेट पार्ट्स पर कमेंट्स: महिलाओं का आरोप है कि पुरुष सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उनकी बोली, चाल-ढाल और विशेष रूप से शरीर तथा प्राइवेट पार्ट्स पर खुलेआम अशोभनीय और गंदी टिप्पणियाँ की जाती हैं।

मजबूरी का फायदा: पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली और गरीबी के कारण महिलाएँ अपने परिवार का गुजारा चलाने के लिए नौकरी करने को मजबूर हैं। इस मजबूरी का गलत फायदा उठाकर शोषण करने वाले पुरुष बेलगाम हो चुके हैं। पीड़ित महिलाएँ कहती हैं, 'हम रोज जो नर्क सहन करते हैं, यदि पुरुषों को उतना सहन करना पड़े तो वे एक घंटे भी नौकरी में नहीं टिक सकते!'

आंकड़े बोलते हैं: 93% महिलाएँ उत्पीड़न का शिकार!

पाकिस्तान की अदालतों, मानवाधिकार संगठनों और रिपोर्ट्स के अनुसार: 93% कामकाजी महिलाएँ: इस्लामाबाद स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन और मानवाधिकार रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान में प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर में काम करने वाली लगभग 93 प्रतिशत महिलाएँ अपने कार्यस्थल पर किसी न किसी प्रकार की हर्रासमेंट (उत्पीड़न) का सामना करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की गंभीर टिप्पणी: पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने भी खुद स्वीकार किया है कि कार्यस्थल पर लिंग आधारित भेदभाव और अपमानजनक व्यवहार वहाँ की व्यवस्था में आम बात बन गई है।

ऑफिस से लेकर फैक्ट्रियों तक खौफ: गारमेंट सेक्टर, कॉर्पोरेट ऑफिसों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को नौकरी से निकालने की धमकी देकर चुप रहने के लिए मजबूर किया जाता है। यदि कोई महिला आवाज उठाती है, तो उसके खिलाफ झूठे आरोप मढ़कर उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया जाता है। पाकिस्तानी समाज में आज के समय में भी रूढ़िवादी और जहरीली पुरुषवादी मानसिकता हावी है। जब कोई महिला आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए घर से बाहर कदम रखती है, तब पुरुषवादी अहंकार को ठेस पहुँचती है। परिणामस्वरूप, ऑफिस के रास्ते में, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में और ऑफिस की डेस्क पर उसे नीचा दिखाने के लिए हर हथकंडा अपनाया जाता है।

'महानगर मेट्रो' की आवाज: सुरक्षा कोई भीख नहीं, अधिकार है!

जहाँ एक तरफ महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं पड़ोसी देश की यह तस्वीर पूरी मानवता के लिए एक लालबत्ती समान है। महिलाओं के प्रति हल्की मानसिकता और विकृत पुरुषार्थ जब तक समाज से नेस्तनाबूद नहीं होता, तब तक कोई भी देश सच्चे अर्थों में प्रगति नहीं कर सकता। महिलाओं की मेहनत और उनके आत्मसम्मान पर कीचड़ उछालने वाली इस हैवानियत के खिलाफ वैश्विक स्तर पर सख्त कदम उठाने का समय आ गया है।

'बहुत लूट लिया ग्राहकों को!' - जियो, वोडाफोन-आइडिया और एयरटेल की दादागिरी पर करारा झटका

अनिवार्य डेटा प्लान और 28 दिनों की ठगी बंद होने के आसार!

अहमदाबाद/नई दिल्ली। देश की अग्रणी टेलीकॉम कंपनियों – जियो, वोडाफोन-आइडिया और एयरटेल – द्वारा ग्राहकों की जेब पर डाका डालने की नापाक चाल अब लंबी नहीं चलेगी! अब तक करोड़ों मोबाइल यूज़र्स पर अवांछित डेटा प्लान थोपने वाली और 28 दिन की महीना पूरा होने की झूठी साइकिल चलाकर ग्राहकों के साथ सीधी धोखाधड़ी करने वाली इन दिग्गज कंपनियों की मनमानी के खिलाफ अब कड़े सवाल उठ रहे हैं। ग्राहकों के लिए राहत की बड़ी खबर यह है कि जल्द ही टेलीकॉम सेक्टर में ऐसे बदलाव आने वाले हैं, जो टेलीकॉम कंपनियों की लूटपाट की दुकानों पर बड़ा प्रहार करेंगे!

डेटा नहीं चाहिए फिर भी प्लान के साथ जबरन थोपने की तानाशाही!

आज देश में ऐसे करोड़ों मोबाइल ग्राहक हैं जो केवल सादे फोन इस्तेमाल करते हैं या केवल कॉलिंग (बातचीत) करने के लिए ही रिचार्ज कराते हैं, इसके बावजूद टेलीकॉम कंपनियाँ उन्हें अनिवार्य डेटा वाले ही महंगे प्लान खरीदने के लिए मजबूर करती थीं।

यह एक प्रकार की खुलेआम ग्राहक शोषण नीति थी:

जो व्यक्ति इंटरनेट इस्तेमाल करता ही नहीं है, उससे भी डेटा के पैसे वसूले जाते थे। ग्राहकों के पास कोई विकल्प ही नहीं छोड़ा गया था – या तो महंगा डेटा प्लान लो या फिर आपका सिम कार्ड बंद हो जाएगा! परंतु अब ग्राहकों के हित में टेलीकॉम कंपनियों को डेटा रहित केवल कॉलिंग और बेसिक विकल्प देने ही होंगे, जिससे आम ग्राहकों को बड़ी राहत मिल सके।

28 दिन की साइकिल: 365 दिन में 13 रिचार्ज कराकर होने वाली करोड़िया लूट!

टेलीकॉम कंपनियों की सबसे बड़ी और छुपी हुई धोखाधड़ी यदि कोई है, तो वह है **28 दिन की मासिक साइकिल!** इस गणितीय घोटाले ने आम आदमी के बजट के धज्जियां उड़ा दी हैं:

पूरी दुनिया में कैलेंडर मंथ 30 या 31 दिन का होता है, लेकिन इन लुटेरी कंपनियों ने साल के 12 महीनों के बदले 13 महीने (हर महीना केवल 28 दिन का) मानकर ग्राहकों से अतिरिक्त एक पूरा रिचार्ज और निकलवाने का षड्यंत्र रचा था। इस काले कारोबार के कारण ग्राहकों को साल में 12 बार नहीं, बल्कि 13 बार पैसे चुकाने पड़ते थे, जिससे करोड़ों रुपये का अतिरिक्त बोझ सीधा आम जनता के सिर पर पड़ता था। यह अवैध और ग्राहक विरोधी 28 दिन की साइकिल भी अब जल्द ही इतिहास बन जाएगी और कंपनियों को वास्तविक रूप से 30 या 31 दिन के महीने के अनुसार प्लान लाने होंगे।

'महानगर मेट्रो' का कड़ा प्रहार: अब ग्राहक जागरूक हो चुके हैं!

टेलीकॉम कंपनियों द्वारा वर्षों से चलाई जा रही इस सिंडिकेट स्टाइल की लूट के खिलाफ अब जोरदार आवाज उठने लगी है। करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाने वाली ये कंपनियां ग्राहकों की मजबूरी का फायदा उठा रही थीं। लेकिन अब रेगुलेटरी दबाव और जनता के आक्रोश के कारण इन्हें झुकना ही होगा।

'महानगर मेट्रो' का स्पष्ट मानना है कि ग्राहक का पसीना और मेहनत की कमाई किसी भी कॉर्पोरेट लुटेरे को लूटने के लिए नहीं दी गई है। इन टेलीकॉम कंपनियों की दादागिरी के खिलाफ अब ग्राहकों को अपने अधिकारों के लिए खुलकर आवाज उठानी होगी।

जब 'समय नहीं है' कहते-कहते ज़िंदगी ही हाथों से फिसल जाती है

आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य के पास दुनिया को अपनी मुट्ठी में समेट लेने वाली तकनीक है, लेकिन अपने लोगों के लिए थोड़ा-सा समय नहीं है। पहले लोग एक-दूसरे से मिलने के लिए समय निकालते थे; आज समय निकालने के लिए भी एक-दूसरे से मिलने का कारण ढूँढ़ना पड़ता है। 'समय तो सबके पास बराबर है, फर्क केवल इतना है; कोई उसे जीवन बना लेता है, तो कोई जीवनभर समय खोजता रहता है।' हम अक्सर कहते हैं, 'अभी थोड़ा काम है, बाद में बात करूँगा।' लेकिन वह 'बाद में' कभी आता ही नहीं। माता-पिता के साथ दो पल बैठना टाल देते हैं, मित्र को बाद में फोन करूँगा सोचकर बात टाल देते हैं, संतान की बात सुनने के लिए कल का इंतजार करते हैं और जीवनसाथी के साथ इत्मीनान से बात करने के लिए सही समय की प्रतीक्षा करते रहते हैं। समस्या यह नहीं है कि हमें समय नहीं मिलता; समस्या यह है कि हमारी प्राथमिकताएँ बदल गई हैं। काम के लिए समय है, मोबाइल के लिए समय है, सोशल मीडिया के लिए समय है, मनोरंजन के लिए समय है, लेकिन अपने लोगों के लिए समय निकालना मुश्किल लगता है। मनुष्य को जीवन में धन, सफलता और सुविधाओं की आवश्यकता है, लेकिन केवल इन सब से जीवन पूर्ण नहीं होता। किसी शाम थककर घर लौटें और कोई प्रेम से पूछे, 'आज आपका दिन कैसा रहा?' तब मिलने वाली आत्मीयता किसी सुविधा से खरीदी नहीं जा सकती। हम भविष्य के लिए इतना कुछ जुटाने में व्यस्त हो जाते हैं कि वर्तमान में जीना ही भूल जाते हैं। संतान बड़ी हो जाने के बाद उसके साथ बचपन की तरह बैठना संभव नहीं होगा। माता-पिता हमेशा हमारी प्रतीक्षा करते रहेंगे, ऐसा भी नहीं है। मित्र भी जीवन की अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ सकते हैं।

मंडला में गणेश पंडाल में बड़ा हादसा, करंट फैलने से 4 की मौत, 2 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मंडला में गणेश पंडाल में करंट फैलने से बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई. वहीं, 2 लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है.घटना नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव की है. बताया जा रहा है कि गणेश विसर्जन के बाद कुछ लोग गणेश पंडाल के मंच पर सो रहे थे. इसी दौरान अचानक पंडाल में करंट फैल गया. घटनास्थल पर मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए.

शॉर्ट सर्किट या तार टूटने से हादसे की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, करंट फैलने की वजह शॉर्ट सर्किट या बिजली का तार टूटना हो सकती है. हालांकि, घटना की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं है. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.मंडला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने मोबाइल फोन पर घटना की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि गणेश पंडाल में करंट फैलने से चार लोगों की मौत हुई है. दो लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर है. पुलिस और प्रशासन की ओर से घटना की जानकारी जुटाई जा रही है. करंट कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही है. हादसे के बाद गांव में भी शोक माहौल है

सीएम मोहन यादव को जान से मारने की धमकी, डायल-112 के व्हाट्सएप नंबर पर आया था मैसेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डायल-112 के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर एक व्यक्ति ने धमकी भरा मैसेज भेजा था, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को मुंबई से दबोच लिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को भोपाल के भदभदा स्थित रेडियो मुख्यालय में डायल-112 के हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर पर एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री को जान से खत्म करने की धमकी वाला संदेश भेजा था। इस घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था।जानकारी के मुताबिक, 23 सितंबर की सुबह करीब 11.30 बजे डायल-112 के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। संदेश भेजने वाले ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का नाम लिखकर उन्हें जान से मारने की बात कही और लिखा कि वे ज्यादा दिन तक नहीं बच पाएंगे। इतना ही नहीं, आरोपी ने मैसेज भेजने के बाद उसमें कुछ और बातें जोड़ीं और बाद में उस संदेश को एडिट कर डिलीट भी कर दिया। हालांकि, सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते इसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित रख लिया था।क्राइम ब्रांच ने मुंबई से दबोचा आरोपीसंदेश देखने के बाद डायल-112 के कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। रेडियो मुख्यालय की तरफ से भोपाल पुलिस को इसकी आधिकारिक शिकायत दी गई। मामला क्राइम ब्रांच के पास पहुंचने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया। क्राइम ब्रांच ने व्हाट्सएप नंबर की तकनीकी जांच शुरू की तो आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के मुंबई में मिली। इसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम तुरंत मुंबई रवाना हुई और शुक्रवार को आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के पास आरोपी के खिलाफ स्क्रीनशॉट और पुख्ता डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।

आर्मी से रिटायर्ड हवलदार ने 7 महीने की गर्भवती से किया दुष्कर्म, ग्रामीणों में फूटा गुस्सा

तनाव के बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में सात महीने की एक गर्भवती महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेना से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हवलदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के सामने आने के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

घर में घुसकर की गई हैवानियत

भीकनगांव के एसडीओपी केतन अड़लक ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित महिला वर्तमान में अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे आरोपी माल सिंह रंधावे, जो सेना से हवलदार के पद से रिटायर्ड है, चुपचाप महिला के घर में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि, डरी-सहमी महिला ने हिम्मत जुटाकर तुरंत अपने परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया गया। महिला की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी माल सिंह रंधावे को शुक्रवार शाम को ही गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी सेना से रिटायर्ड हवलदार है। उसे शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। केतन अड़लक, एसडीओपी, भीकनगांव घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली, बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बढ़ते तनाव को देखते हुए चैनपुर थाना प्रभारी गणपत कनेल तुरंत भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए ग्रामीणों को समझाइश दी और स्थिति को नियंत्रण में लिया। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

सिसकती जिंदगी और गांव में दहशत... आजमगढ़ कांड के बाद 6 बच्चियों और 2 महिलाओं ने छोड़ा घर! बिखरते परिवार की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आजमगढ। आजमगढ़ के शंभूपुर गांव में एक परिवार से जुड़ी पांच मौतों के बाद अब पीछे बची जिंदगी डर और अनिश्चितता के बीच गुजर रही है. परिवार की दो महिलाएं और छह बच्चियां गांव छोड़कर सुलतानपुर में रिश्तेदार के यहां रहने को मजबूर हैं. जिस घर में कभी परिवार रहता था, उस पर पुलिस का ताला लगा है. पूरा परिवार अपने गांव से डरकर दूर रह रहा है.उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ का एक घर... जहां कभी बच्चों की आवाजें आती थीं. लोग आते-जाते थे. परिवार के लोग साथ बैठते थे. लेकिन अब उसी घर के दरवाजे पर पुलिस का ताला लगा है. घर के अंदर जाने की इजाजत नहीं है. जो लोग उस घर में रहते थे, वो अब अपने गांव से दूर रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं.ये कहानी आजमगढ़ के शंभूपुर गांव की है. एक ऐसी घटना के बाद, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. अब परिवार में दो महिलाएं और छह बच्चियां बची हैं. ये सभी सुलतानपुर के महमूदपुर गांव में रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर हैं. इन बच्चियों के सामने अब पढ़ाई से लेकर पेट पालने तक के सवाल हैं. महिलाओं के सामने जिंदगी दोबारा खड़ी करने की चुनौती है. और पूरे परिवार के मन में एक डर बैठा हुआ है.कुछ दिन पहले शंभूपुर गांव में एक घर में पूजा-पाठ चल रहा था. परिवार के मुताबिक, गृह शांति के लिए पुरोहितों को बुलाया गया था. इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे इलाके को हिला दिया. पुलिस की जांच के मुताबिक, अरविंद सिंह पर अपनी पत्नी और घर में पूजा कराने आए दो पुरोहितों की हत्या का आरोप लगा. आरोप यह भी है कि उसने अपने एक बेटे की भी हत्या कर दी. इसके बाद पुलिस कार्रवाई में अरविंद सिंह की भी मौत हो गई. यानी एक ही परिवार और उससे जुड़ी इस घटना में कुल पांच लोगों की जान चली गई. अब उसी घर में पुलिस का ताला लगा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इसलिए घर के कमरों को सील किया गया है. परिवार के जो लोग बचे हैं, वो वहां नहीं रह रहे. लेकिन सिर्फ पुलिस का ताला ही वजह नहीं है. परिवार कहता है कि उन्हें डर भी लग रहा है.अब जरा उस परिवार की तरफ लौटिए, जो इस घटना के बाद बचा है. दो महिलाएं हैं, अब जिनके पति नहीं हैं, छह बच्चियां हैं, जिनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है. लेकिन जिस घर में उन्हें रहना था, वहां जाना मुश्किल है. इसलिए ये लोग सुलतानपुर के गांव पहुंच गए हैं. यहां रिश्तेदार के घर फिलहाल उनका ठिकाना है. रिश्तेदारों के यहां रहना किसी भी परिवार के लिए कुछ दिन की बात हो सकती है. लेकिन इन लोगों के सामने सवाल लंबा है. कब तक रहेंगे? बच्चियों की पढ़ाई कैसे चलेगी? घर का खर्च कैसे चलेगा? और एक सवाल- वापस अपने गांव जाएंगे तो क्या सुरक्षित रहेंगे?इस डर की कहानी आज की नहीं है

परिवार के लोग कहते हैं कि शंभूपुर में डर की कहानी कई साल पुरानी है. साल 2018 में सुनील सिंह उर्फ गुड्डू सिंह की हत्या कर दी गई थी. परिवार के मुताबिक, गुड्डू सिंह को उनके पट्टीदारों ने एक निमंत्रण में जाने के दौरान मार दिया था. इस मामले में आरोपी जेल गए. लेकिन परिवार का कहना है कि बाद में आरोपी जमानत पर बाहर

तेज रफ्तार से आ रही बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी, चाचा और 5 साल के भतीजे की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। उत्तरप्रदेश के मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार बाइक के ट्रक से टकराने से चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। एक साथ चाचा-भतीजे की मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में चीख-पुकार मच गई।बताया जा रहा है कि दोहरीघाट कस्बे के पास पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

देर शाम दोनों बाइक से लौट रहे थे

दोहरीघाट कस्बे के वार्ड नंबर एक खटीक टोला निवासी 30 वर्षीय आयुष चौहान पुत्र डॉ. घूरभारी चौहान शुक्रवार को अपने पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान पुत्र डॉ. मोतीचंद चौहान को लेकर नई बाजार की तरफ गया था। देर शाम दोनों बाइक से दोहरीघाट लौट रहे थे। आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित हो गई।

बाइक की रफ्तार काफी तेज थी

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयुष और कुनाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही। देर रात उपचार के दौरान चाचा आयुष चौहान और पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान की मौत हो गई।

पोस्टमार्टम कराने से इनकार

शनिवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस टीम मृतकों के घर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की। हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं। उन्हें समझाया जा रहा है।हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं।

करोड़ों की जमीन के लालच में भतीजे ने की धर्मवीर सोलंकी की हत्या, सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मार डाला था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा । केथाना अछनेरा के सहाई गांव में धर्मवीर सोलंकी की हत्या उनके भतीजे दुष्यंत ने की थी और इसमें उसका साथी शिवम भी शामिल था। दुष्यंत ने चाचा के पैसे और जमीन पर कब्जा पाने के लिए हत्या की योजना बनाई। बताया जा रहा है कि करोड़ों की जमीन के लालच में आकर भतीजे ने अपने चाचा धर्मवीर सोलंकी की सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। शुक्रवार सुबह को धर्मवीर सोलंकी का शव बरामद हुआ था।45 वर्षीय धर्मवीर सोलंकी साधु बन चुके थे। उन्होंने कुछ समय पहले अपने हिस्से की जमीन बेची थी। इसके बावजूद भी उसके पास तीन बीघे से अधिक जमीन शेष थी। जिसकी कीमत करोड़ों में थी। भतीजे दुष्यंत ने जमीन और चाचा की रकम हड़पने के लिए हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।धर्मवीर सोलंकी चार भाईयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। तीन भाई राजकुमार, वासुदेव और देशराज उनसे अलग रहते थे। परिजन ने बताया कि धर्मवीर सोलंकी अकेले रहते थे। वह रोजाना मंदिर में पूजा करने के बाद गांव की परिक्रमा करते थे। सुबह 6 बजे पशुओं को चारा डालते थे, लेकिन शुक्रवार सुबह वह कमरे से बाहर नहीं आए।एक अन्य भतीजे सौरभ सोलंकी ने बताया कि वह 9 बजे तक कमरे से बाहर नहीं आए तो उन्हें देखने के लिए गया। कई बार आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आया। फोन मिलाया तो कमरे से मोबाइल फोन की घंटी की आवाज आ रही थी। उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा तो धर्मवीर सोलंकी का शव जमीन पर पड़ा हुआ था।उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा

'वोट चोरी' से जीता गया था 2023 मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव, असंभव था कमल नाथ का हारनाः चुनाव आयोग पर भड़के नकुल नाथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुल नाथ ने दावा किया है कि मध्य प्रदेश का 2023 का विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के जरिए जीता गया था। उन्होंने राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर करते हुए कहा कि 2018 के मुकाबले 2023 में मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने की प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुए।मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो साझा करते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि 2023 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के दम पर जीता गया था और कमलनाथ का वह चुनाव हारना असंभव था।

2018 और 2023 की मतदाता सूची की तुलना

नकुल नाथ ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साल 2018 की मतदाता सूची का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि उस दौरान कांग्रेस की शिकायतों के बाद मध्य प्रदेश की वोटर लिस्ट से करीब 24 लाख फर्जी नाम हटाए गए थे। उपलब्ध आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार

भी 2018 में पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाली करीब 24 लाख प्रविष्टियों को हटाया गया था।कांग्रेस का आरोप है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।कमल नाथ जी का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 हारना असंभव था। बड़े पैमाने पर वोट चोरी की शुरुआत मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 से हुई थी। नकुल नाथ, पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी का दावा था कि उनकी तकनीकी टीम ने कुछ चुनावी नतीजों और वोटर लिस्ट की विसंगतियों को लेकर विश्लेषण किया है। कांग्रेस ने इस पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अपने आधिकारिक मंचों पर भी साझा किया है, जिसे अब नकुल नाथ ने मध्य प्रदेश के संदर्भ में आगे बढ़ाया है। इन बयानों के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मी एक बार फिर तेज हो गई है। लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।

बांदाः झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से रेप, 55 साल का तांत्रिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का मामला सामने आया है. पुलिस ने 55 वर्षीय तांत्रिक परशुराम यादव को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक नरैनी क्षेत्र की महिला अपनी बीमार बेटी को इलाज के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. आरोप है कि इसी दौरान तांत्रिक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया.बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में 55 वर्षीय तांत्रिक को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि बच्ची की बीमारी ठीक करने के बहाने उसे अपने पास बुलाया गया और इलाज के दौरान उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया.पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान इतारा मिलाउली गांव निवासी परशुराम यादव के रूप में हुई है. बबेरू सर्किल ऑफिसर कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार शाम पवारी गांव के पास से गिरफ्तार किया गया.

झाड़-फूंक के नाम पर किया रेप

बताया जा रहा है कि नरैनी क्षेत्र की एक महिला अपनी 13 वर्षीय बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे झाड़-फूंक से इलाज कराने के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. पुलिस के अनुसार बच्ची को वहां ले जाने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया.घटना की जानकारी सामने आने के बाद बिसंडा थाने में आरोपी के खिलाफ पत्रिकाढ्ढक्रदर्ज की गई. पुलिस ने बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया है. वहीं, आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है.पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जुटाया जा रहा है. बच्ची की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी गई है.

पिता ने 15 साल के बेटे को खंभे से बांधा, लाठी से मरते दम तक पीटा... चोरी के पैसों को लेकर था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

औरैया । एक पिता ने अपने 15 वर्षीय बेटे को चोरी के आरोप में रस्सी से बांधकर बांस की लाठी से पिटाई की. इससे बेटे की मौत हो गई. मृतक के बड़े भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. घटना यूपी के औरैया जिले की है. पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है.उत्तर प्रदेश के औरैया से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. दरअसल, यहां एक पिता ने अपने 15 साल के बेटे को पहले खंभे से बांधा. इसके बाद उसकी बांस की लाठी से बेरहमी से पिटाई की. पिटाई से बेटे की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, पिता बेटे से चोरी हुए पैसों को लेकर नाराज था. घटना के बाद आरोपी पिता शव को चारपाई पर रखकर घर से फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया. उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल रस्सी और बांस की लाठी भी बरामद की गई है. आरोपी की पहचान उम्मेद सिंह के रूप में हुई है.घटना 21 सितंबर की है. मामला औरैया के पूर्वा सोमवंशी गांव का है. मृतक की पहचान रिशु उर्फ ईशू (15) के रूप में हुई है. मृतक के बड़े भाई नीरज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.बड़े भाई नीरज ने पुलिस को बताया कि 21 सितंबर को वह और उसकी बड़ी बहन गांव में गणेश पूजा और कीर्तन में शामिल होने गए थे. घर पर उनका छोटा भाई रिशु और छोटी बहन मौजूद थे. इसी दौरान उम्मेद सिंह (पिता) घर पहुंचा. वह रिशु को लेकर पहले से नाराज था. दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था.

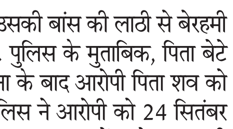

गणेश विसर्जन के दिन उजड़ गया घरः बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष के दो बेटों की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत, खंडवा में शोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। देशभर में जहां गणेश विसर्जन की धूम थी और श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ बप्पा को विदाई दे रहे थे, वहीं खंडवा जिले के नाहल्दा गांव में यह उत्सव पलभर में गहरे मातम में बदल गया। गांव के समीप स्थित एक गिट्टी खदान के गहरे पानी में गणेश प्रतिमा विसर्जित करने उतरे दो सगे भाइयों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान विश्वास और लक्ष्य के रूप में हुई है, जो भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मोंटू ठाकुर के बेटे थे। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। खंडवा होमगार्ड कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि नाहल्दा गांव के पांच युवा, विश्वास, लक्ष्य, वैभव, गौतम और लकी गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए पास ही स्थित गिट्टी खदान पहुंचे थे। करीब 50 फीट गहरी इस खदान में बारिश का पानी भरने से इसने एक बड़े और खतरनाक तालाब का रूप ले लिया था। विसर्जन के दौरान दोनों सगे भाई पानी में उतरे, लेकिन गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे गहरे भंवर में फंस गए।उन्हें डूबता देख बाकी तीन साथी भी बचाने के लिए कूदे, लेकिन वे भी संकट में आ गए। शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तीन युवकों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों भाई गहरे पानी में लापता हो गए। हादसे की खबर मिलते ही खंडवा जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शाम 4 बजे ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। खदान की अत्यधिक गहराई को देखते हुए ओंकारेश्वर से विशेष गोताखोरों की टीम बुलवाई गई। खंडवा विधायक कंचन तन्वे अपने सभी पूर्व निर्धारित धार्मिक कार्यक्रम छोड़कर आधी रात तक घटनास्थल पर डटी रहीं और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यहां नियमों को ताक पर रखकर अवैध उत्खनन किया गया और 50 फीट गहरे जानलेवा को बिना किसी सुरक्षा घेरे या फेंसिंग के खुला छोड़ दिया गया था। ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

'नकली पुलिस बनकर आए, फोन छीना और की हैवानियत', आस्था कुंज पार्क मामले में पुलिस ने दर्ज किया पीड़िता का बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की से गैंगरेप के मामले में दिल्ली पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए बयान में घटना के दिन की पूरी आपबीती सुनाई है। पीड़िता के पुलिस को दिए बयान के अनुसार, आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर दोनों को रोका और फिर बंदूक व चाकू की नोक पर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के समय पीड़िता अपने दोस्त के साथ पार्क के गेट नंबर 7 से अंदर दाखिल होकर झूलों के पास स्थित एक बेंच पर बैठी थी। तभी करीब 30 से 35 वर्ष की आयु के तीन पुरुष उनके पास पहुंचे और दोस्त को थप्पड़ मारते हुए खुद को पुलिसवाला बताया। आरोपियों ने वहां आने पर पाबंदी की बात कहकर दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए और दोस्त को जबरन दूसरी तरफ ले गए। बयान के अनुसार इसके बाद आरोपियों ने हथियारों के बल पर युवती को डराया-धमकाया। पीड़िता द्वारा अपनी मां से बात करने के अनुरोध के बावजूद, आसिफ नाम के आरोपी ने जेब से काली बंदूक निकालकर दिखाई। इसके बाद अन्य दो आरोपियों ने चाकू निकाले और युवती को जबरन पार्क के एक सुनसान और अंधेरे हिस्से में ले गए। पीड़िता का आरोप है कि तीनों आरोपियों आसिफ, हेमू और दीपू ने बारी-बारी से चाकू की नोक पर उसके साथ दरिंदगी की। आरोपी आसिफ ने पीड़िता की गर्दन पर चाकू रखकर यौन उत्पीड़न किया, जबकि अन्य आरोपी पहरा दे रहे थे। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को केवल टी-शर्ट और जींस वापस दी और धमकी दी कि यदि उन्होंने तुरंत पार्क नहीं छोड़ा या पुलिस को सूचित किया तो वे उन्हें जान से मार देंगे।

CEC ज्ञानेश कुमार पर आर-पार के मूड में विपक्ष, इस तारीख को होगी 'इंडिया' ब्लॉक की अहम बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी। बैठक में प्रमुख विपक्षी नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले ममता बनर्जी और सीपीएम महासचिव एमए बेबी के बीच चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर बातचीत हुई थी। सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी। बैठक में इंडिया ब्लॉक के सभी प्रमुख नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक की जल्द बैठक कराने को लेकर विपक्षी दलों के बीच बातचीत चल रही थी, जो अब बैठक की तारीख तय होने के साथ आगे बढ़ गई है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से बात की थी, जबकि सीपीएम महासचिव एमए बेबी इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से बातचीत कर रहे थे। इसमें ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी शामिल होंगे। दरअसल, सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर INDIA Bloc में पहले से चर्चा चल रही थी। चुनाव आयोग में सामने आए 'मतभेद' के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी सीपीएम और टीएमसी के शीर्ष नेताओं के बीच भी बातचीत हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम के पत्र पर ममता बनर्जी की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम महासचिव एमए बेबी और एआईसीसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार दोपहर फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई थी। एमए बेबी ने अपने पत्र में INDIA Bloc प्लस की पार्टियों को एक मंच पर लाने की जरूरत बताई थी, ताकि सीईसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा सके और चुनावी सुधारों को लेकर अभियान शुरू किया जा सके। यह पत्र 23 सितंबर को भेजा गया था, जिसके जवाब में ममता बनर्जी ने अगले दिन दोपहर फोन पर बातचीत की थी। सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी और सीपीआई-एम दोनों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार और 'देश में किए जा रहे चुनावी फर्जीवाड़े' के खिलाफ बड़े स्तर पर देशव्यापी अभियान शुरू करने की जरूरत पर सहमति जताई थी। बंगाल की स्थिति पर भी बातचीत के दौरान चर्चा हुई थी। एमए बेबी ने 23 सितंबर को INDIA Bloc के नेताओं को संयुक्त विपक्षी रणनीति को लेकर पत्र भेजा था। यह पत्र दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल के कार्यालय को भी भेजा गया था।

700 करोड़ के मेडिकल इक्विपमेंट घोटाले का आरोपी राजीव रंगीला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। करीब 700 करोड़ रुपये के कथित मेडिकल उपकरण खरीद घोटाले में एंटी करप्शन ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में कथित मास्टरमाइंड में शामिल बताए जा रहे 50 वर्षीय राजीव रंगीला को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, रंगीला ने ACB के सामने सरेंडर किया, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी की गई। राजीव रंगीला मेडिकल उपकरणों का बड़ा सप्लायर और फार्मास्युटिकल कारोबारी बताया जाता है। यह मामला सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से जुड़ी कथित खरीद अनियमितताओं का है। ACB ने इस साल जुलाई में राजीव रंगीला को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था। अधिकारियों के मुताबिक, उसे कई बार जांच में शामिल होने के लिए कहा गया, लेकिन वह पेश नहीं हुआ। इसके बाद जांच एजेंसी ने उसकी तलाश शुरू कर दी। रंगीला की तलाश में दिल्ली-हरियाणा के अलावा उत्तराखंड में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ACB को उसकी दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में संपत्तियों की जानकारी भी मिली। जांच एजेंसी के मुताबिक, रंगीला राजनीति में भी किस्मत आजमा चुका है। उसने 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा था। करीब 700 करोड़ रुपये की कथित खरीद अनियमितताओं का यह मामला इसी साल मई में सामने आया था। विजिलेंस विभाग को शिकायतें मिलने के बाद CPA के दफ्तरों पर छापेमारी की गई थी। CPA दिल्ली सरकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दवाइयों, वैक्सीन और मेडिकल उपकरणों की खरीद और सप्लाई करने वाली नोडल एजेंसी है। जांच के दौरान राजीव रंगीला की कथित भूमिका सामने आने के बाद एजेंसी ने उसे मामले के 'मुख्य लाभार्थियों' में शामिल बताया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, रंगीला पर फर्जी कंपनियां और फर्में खड़ी कर उनके जरिए खरीद प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप है। दावा है कि इन कंपनियों के मालिक के तौर पर ऐसे लोगों के नाम इस्तेमाल किए गए, जिनका वास्तव में इनके संचालन से कोई संबंध नहीं था। एजेंसी का आरोप है कि कथित फर्जी कंपनियों और फर्मों के मालिक के तौर पर रंगीला के नौकरों और यहां तक कि चाय बेचने वाले लोगों के नाम का भी इस्तेमाल किया गया। ACB अब रंगीला से कथित खरीद घोटाले, कंपनियों के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर सकती है। जांच एजेंसी मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की भी पड़ताल कर रही है।

भिवंडी गैंगरेप के आरोपी की मां बोली- बेटे को फांसी दो, कई लड़कियों के साथ कर चुका है ऐसी हरकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिवंडी। हुए सामूहिक बलात्कार मामले में आरोपी बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील की मां सुलोचना पाटील ने अपने ही बेटे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेटे ने उन्हें प्रताड़ित किया, पिस्तौल दिखाकर संपत्ति हड़पने का दबाव बनाया और कई लड़कियों के साथ ऐसी हरकत की। मां ने मांग की कि बेटे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। महाराष्ट्र के भिवंडी में गैंगरेप मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इसी बीच शैलेश की मां सुलोचना पाटील ने अपने बेटे को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सुलोचना पाटील ने कहा कि अगर उनका बेटा दोषी है तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि शैलेश ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और पैसे तथा संपत्ति के लिए उनके साथ मारपीट की। मां का आरोप है कि शैलेश ने उनके सिर पर पिस्तौल रखकर संपत्ति अपने और अपनी पत्नी के नाम करने का दबाव बनाया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले पुलिस से शिकायत की गई थी, जब उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली तो उन्होंने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। सुलोचना पाटील के मुताबिक, संपत्ति से जुड़ा मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। सुलोचना पाटील ने दावा किया कि उनके पति ने जो जमीन और दूसरी संपत्तियां खरीदी थीं, उन पर भी शैलेश ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने अपने बेटे पर करोड़ों रुपये की संपत्ति और नकदी हड़पने का आरोप लगाया। मां का कहना है कि अब वह अपने बेटे के साथ नहीं रहतीं और अपनी बेटी के घर रह रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे और संपत्ति के लिए उनका बेटा उन्हें लगातार परेशान करता था। सुलोचना पाटील ने शैलेश पर डांस बार में वसूली और लोगों को धमकाने जैसे कामों में शामिल होने का भी आरोप लगाया है। सुलोचना पाटील ने अपने बेटे पर एक और गंभीर आरोप लगाया। उनका दावा है कि पीड़िता के अलावा शैलेश पाटील ने कई अन्य लड़कियों के साथ भी इसी तरह की हरकत की है। इसी आधार पर उन्होंने कहा कि ऐसे बेटे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। मां ने यह बात ऐसे समय कही है जब भिवंडी के कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिस शैलेश पाटील की तलाश कर रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस जांच जारी है। सुलोचना पाटील ने एक IPS अधिकारी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि एक IPS अधिकारी को बचाने के लिए शैलेश ने पहले किसी मामले की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली थी और इसके बाद उसे जेल जाना पड़ा था। सुलोचना पाटील का आरोप है कि जेल जाने के बाद उनका बेटा बदल गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बड़े अधिकारियों से कथित संरक्षण मिलने के कारण शैलेश का मनोबल बढ़ता गया। आरोपी की मां सुलोचना पाटील का कहना है कि उन्होंने अपने बेटे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इलाज कराने तक के लिए पैसे नहीं हैं। सुलोचना पाटील ने दावा किया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह अदालत में आत्मदाह जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगी। बता दें कि भिवंडी के पड़घा पुलिस थाने में बीजेपी के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील के खिलाफ कथित सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमों के गठन की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस पूरे मामले में शैलेश पाटील की मां के आरोप भी चर्चा में हैं, क्योंकि वह अपने ही बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही हैं।

कुंडली दोष दूर करने के नाम पर नाबालिग से रेप, गर्भवती हुई तो खुला बाबा का राज, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप एक ढोंगी बाबा पर लगा है। पीड़िता के गर्भवती होने के बाद मामला सामने आया। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली का दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि पूजा कराने के बहाने एक ढोंगी बाबा ने लड़की को डरा-धमकाकर उसका शारीरिक शोषण किया। घटना के बाद लड़की गर्भवती हो गई, तब उसने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती बताई। मामला लातूर शहर के ठाकरे चौक इलाके का है। पीड़िता के माता-पिता बेटी की कुंडली बनवाने के लिए आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज के पास गए थे। आरोप है कि बाबा ने कुंडली में दोष बताकर पूजा कराने की बात कही। इसके बाद वह पूजा के लिए लड़की के घर पहुंचा और जाप के बहाने माता-पिता को कमरे से बाहर भेज दिया आरोप है कि माता-पिता के बाहर जाते ही बाबा ने अकेली लड़की से कहा कि कुंडली का दोष दूर करने के लिए उसे उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे। इसके बाद उसने नाबालिग के साथ जबरदस्ती की और किसी को बताने पर कुंडली का दोष दूर नहीं होने की धमकी दी। कुछ दिनों बाद लड़की के गर्भवती होने पर उसने परिवार को घटना की जानकारी दी। लड़की के माता-पिता की शिकायत पर लातूर के विवेकानंद पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई। पुलिस ने BNS की धारा 64(2) POCSO की धारा 4, 6, 8 और 12 के साथ महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया। मामले की गहराई से जांच के लिए अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम और आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है। इस मामले की जांच विवेकानंद पुलिस कर रही है। पुलिस इंस्पेक्टर आर.एस. पवार और PSI ए. के. काले के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्यों और आरोपों की पड़ताल कर रही है।

नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, 3 एसी कोच के शीशे टूटे, यात्रियों में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। मुंबई जा रही दुरंतो एक्सप्रेस पर वर्धा के पास शुक्रवार रात पथराव की घटना हुई। इस दौरान ट्रेन के एसी कोच के शीशे टूट गए, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। नागपुर से मुंबई की ओर जानेवाली दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव की खबर सामने आई है। यह घटना शुक्रवार रात वर्धा के पास हुई। पत्थर किसने फेंके और क्यों, वारदात के कारणों की जांच जारी है। इस घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया और ट्रेन के एसी कोच के शीशे फूट गए. जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात आठ बजे ट्रेन संख्या 12290 दुरंतो एक्सप्रेस नागपुर से मुंबई जाने के लिए निकली थी. वर्धा के पास किसी ने ट्रेन पर पथराव कर दिया. सामने आया है कि इस पथराव 4 बोगी के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. यात्री जब खाना खा रहे थे उस दौरान अचानक पथराव हुआ. पथराव के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया. वर्धा स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया. रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके बाद ट्रेन मुंबई के लिए रवाना हुई. पुलिस जांच कर रही है कि पथराव किसने किया. पहले इस घटना में सिर्फ एक कोच का जिक्र था, लेकिन बाद में सामने आया कि पत्थरबाजी में एक नहीं बल्कि तीन कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है. रेलवे सुरक्षा बल ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. रेलवे के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की रात करीब 8 बजकर 27 मिनट पर हुई. ट्रेन बोरखेड़ी स्टेशन से गुजर चुकी थी, तभी बाहर से किसी वस्तु या पत्थर के टकराने से कोच की खिड़कियों के शीशों में दरार आ गई घटना की जानकारी रात करीब 8 बजकर 46 मिनट पर मिलने के बाद की टीम ने जांच शुरू की. सुरक्षाकर्मियों ने बोरखेड़ी-सिंधी सेक्शन में किलोमीटर संख्या 803 से 796 तक तलाशी अभियान चलाया. इसके अलावा बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांव के आसपास के इलाकों की भी जांच की गई. पुलिस पाटिल और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी संदिग्ध व्यक्ति या घटना से जुड़ा कोई ठोस सबूत नहीं मिला. ट्रेन में तैनात एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों से भी घटना के बारे में जानकारी ली गई. उन्होंने बताया कि रात करीब 8:27 बजे बाहर से कोई वस्तु या पत्थर ट्रेन की खिड़कियों से टकराया था. हालांकि अभी घटना की सटीक जगह का पता नहीं चल पाई है. इसे लेकर आगे की जांच जारी है. मामले में 26 सितंबर को रात 2 बजकर 55 मिनट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत क्राइम नंबर 325/2026 दर्ज किया गया है. RPF मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है.

मुनाफे का लालच पड़ा भारी

59 साल की महिला से 1 करोड़ की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे में साइबर ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां 59 साल की एक महिला को फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप के जरिए करोड़ों रुपये के मुनाफे का लालच दिया गया. साइबर जालसाजों ने पहले महिला से 1.1 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा करवाए और फिर ऐप पर उसके निवेश का मुनाफा बढ़ाकर 13.67 करोड़ रुपये दिखा दिया. जब महिला ने अपनी रकम निकालनी चाही तो ठगों ने नया जाल बिछा दिया. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि घोड़बंदर रोड की रहने वाली महिला को जालसाजों ने एक लिंक भेजा था. इस लिंक के जरिए उसे फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया गया. इसके बाद 4 अगस्त से 10 सितंबर के बीच महिला ने कई बैंक खातों में कुल 1.1 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए. ऐप पर लगातार मुनाफा बढ़ता हुआ दिखाया गया, जिससे उसे अपने निवेश पर भरोसा होता गया. ठगी का असली खेल तब सामने आया जब महिला ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की. ऐप पर उसके खाते में 13.67 करोड़ रुपये का मुनाफा दिख रहा था, लेकिन पैसे निकालने के लिए उससे अतिरिक्त भुगतान करने को कहा गया. इसी दौरान महिला को शक हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है. इसके बाद उसने ठाणे साइबर पुलिस से शिकायत की. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. साइबर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर राहुल सोनवणे ने बताया कि मामले की जांच जारी है. पुलिस उन बैंक खाताधारकों और फर्जी ट्रेडिंग ऐप को संचालित करने वाले लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिनके जरिए रकम ट्रांसफर कराई गई.

कश्मीरी गेट में कलेक्शन एजेंट की चाकू गोदकर हत्या, 15 लाख रुपये लेकर फरार हुए बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार शाम लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू गोदकर ई-रिक्शा सवार कलेक्शन एजेंट की हत्या कर दी थी। बदमाश करीब 15 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। जबकि दूसरे बैग में 20 से 25 लाख रुपये थे, जो बदमाश लूटने में कामयाब नहीं हो सके। वारदात के पीछे पुलिस को पहले से रेकी किए जाने का शक है। जांच में सामने आया है कि बदमाशों को ई-रिक्शा में बड़ी रकम होने की जानकारी थी। विरोध करने पर बदमाशों ने ई-रिक्शा के ड्राइवर और यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया था। जबकि रिक्शे में सवार प्रभात के भतीजे सचिन और एक अन्य यात्री आकाश घायल हो गए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी प्रभात और सचिन एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के लिए कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। दोनों गांधी नगर से चांदनी चौक के हैदर कुली जा रहे थे। उनके पास दो बैग थे, जिनमें करीब 30 से 40 लाख रुपये रखे थे। यमुना बाजार के पास बदमाशों ने ई-रिक्शा को रोक लिया और एक बैग लेकर भाग गए। घायल प्रभात, सचिन और आकाश को सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान प्रभात की मौत हो गई। सचिन को आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। आकाश को गुरुवार रात ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि कलेक्शन एजेंटों के पास इतनी बड़ी रकम होने की जानकारी बदमाशों को कैसे मिली। आशंका है कि किसी अंदरूनी शख्स ने तो जानकारी नहीं दी। खबर लिखे जाने तक इस वारदात के 24 घंटे बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर, रेड लाइट पर ऑटो और ई-रिक्शा को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. दिल्ली के सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी. हादसे में ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद कार चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा साउथ ईस्ट दिल्ली में सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास हुआ. ऑटो और ई-रिक्शा रेड लाइट पर मौजूद थे. इसी दौरान तेज रफ्तार से आई कार ने दोनों वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो और ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. हादसे में ऑटो में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. वहीं हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. बताया जा रहा है कि आरोपी चालक अपनी कार घटनास्थल पर ही छोड़ गया. पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. कार के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारियों के आधार पर चालक की पहचान और उसकी तलाश की जा रही है. पुलिस हादसे के घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच कर सकती है. फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

बीड, धाराशिव समेत 75% महाराष्ट्र सूखा घोषित, देवेंद्र फडणवीस ने किसान मजदूरों के लिए किए कई ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई . महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर-1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।इससे पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा, जो पिछली योजनाओं में छूट गए थे। सीएम ने गांव में किसानों को संबोधित करते हुए लोगों को भरोसा दिलाया था कि सरकारी तंत्र ग्रामीण राहत कार्यों को प्राथमिकता देगा। मुख्यमंत्री ने कहा था कि आर्थिक मदद के अलावा, मवेशियों के लिए चारा बांटने और फसल के नुकसान का आकलन (पंचनामा) तेजी से करने के लिए आपातकालीन उपाय कर रहा है।

नाटको फार्मा जुटाएगी 1279 करोड़

कंपनी 750 रुपए प्रति शेयर के भाव पर जारी करेगी 1.70 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयर

नई दिल्ली ।

दवा कंपनी नाटको फार्मा ने पूंजी जुटाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने राइट इश्यू के माध्यम से अधिकतम 1,279.35 करोड़ रुपये जुटाने को अपनी मंजूरी दे दी है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी 750 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 2 रुपये अंकित मूल्य वाले अधिकतम 1,70,58,082 इक्विटी शेयर जारी करेगी। इस राइट इश्यू का उद्देश्य कंपनी के वित्तीय विस्तार को मजबूती देना है। पात्र शेयरधारकों के लिए रिकॉर्ड तारीख 1 अक्टूबर तय की गई है। इसके तहत, निवेशकों को उनके पास मौजूद प्रत्येक 21 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयरों पर दो नए शेयर दिए जाएंगे। यह राइट इश्यू 12 अक्टूबर को खुलेगा और 22 अक्टूबर को बंद होगा। शेयरधारक 12 से 16 अक्टूबर के बीच अपने राइट को बाजार में किसी अन्य को हस्तांतरित या बेच भी सकेंगे। बोर्ड ने आचार संहिता में संशोधन को भी मंजूरी दी।

वाहन परीक्षण बुनियादी ढांचा उन्नयन के लिए 780 करोड़ आवंटित- मंत्री

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने आईसीएटी20 कार्यक्रम में की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने घोषणा की कि मंत्रालय ने देश भर की सभी वाहन परीक्षण एजेंसियों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए 780 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह आवंटन भारत के तेजी से बदलते वाहन क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री कुमारस्वामी मानेसर स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) में आयोजित आईसीएटी20 - उत्कृष्टता के 20 वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम वाहन परीक्षण, प्रमाणन और औद्योगिक विकास में आईसीएटी के दो दशकों के योगदान का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन, वैकल्पिक ईंधन और स्मार्ट परिवहन जैसे नवाचार भारतीय वाहन उद्योग को नया आकार दे रहे हैं। इस बदलते परिदृश्य में, उन्होंने मजबूत और आधुनिक परीक्षण अवसंरचना की आवश्यकता पर बल दिया, जिसके लिए सरकार यह व्यापक निवेश कर रही है ताकि देश की परीक्षण क्षमताओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप मजबूत किया जा सके।

आईपीओ बाजार में एडरॉयट सहित चार इश्यू हुए ओवरसब्सक्राइब

एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आईपीओ को मिला 177 गुना बंपर अभिदान,

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जब शुक्रवार को चार कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंपर अभिदान के साथ बंद हुए। इनमें एडरॉयट इंडस्ट्रीज का आईपीओ सबसे आगे रहा, जिसे अंतिम दिन करीब 177 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा स्वास्तिका इंफ्रा, एलिवेट कैम्पसेज और आरमी इंफोटेक के आईपीओ को भी निवेशकों का मजबूत समर्थन मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 151 करोड़ रुपये के एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आईपीओ में 78,72,900 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,39,22,95,200 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जिससे यह 176.85 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ। इस आईपीओ को गैर-संस्थागत निवेशकों की ओर से 332.35 गुना, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की ओर से 195.04 गुना और खुदरा निवेशकों की ओर से 99.81 गुना अभिदान मिला। इसका मूल्य दायरा 126-134 रुपये प्रति शेयर था। अन्य आईपीओ में, विद्यार्थियों के लिए आवास सुविधाएं और स्कूली शिक्षा से जुड़ी कंपनी एलिवेट कैम्पसेज के 2,100 करोड़ रुपये के आईपीओ को 1.79 गुना अभिदान मिला। वहीं स्वास्तिका इंफ्रा के 161 करोड़ रुपये के आईपीओ को 7.60 गुना और आरमी इंफोटेक के आईपीओ को 2.44 गुना अभिदान प्राप्त हुआ, जो भारतीय आईपीओ बाजार में बढ़ती निवेशक रुचि को दर्शाता है।

वैश्विक चिंताओं के चलते लगातार 7वें सप्ताह फिसला बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी 0.88 प्रतिशत तक टूटा

मुंबई।

वैश्विक चिंताओं के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार सातवें सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में 0.88 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की ग साप्ताहिक आधार पर निफ्टी 0.88 प्रतिशत कमजोर हुआ, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें 0.34 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 23,140 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स शुक्रवार को 315 अंक यानी 0.43 प्रतिशत चढ़कर 73,895 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह में इसमें 0.54 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। गुरुवार को दोनों प्रमुख सूचकांक 1.6 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए थे, जबकि शुक्रवार को चुनिंदा शेयरों में वैल्यू बाइंग के चलते सीमित रिकवरी देखने को मिली।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सप्ताह भर ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहीं, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार करता रहा। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति को लेकर चिंताओं ने तेल बाजार को सहारा दिया। हालांकि सप्ताह के अंत में तेल कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली, जिससे आयात बिल, महंगाई, रुपए और कॉरपोरेट लागत पर दबाव की आशंकाएं थोड़ी कम हुईं। दूसरी ओर, अमेरिकी बॉन्ड बाजार ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड सप्ताह के दौरान 5.10 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंची यील्ड वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों को सख्त बनाती है और उभरते बाजारों की परिसंपत्तियों को अपेक्षाकृत कम आकर्षक बना सकती है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी बाजार के लिए बड़ी चुनौती बनी रही। एक्सचेंज आंकड़ों के मुताबिक, एफआईआई लगातार छठे सप्ताह शुद्ध विक्रेता रहे और उन्होंने सप्ताह के दौरान 11,490 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखते हुए 16,398 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया, जिससे बाजार में गिरावट कुछ हद तक सीमित रही। सितंबर महीने में अब तक एफआईआई कुल 18,531 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जबकि डीआईआई ने 52,617 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की है।

इसके बावजूद निफ्टी अगस्त के अंत के स्तर से लगभग 3.9 प्रतिशत नीचे बना हुआ है। बाजार की नजरें अब पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी टिकी हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड- लंबी अवधि का प्रदर्शन क्यों है अहम?

बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश का लचीला विकल्प

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों के बीच चर्चा में हैं। ये फंड मैनेजरों को बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदलने की सुविधा देते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक साल के रिटर्न को देखकर इन फंडों में निवेश का फैसला लेना ठीक नहीं है, बल्कि लंबी अवधि के प्रदर्शन और जोखिम को समझना आवश्यक है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप डायरेक्ट ने एक साल में 10.77 फीसदी का रिटर्न दिया, लेकिन तीन साल में 19.35 फीसदी और पांच साल में 16.39 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिखाया। वहीं, क्वांट फ्लेक्सी कैप डायरेक्ट का एक साल का रिटर्न 10.22 फीसदी था, जबकि लंबी अवधि में यह भी बेहतर रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रदर्शन में अंतर हो सकता है। बड़ौदा बीएनपी पारिबास म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर के अनुसार फ्लेक्सी कैप जैसे डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड का आकलन तीन से पांच साल की अवधि में करना अधिक उपयोगी है। केवल पॉइंट-टू-पॉइंट के बजाय रोलिंग रिटर्न भी देखना चाहिए। फंड चुनते समय जोखिम-समायोजित रिटर्न (जैसे स्टैंडर्ड डिविएशन) पर भी ध्यान देना जरूरी है। इसके साथ ही, फंड की निवेश शैली, मार्केट कैप में हिस्सेदारी और किसी एक सेक्टर या शेयर में अत्यधिक एकाग्रता भी देखनी चाहिए।

डीएचएल एक्सप्रेस बढ़ाएगी माल ढुलाई शुल्क

नए साल से 8.9 फीसदी महंगा होगा शिपमेंट

मुंबई ।

प्रमुख लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सप्रेस ने घोषणा की है कि वह अगले साल 1 जनवरी से भारत में अपनी माल ढुलाई शुल्क में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। कंपनी ने इस वार्षिक शुल्क वृद्धि के पीछे बढ़ती मुद्रास्फीति, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और उद्योग-विशिष्ट लागतों में वृद्धि जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया है। डीएचएल एक्सप्रेस ने स्पष्ट किया कि 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में परिचालन करने के कारण, वह न केवल स्थानीय आर्थिक स्थितियों बल्कि वैश्विक बाजारों के घटनाक्रमों से भी प्रभावित होती है। कंपनी के अनुसार, उसकी लागत संरचना ऊर्जा खर्च, अनुपालन आवश्यकताओं और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकरणों द्वारा लागू किए जाने वाले बदलते सीमा शुल्क से भी लगातार प्रभावित हो रही है, जिसके चलते यह वृद्धि आवश्यक हो गई है। डीएचएल एक्सप्रेस के दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस सुब्रमण्यन ने इस समायोजन को सेवा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह वार्षिक मूल्य समायोजन हमें सेवा और विश्वसनीयता के उस उच्च स्तर को बनाए रखने में सक्षम बनाता है, जिसकी हमारे ग्राहक अपेक्षा करते हैं। साथ ही यह हमारे वैश्विक परिचालन के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को भी मजबूत करता है। सुब्रमण्यन ने यह भी दोहराया कि कंपनी अपने ग्राहकों को बदलते कारोबारी परिवेश में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए वैश्विक नेटवर्क, डिजिटल क्षमताओं, सुरक्षा बुनियादी ढांचे और टिकाऊ लॉजिस्टिक समाधानों में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवानिवृत्ति की योजना- सिर्फ कॉर्पस नहीं,समग्र रणनीति पर दें जोर

महंगाई, मेडिकल खर्च और लंबी उम्र को ध्यान में रखकर बनाएं ठोस रणनीति

नई दिल्ली ।

सेवानिवृत्ति की योजना बनाते समय केवल एक बड़ा कॉर्पस बनाने का लक्ष्य रखना अपर्याप्त हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि रिटायरमेंट के बाद 20 से 30 साल या उससे अधिक के जीवनकाल के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक समग्र और दूरदर्शी रणनीति अपनाना अनिवार्य है। महंगाई, स्वास्थ्य व्यय और निवेश पर मिलने वाले रिटर्न जैसे कई कारक आपकी भविष्य की जरूरतों को प्रभावित करते हैं, जिनकी अनदेखी भारी पड़ सकती है। रिटायरमेंट के बाद की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केवल एक निश्चित कॉर्पस राशि तय कर देना पर्याप्त नहीं है। सबसे पहले यह अनुमान लगाना महत्वपूर्ण है कि सेवानिवृत्ति के उपरांत आपकी जीवनशैली और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति वर्ष कितनी धनराशि की आवश्यकता होगी। भले ही नौकरी के दौरान के कुछ खर्च, जैसे आने-जाने और काम से जुड़े व्यय कम हो जाएं, वहीं स्वास्थ्य देखभाल, यात्रा, शौक और परिवार की मदद जैसे खर्चों में वृद्धि हो सकती है। भविष्य में आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त लगने वाली रकम महंगाई के कारण कम न पड़े, इसके लिए महंगाई दर को भी योजना में शामिल करना अनिवार्य है। वित्तीय जानकारों के मुताबिक, रिटायरमेंट के लिए निवेश जितनी जल्दी शुरू किया जाए, कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) का उतना ही अधिक लाभ मिलता है, जिससे लक्ष्य हासिल करने के लिए मासिक योगदान अपेक्षाकृत कम रहता है। नेशनल पेंशन सिस्टम जैसे विकल्प लंबे समय तक नियमित योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, औसत आयु में वृद्धि को देखते हुए, रिटायरमेंट के बाद कम से कम 25 से 35 साल के खर्च की योजना बनाना विवेकपूर्ण है। जीवनसाथी और आश्रितों की जरूरतों को भी इसमें शामिल करना चाहिए। पेंशन, किराये, ब्याज या एन्युटी से होने वाली अन्य आय को भी गणना में जोड़कर निवेश से अपेक्षित अतिरिक्त आय का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। यह भी जरूरी है कि सेवानिवृत्ति योजना की समय-समय पर समीक्षा की जाए। आय, खर्च या निवेश की स्थिति में बदलाव आने पर योगदान राशि या रणनीति में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं। केवल कॉर्पस बनाना ही नहीं, बल्कि रिटायरमेंट के बाद उस राशि को बुद्धिमानी से निकालने की योजना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

शुरुआती वर्षों में आवश्यकता से अधिक निकासी से फंड पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा, निवेश और निकासी पर लागू होने वाले कर नियमों को समझना भी अनिवार्य है।

इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर बनाई गई एक सुनियोजित रणनीति सेवानिवृत्ति के बाद एक स्थिर और आरामदायक जीवन सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होती है।

भारत में एफडीआई 6 फीसदी बढ़ा, जापान शीर्ष पर, अमेरिकी निवेश 76 फीसदी घटा

अप्रैल-जून तिमाही में कुल 19.81 अरब डॉलर का सीधा विदेशी निवेश

नई दिल्ली ।

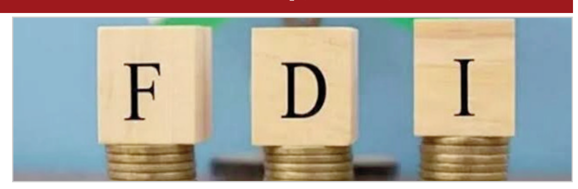

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) छह प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डॉलर हो गया है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान जापान 5.71 अरब डॉलर के साथ सबसे बड़ा निवेशक बनकर उभरा, जबकि अमेरिका से आने वाले एफडीआई में 76 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। डीपीआईआईटी के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल एफडीआई (इक्विटी निवेश, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी सहित) इस तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 30.65 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, तिमाही के भीतर मई और जून में मासिक एफडीआई में गिरावट देखी गई, जिसे अप्रैल में हुए दोगुने निवेश (12.1 अरब डॉलर) ने संतुलित किया। जापान के बाद सिंगापुर (5.22 अरब डॉलर) और मॉरीशस (2.31 अरब डॉलर) प्रमुख निवेशकों में शामिल रहे। अमेरिका से एफडीआई घटकर 1.34 अरब डॉलर रह गया, वहीं संयुक्त अरब अमीरात से भी निवेश में कमी आई।

प्रमुख क्षेत्रों में सेवा क्षेत्र को सर्वाधिक 7.04 अरब डॉलर का एफडीआई मिला, इसके बाद कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर (2.84 अरब डॉलर) और व्यापार क्षेत्र प्रमुख रहे। राज्यों में, तमिलनाडु 5.95 अरब डॉलर के साथ एफडीआई आकर्षित करने में शीर्ष पर रहा, जिसके बाद महाराष्ट्र (4.22 अरब डॉलर) और दिल्ली (2.67 अरब डॉलर) का स्थान रहा।

ऑडी इंडिया ने छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में क्यू3 मॉडल का उत्पादन शुरू किया

छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में असेंबली शुरू, 16 अक्टूबर को होगी लॉन्चिंग

छत्रपति संभाजीनगर ।

जर्मन लग्जरी वाहन निर्माता ऑडी ने भारत में अपनी लोकप्रिय एसयूवी क्यू3 का स्थानीय उत्पादन शुरू कर दिया है। यह कदम मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देता है, जिससे भारतीय ग्राहकों को जल्द ही यह बहुप्रतीक्षित लग्जरी एसयूवी उपलब्ध होगी। ऑडी क्यू3 का उत्पादन महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के शेंद्रा संयंत्र में शुरू किया गया है। कंपनी ने घोषणा की है कि नई ऑडी क्यू3 को भारत में 16 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। यह मॉडल 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन और ऑडी के प्रसिद्ध क्वात्रो ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम से लैस होगा, जिसमें अपनी श्रेणी के कुछ विशेष फीचर और अत्याधुनिक तकनीकें भी शामिल होंगी। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पीयूष अरोड़ा ने इस उत्पादन को कंपनी की विनिर्माण क्षमता का परिचायक बताया। ऑडी इंडिया के एक अ धिकारी ने कहा कि क्यू3 ऑडी ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल रहा है, और नई पीढ़ी के मॉडल में डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 2.88 लाख करोड़ बढ़ी

मंत्रालय की अगस्त 2026 की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली ।

देश में 150 करोड़ रुपए से अधिक की कुल 1,731 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में 2,88,122 करोड़ रुपए की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की अगस्त 2026 की मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इन परियोजनाओं की मूल अनुमानित लागत 30.71 लाख करोड़ रुपए थी, जो अब संशोधित होकर 33.60 लाख करोड़ रुपए हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की निगरानी में चल रही इन परियोजनाओं पर अब तक 16.33 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जो संशोधित कुल लागत का 48.59 प्रतिशत है। कुल 647 परियोजनाओं में 80 प्रतिशत से अधिक भौतिक प्रगति दर्ज की गई है, जबकि 312 में इतनी ही वित्तीय प्रगति हुई है। परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में सर्वाधिक 1,191 परियोजनाएं हैं, जिनकी संशोधित लागत 16.05 लाख करोड़ रुपए है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पास सबसे अधिक 982 परियोजनाएं (संशोधित लागत 9.52 लाख करोड़ रुपए) हैं।

इसके बाद रेल मंत्रालय (147 परियोजनाएं, 3.14 लाख करोड़ रुपए) और कोयला मंत्रालय (122 परियोजनाएं, 2.22 लाख करोड़ रुपए) का स्थान है। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में परियोजनाएं या तो शुरुआती चरण में हैं या पूरा होने के करीब हैं।

कैट ने नो यूपीआई डे के आह्वान की खबरों का खंडन किया

व्यापारिक संगठन ने 2 अक्टूबर को देशव्यापी बंद की खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत बताया

नई दिल्ली ।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने उन मीडिया रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें यह दावा किया गया था कि संगठन ने 2 अक्टूबर को देशव्यापी नो यूपीआई डे का आह्वान किया है। कैट ने एक बयान जारी कर इन खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक करार दिया, जिससे संगठन के रुख को लेकर पैदा हुए भ्रम को दूर किया जा सके।

संगठन ने स्पष्ट किया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में कैट द्वारा नो यूपीआई डे की घोषणा की बात कही जा रही थी। कैट ने कहा, ये खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं तथा कैट के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।

कैट ने यह भी बताया कि एमडीआर के मुद्दे पर कुछ अन्य व्यापारिक संगठन या क्षेत्रीय निकाय स्वतंत्र रूप से विरोध प्रदर्शन या कार्यक्रम की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें कैट से जोड़ना या उसके नाम से बताना अनुचित होगा। उल्लेखनीय है कि 15 अक्टूबर से व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) यूपीआई भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा, जिसका भुगतान व्यापारी करेंगे, बशर्ते लेनदेन 2,000 रुपए से अधिक हो। 75,000 रुपए या उससे अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपए होगा।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने हफ्ते भर बिगाड़ी बाजार की चाल

तेजी से गिरावट तक का सफरः भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा रहा सप्ताह

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जहां सप्ताह की शुरुआत मजबूत संकेतों और निवेशकों के उत्साह के साथ हुई, वहीं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक चिंताओं ने बाजार की चाल बिगाड़ दी, जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह के अंत तक तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की पूंजी पर अनिश्चितता के बादल छाए रहे और सप्ताह का समापन लाल निशान में हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को उत्साहजनक रही। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांकों ने जोरदार बढ़त दर्ज की, जहां बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंचा। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 पर बंद हुआ, वहीं एनएसई निफ्टी भी 67.90 अंक की वृद्धि के साथ 23,414.30 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को भी बाजार ने मजबूत शुरुआत की, सेंसेक्स 101.79 अंक और निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ खुले, लेकिन यह तेजी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। आईटी और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में बिकवाली के दबाव से बाजार शुरुआती बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 329.91 अंक टूटकर 74,529.08 पर और निफ्टी 85.30 अंक गिरकर 23,329 पर आ गया। सप्ताह के सबसे बड़े झटके के तौर पर गुरुवार का दिन रहा, जब भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण स्तर को पार करना इस बिकवाली का मुख्य कारण रहा। वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय इक्विटी बाजार भी इससे प्रभावित हुआ। बिकवाली के भारी दबाव के चलते बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक की रिकॉर्ड गिरावट के साथ 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 383.70 अंक फिसलकर 23,063.10 के स्तर पर आ गया। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच बाजार में हल्की रिकवरी देखने को मिली।

बैंक हड़ताल से गहराया संकट, पांच दिनों तक बैंकिंग ठप रहने का खतरा

आठ लाख बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल 28 सितंबर से, 5-डे बैंकिंग और पेंशन मुख्य मुद्दे

मुंबई ।

देश के करोड़ों बैंक ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले करीब 8 लाख बैंक कर्मचारी 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। यह हड़ताल 5-डे बैंकिंग और पेंशन जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर बुलाई गई है। चिंता इसलिए भी गहरी हो गई है क्योंकि 26 सितंबर को चौथा शनिवार और 27 सितंबर को रविवार होने के कारण यह सीधे तौर पर पांच दिनों के बैंकिंग अवकाश में तब्दील हो सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान की आशंका है। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वित्त मंत्रालय ने सभी सरकारी बैंकों को 27 सितंबर, रविवार को भी खुले रखने का आदेश दिया है ताकि जनता के जरूरी काम निपटाए जा सकें। भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंक रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करते हैं। रोजाना लाखों करोड़ रुपये का वित्तीय लेन-देन बैंकों के माध्यम से होता है। अकेले डिजिटल पेमेंट मोड जैसे यूपीआई से ही देश में हर दिन करीब 88,000 करोड़ से 1 लाख करोड़ तक का लेन-देन होता है। इसमें चेक क्लियरेंस, आरटीजीएस, एनईएफटी, सरकारी ट्रेजरी और बड़े बिजनेस लोन से जुड़ा कामकाज भी शामिल कर लिया जाए, तो यह आंकड़ा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि तीन दिनों की इस हड़ताल से भारतीय बाजार को कई मोर्चों पर भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। लगभग 15,000 करोड़ से 20,000 करोड़ रुपये मूल्य के चेक अटक सकते हैं, जिससे छोटे व्यापारियों का वर्किंग कैपिटल फंस जाएगा और बाजार में नकदी के प्रवाह में बाधा आएगी।

हड़ताल के दौरान कैश जमा-निकासी, चेक क्लियरिंग, सरकारी ट्रेजरी ऑपरेशन, फॉरेक्स ट्रांजैक्शन और मनी मार्केट ऑपरेशन जैसी सेवाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी, क्योंकि यह सभी काम मुख्य रूप से ब्रांच स्टाफ पर निर्भर करते हैं। हालांकि, निजी बैंक जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और ए क्सिस बैंक इस हड़ताल का हिस्सा नहीं होंगे, जिससे वहां कामकाज सामान्य बना रहेगा।

ये है दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल

यहां हमेशा होती रहती है बारिश

अपनी धरती पर बड़े-बड़े जंगल हैं, जहां हजारों तरह के पेड़-पौधे हैं और हजारों तरह के जीव रहते हैं। ऐसा ही एक घना जंगल है अफ्रीका महादेश के मध्य में। कांगो देश से जुड़ा यह जंगल दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल है। इस जंगल में हमेशा बारिश होती रहती है, इस कारण इसे कांगो रेन फॉरेस्ट कहा जाता है।

- कांगो रेन फॉरेस्ट मध्य अफ्रीका में स्थित है। यह 23 लाख 45 हजार वर्ग किलोमीटर से भी अधिक क्षेत्र में फैला है। अपना देश भारत लगभग 32 लाख 87 हजार वर्ग किलोमीटर में फैला है। यानी अपने देश के लगभग 75 प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है यह जंगल।
- यह रेन फॉरेस्ट दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जंगल है, जहां खूब बारिश होती है। यहां औसतन 58 इंच बारिश हर वर्ष होती है। पहले नम्बर पर अमेजन रेनफॉरेस्ट है, जो 55 लाख वर्ग किलोमीटर में है। यानी अपने देश के क्षेत्रफल से डेढ़ गुना ज्यादा क्षेत्र में है अमेजन का जंगल।
- कांगो रेन फॉरेस्ट का ज्यादा हिस्सा कांगो देश में आता है, जो अफ्रीका महादेश के मध्य में स्थित है। इसे डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है। संक्षेप में इस देश को डीआरसी भी कहा जाता है और डीआर कांगो भी।
- इस घने जंगल का काफी हिस्सा ऐसा है, जहां अब तक इंसान नहीं पहुंच पाया है। यहां तक कि इस जंगल में रहने वाले लोग भी काफी बड़े हिस्से तक नहीं पहुंच पाए हैं। इन घने हिस्सों में सूर्य की एक प्रतिशत रोशनी ही जमीन तक पहुंच पाती है।
- इस जंगल में रहने वाले लोगों को पिग्मी कहा जाता हैं। यहां के पुरुषों की औसत लंबाई 4 फीट 10 इंच होती है, जबकि महिलाओं की औसत लंबाई 4 फीट 1 इंच होती है।
- इस जंगल में पांच नेशनल पार्क हैं, जिन्हें यूएन विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त है। यानी यह जंगल दुनिया भर के लिए बहुत महत्व रखता है।
- इस जंगल के बीच से कांगो नदी निकलती है, जिसकी लंबाई 4700 किलोमीटर है। यह नदी कांगो देश के अलावा कई और देशों से होकर गुजरती है। इसे दुनिया की सबसे गहरी नदी का दर्जा प्राप्त है।
- इस जंगल में 2000 से भी अधिक तरह के जीव रहते हैं। इनमें 450 से अधिक ऐसे जीव रहते हैं, जो अपने बच्चों को दूध पिलाते हैं। 300 से अधिक रेंगने वाले जीव रहते हैं, जैसे कीड़े-मकोड़े, सांप आदि। 200 से अधिक तरह के ऐसे जीव रहते हैं, जो पानी और उसके बाहर दोनों जगह रह सकते हैं। एक हजार से अधिक तरह की चिड़ियां इस जंगल में रहती हैं।
- इस जंगल को दुनिया का अकेला जंगल माना जाता है, जहां तीनों तरह के गुरिल्ला रहते हैं। इस जंगल में बोनोबो भी रहते हैं, जिनके बारे में कहा और माना जाता है कि यह हमसे सबसे अधिक मिलता-जुलता है।
- यह जंगल 11 हजार से भी अधिक तरह के पौधों का घर है। इनमें से एक हजार से भी अधिक प्लांट सिर्फ इसी जंगल में होते हैं।

इस सेंक्चुरी में संरक्षित रखे जाते हैं गधे

तुमने बाघ, शेर, चिड़ियों और गैंडों को बचाने के लिए, उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सेंक्चुरी बनाने का बात तो सुनी होगी! पर क्या तुम्हें पता है कि भारत में एक ऐसी सेंक्चुरी है, जो जंगली गधों के लिए संरक्षित है? यह सेंक्चुरी बनाई गई है गुजरात के कच्छ में। यह इंडियन वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी करीब पांच हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है और इसीलिए यह भारत की सबसे बड़ी वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी है। गुजरात में इन जंगली गधों को घुड़खर कहा जाता है। ये कद में आम गधों से ऊंचे होते हैं। ये कच्छ में मिलने वाले घास और पेड़ों के पत्ते आदि खाकर अपना गुजारा करते हैं। यह जानकर तुम्हें हैरानी होगी कि ये जंगली गधें 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकते हैं। पहली बार 1940 में जब इन गधों की गिनती कराई गई, तब ये देश भर में साढ़े तीन हजार से ज्यादा की संख्या में थे। परंतु 20 साल के अंदर ही उनकी संख्या घटकर केवल साढ़े तीन सौ रह गई। इसके बाद इन्हें बचाने के लिए सैंक्चुरी बनाने का फैसला किया गया। फिर 1972 में यह बनकर तैयार हुई। आज इन घुड़खर की संख्या अच्छी-खासी है।

पाजामा पहनते हैं यहां के गधे

फ्रांस के सेंट मार्टिन हार्बर पर गधों को पाजामा पहनाने का अनोखा प्रचलन है। यहां हर साल बहुत से देशी-विदेशी सैलानी आते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र होते हैं गधे, जो रंग-बिरंगे सूती कपड़े के पाजामे पहने होते हैं। बच्चे इन गधों पर ठीक वैसे ही सवारी करते हैं, जैसे घोड़ों पर की जाती है। दरअसल इन गधों को पाजामा पहनाने की प्रथा इसलिए शुरू की गई, क्योंकि यहां की नमकीन दलदली जमीन पर मक्खी और मच्छर ज्यादा हैं। गधों को उनके काटने से बचाने के लिए उन्हें पाजामा पहनाया जाता है।

चीनू और पोपू की शरारत

चीनू और पोपू चौथी क्लास में पढ़ते थे, लेकिन थे अव्वल दर्जे के शरारती। ये दोनों कहीं पर भी कोई शरारत का मौका नहीं छोड़ते थे। अगर कोई उन्हें कहीं जाने का सीधा रास्ता पूछता तो वे उसे उल्टा रास्ता बता देते। अगर कोई फल वाला गुजरता तो वे उसे बातों में लगाकर उसके फल गायब कर देते। अपनी क्लास में भी वे खूब शरारत करते थे।

एक दिन रिक्कू क्लास में यूनीफॉर्म की काले रंग की नई पेंट पहनकर आया और चीनू को शरारत सूझी। वह पोपू से बोला- 'आज रिक्कू की पैंट ढीली करते हैं। आज यह नई पेंट पहनकर बहुत स्मार्ट समझ रहा है अपने आपको।' पोपू बोला- 'तो क्या करना है?' चीनू ने कहा- 'देखते जाओ मैं क्या करता हूं।' रिक्कू इंटरवल के समय अपनी सीट से उठकर कहीं बाहर गया हुआ था कि मौका देखते ही चीनू ने एक चॉक से उसकी सीट पर 'शरारती रिक्कू' लिख दिया। यह कुछ इस तरह उल्टे अक्षरों में लिखा कि छपकर सीधा लगे। इंटरवल खत्म होने के बाद सभी बच्चे अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गये। रिक्कू भी अपनी सीट पर आकर बैठ गया।

क्लास टीचर ने ब्लैक बोर्ड पर कुछ लिखवाने के लिए रिक्कू को बुलाया। रिक्कू बड़े आराम से मुस्कराहट के साथ जब ब्लैक बोर्ड पर टीचर की बताई हुई बात लिखने लगा तो उसकी पैंट के पीछे 'शरारती रिक्कू' छपा देखकर सब बच्चे हंसने लगे। टीचर ने हंसने का कारण पूछा तो सभी ने रिक्कू की पेंट की तरफ इशारा किया। क्लास टीचर ने उसकी पेंट पर छपे शब्दों को पढ़ा तो बड़ी हैरान हुईं। पूछा कि ये किसकी शरारत है, तो सभी चुप थे।

रिक्कू बेचारा यह लिखा देखकर शर्मिंदगी महसूस कर रहा था। क्लास टीचर का ध्यान जब चीनू और पोपू की तरफ गया तो वे दोनों नीचे निगाहें किए हुए थे। क्लास टीचर समझ गई थीं कि यह इन्हीं दोनों की शरारत होगी। बाद में उन दोनों ने मान लिया कि यह उन्हीं की शरारत है। क्लास टीचर ने उन्हें वार्निंग (चेतावनी) देकर छोड़ दिया था।

कुछ दिन बाद चीनू और पोपू को फिर शरारत सूझी। रिक्कू का दोस्त मीकू रोजाना अच्छी-अच्छी स्वादिष्ट चीजें घर से अपने टिफिन में लेकर आता था। मीकू रिक्कू के साथ ही अपना खाना शेयर करता था और चीनू-पोपू को दिखा-दिखाकर खाना खाता था। पोपू ने चीनू से कहा कि अबकी बार मीकू को मजा चखाया जाए और यह मजा मैं चखाऊंगा। ये बड़ा हमें अपना खाना दिखा-दिखा कर खाता है और चिढ़ाता है। दोनों ने योजना बनाई कि इसके टिफिन में कुछ ऐसा रखा जाए कि इसे नानी याद आ जाए। दोनों आपस में विचार कर ही रहे थे कि क्या रखा जाए कि तभी पोपू के दिमाग में एक आइडिया आ गया।

उसने चीनू से कहा कि कल स्पोर्ट्स पीरियड में मीकू के टिफिन को खाली करके उसमें हरी-हरी घास भरनी है। दूसरे दिन अपनी योजना के अनुसार पोपू कुछ घास और दो-चार हरी मिर्चें ले आया।

इंटरवल से पहले स्पोर्ट्स पीरियड था तो सभी बच्चे प्लेग्राउंड में जाने लगे। मीकू भी रिक्कू के साथ चला गया। तभी पोपू और चीनू दोनों ने मिलकर उसका टिफिन खाली करके उसमें हरी मिर्च और घास भर दी और उसके टिफिन में जो भी चीजें थीं, सब जल्दी से खा-पीकर बराबर कर दीं। इसके बाद वे दोनों प्लेग्राउंड में चले गये। जब इंटरवल समाप्त हुआ तो सभी बच्चे क्लास में आकर अपने-अपने टिफिन खोलकर लंच करने लगे। चीनू और पोपू भी अपना लंच कर रहे थे। मीकू ने अपना टिफिन खोला तो उसे देखकर भौचक्का रह गया। सभी बच्चे उसके टिफिन में घास देखकर हंसने लगे और कमेंट करने लगे कि आज तो जानवरों का खाना लेकर आए हो।

इधर चीनू और पोपू बड़े मजे से कुछ इस तरह से लंच कर रहे थे, जैसे वे मीनू और रिक्कू को चिड़ा रहे हों। उन्होंने कुछ सहानुभूति दिखाते हुए और आश्चर्य करके मीकू से कहा कि यह जरूर किसी की शरारत है। आओ आज हमारे साथ लंच कर लो। मीकू मन ही मन सोच रहा था कि यह किसकी शरारत हो सकती है, तभी रिक्कू ने इशारा किया कि यह इन दोनों का ही काम हो सकता है, क्योंकि इन्होंने मेरे साथ भी शरारत की थी।

जब क्लास टीचर क्लास में आईं तो बच्चों ने उन्हें मीकू के टिफिन में घास वाली बात बताई। टीचर पहले तो थोड़ा मुस्कराईं, फिर गुस्से में बोलीं- 'ये किसका काम है?' चीनू और पोपू क्लास टीचर के सामने तो बहुत सीधे बन जाते थे, लेकिन टीचर के जाते ही शरारतें शुरू कर देते थे। अभी दोनों एकदम शांत थे। टीचर की निगाह जब इन दोनों पर गई तो पहले तो उन्होंने कहा कि हमने यह काम नहीं किया, लेकिन जब टीचर ने सही बात बताने पर दबाव डाला तो उन्होंने अपनी गलती मान ली।

टीचर चीनू और पोपू को अपने कमरे में ले गईं और उनसे प्यार से पूछा कि वे ऐसी शरारतें क्यों करते हैं तो उन्होंने बताया- 'जो हमें किसी बात पर चिढ़ाता है तो बहुत बुरा लगता है। हम उससे बदला ले लेते हैं। मीकू जब रिक्कू के साथ लंच करता था तो अपना खाना शेयर कराने की बजाए हमें दिखा-दिखाकर खाता था और चिढ़ाता था। और रिक्कू जब भी कोई नई शर्ट या पेंट पहनता तो हमें चिढ़ाता और अपने को ऐसा शो करता जैसे कि वो क्लास का हीरो हो। हमें ये अच्छा नहीं लगा, इसीलिए हमने ऐसा किया।'

क्लास टीचर ने उन्हें बड़े प्यार से समझाया कि अब वे आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करें, जिससे किसी बच्चे को कोई परेशानी हो और क्लास में भी सब बच्चों को समझाया कि सभी बच्चे आपस में मिल-जुलकर रहें। कोई किसी को किसी बात पर न चिढ़ाए।

अगले दिन मीकू और रिक्कू इंटरवल में लंच करने लगे तो उन्होंने चीनू और पोपू को भी लंच शेयर करने के लिए बुला लिया। अब चारों साथ-साथ ही लंच करते थे और बड़े अच्छे दोस्त बन गये थे। चीनू और पोपू की शरारतें भी अब कुछ कम होने लगी थीं।

भारत को एक दिन में कबड्डी के दो गोल्ड

एशियन गेम्स में महिला और पुरुष टीमें चैंपियन, दोनों ने फाइनल में ईरान को हराया

नागोया (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में एक ही दिन कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। शनिवार को पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में लगातार 10वीं बार मेडल जीता। महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल हासिल किया।

ईरान ने पहले हाफ के आखिर में बढ़त बना ली और ब्रेक तक स्कोर 18-17 उसके पक्ष में था। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी ईरान ने दबाव बनाए रखा, लेकिन भारत ने धीरे-धीरे मैच का रुख बदल दिया। सुमित ने डिफेंस में लगातार अहम टैकल किए, जबकि अर्जुन देशवाल ने रेडिंग में अंक जुटाए। भारत ने 21-21 की बराबरी के बाद बढ़त बनानी शुरू की।आखिर में भारत ने 40-34 से

जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।

महिला टीम ने भी ईरान को हराया

महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। भारत ने मुकाबले में कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने वापसी की कोशिश जारी रखी। आखिरी मिनटों में भारतीय डिफेंस ने बढ़त बनाए रखी और मैच 37-34 से अपने नाम किया।

पांड्या चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण 22 अक्टूबर से शुरु हो रहे न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। पांड्या के बाहर होने से टीम संयोजन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार, हार्दिक को ट्रेनिंग के दौरान दाहिनी पिंडली में चोट लगी थी। बीसीसीआई के अनुसार ताजा स्कैन में इस चोट की पुष्टि हुई है इसके कारण उन्हें कम से कम दो सप्ताह के पूर्ण आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख, डॉक्टर दिनशॉ परदीवाला ने उनकी रिपोर्ट का आंकलन करते हुए कहा है कि अब वह रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम में भाग लेंगे।

इस ऑलराउंडर को ये चोट ऐसे समय आई है जब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे थे। उन्हें न्यूजीलैंड दौरे से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ छह अक्टूबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया था, जिससे उनकी वापसी की उम्मीदें जग गई थीं। हालांकि, अब न्यूजीलैंड का दौरा इस ऑलराउंडर के बिना ही होगा। है।

गौरतलब है कि पंड्या लगातार चोट से जूझ रहे हैं, जिसने उनके अंतरराष्ट्रीय करियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। उन्हें एशियाई खेलों के लिए भी भेजा जाना था पर अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा, जिसके बाद से ही वह मैदान से बाहर है। ताजा स्कैन में पिंडली की चोट का पता चला जिससे अब वह उबर रहे हैं। मार्च 2023 में अंतिम बार किसी भी फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए मैदान पर उतरने के बाद से से हार्दिक चोटों के कारण लगातार खेल से बाहर रहे हैं।

भारतीय एथलीट सावन ने मैराथन में रजत जीतकर बनाया रिकार्ड

–चार दशक के बाद इस स्पर्धा में पदक मिला

आइची (एजेंसी)। यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय एथलीट सावन बरवाल ने मैराथन दौड़ में पदक जीतने के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाया है। इस स्पर्धा में सावन ने 2 घंटे 11 मिनट 36 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक जीता। यह न केवल उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है, बल्कि इससे 44 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत को मैराथन में पहला पदक मिला है। इससे पहले 1982 में भारत ने मैराथन में पदक जीता था। सावन ने 2:11:36 का सबसे कम समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। इसी साल रॉटरडैम मैराथन में उन्होंने 2 घंटे 12 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी कर शिवनाथ सिंह के 48 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। यह सावन के करियर की केवल दूसरी मैराथन थी पर उन्होंने जापान के इचिताका यामाशिता के बाद दूसरा स्थान हासिल कर सभी को हैरान कर दिया।

एशियाई खेल 2026: निशानेबाजी में तिलोत्तमा, विदर्सा और आशी ने रजत पदक जीता

–50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस टीम स्पर्धा

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला निशानेबाजों तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने यहां जारी एशियाई खेलों में शानदर प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है। तिलोत्तमा, विदर्सा और आशी ने इस सफलता के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक और पदक जोड़ा है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही, तिलोत्तमा सेन और विदर्सा विनोद ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी प्रवेश किया है।

भारतीय निशानेबाज टीम ने कुल 1763 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन ने 1773 अंकों के साथ ही नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता। भारतीय तिकड़ी पूरे क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान अपने प्रदर्शन से छायी रही। अलग-अलग पोजीशन में उनके द्वारा बनाए गए संयुक्त स्कोर से टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। शुरुआती चरणों में तिलोत्तमा और आशी सबसे आगे के निशानेबाजों में शामिल थीं, वहीं विदर्सा ने मुश्किल शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो, विश्व में 107वीं रैंकिंग पर कायम तिलोत्तमा सेन ने कुल 590 अंक लेकर क्वालिफिकेशन में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी निरंतरता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए नीलिंग और प्रोन चरणों के बाद शीर्ष तीन में जगह बनाई। वहीं, विदर्सा विनोद ने 588 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में अपनी जगह बनायी। इसके अलावा आशी चौकसी ने भी टीम के लिए 585 अंक हासिल किये। ये टीम के रजत पदक जीतने में निर्णायक साबित हुए।

गौरतलब है कि क्वालिफिकेशन प्रारूप के अनुसार, निशानेबाजों को नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग प्रत्येक पोजीशन में 20-20 शॉट लगाने होते हैं। तीनों खिलाड़ियों के संयुक्त स्कोर से टीम पदक तय होता है, जबकि व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंचते हैं, जिसमें प्रत्येक देश से अधिकतम दो निशानेबाजों को ही क्वालिफाई करने की अनुमति होती है। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में चीन की हान जियायू 594 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं, जबकि तिलोत्तमा के 590 अंकों ने उन्हें तीसरे स्थान पर रखा। टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद, अब सभी की निगाहें तिलोत्तमा और विदर्सा के व्यक्तिगत फाइनल पर टिकी हैं, जहां वे देश के लिए एक और पदक जीतने का प्रयास करेंगी।

एशियाई खेलों में गुलवीर ने रजत पदक जीता

आइची । भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। गुलवीर ने 28:29.38 का समय निकालकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक रजत और जोड़ दिया। गुलवीर ने पिछले एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पिछले संस्करण में उन्होंने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर ने 28:29.38 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ जीता, जबकि अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

एशियाई खेलों में वैभव को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय : कैफ

-तिलक और शिवम को बाहर बैठा सकता है टीम प्रबंधन

मुम्बई । भारतीय टीम 28 सितंबर से एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरु करेगी। भारतीय टीम को रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गयी हे। वहीं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि इन खेलों में भारतीय टीम उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जरुर अवसर देगी। इसके लिए भले ही उसे तिलका वर्मा या शिवम दूबे के बाहर बिठाना पड़े। कैफ ने टीम संयोजन को लेकर दिये बयान में कहा है युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लंबे समय तक अंतिम ग्यारह से बाहर नहीं रखा जा सकता। साथ ही कहा कि उन्हें टीम में जगह देने के लिए तिलक या शिवम जैसे खिलाड़ियों को भी बाहर किया जा सकता है। कैफ के अनुसार वैभव ने अब तक अपने करियर में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए टीम प्रबंधन के लिए उन्हें लंबे समय तक बाहर रखना असंभव होगा। कैफ के अनुसार, टीम प्रबंधन का ध्यान इस बात पर नहीं होना चाहिए कि वैभव सूर्यवंशी के लिए अंतिम इलेवन में जगह है या नहीं, बल्कि इस पर होना चाहिए कि उन्हें टीम में कैसे फिट किया जाए। कैफ का मानना है कि इस बल्लेबाज को अंतिम ग्याहर में शामिल करने से भारतीय टीम को ही फायदा होगा। उन्होंने अगले छह महीनों में एक ऐसे संयोजनप की संभावना जताई जिसमें वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा तीनों एक साथ भारतीय टीम का हिस्सा हों। कैफ ने कहा कि अगर टीम प्रबंधन इस उभरते हुए खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो तिलक या शिवम में से किसी एक की जगह पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि तिलक भले ही टीम के उप-कप्तान हों, भारतीय क्रिकेट में ऐसा कोई नियम नहीं है कि उप-कप्तान को अंतिम ग्याहर से बाहर नहीं किया जा सकता। टीम की जरूरत के हिसाब से यह फैसला लिया जा सकता है। वहीं, शिवम दुबे को लेकर कैफ का कहना था कि उनका उपयोग मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर हो रहा है, उनसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं कराई जा रही और फील्डिंग भी उनकी कमजोर है। ऐसे में वैभव के लिए जगह बनाने की स्थिति में शिवम को बाहर बैठना पड़ सकता है।

अगले माह अज़रबैजान में खेला जाएगा पहला फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल

भारतीय टीम भी भाग लेगी

बाकू (एजेंसी)। विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अज़रबैजान के बाकू में अगले माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अज़रबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।,

इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं। छह दिनों तक चलने वाले इस विशाल आयोजन में 20 पिचों पर कुल 943 रोमांचक मैच खेले जाएंगे। मैच 8वी8 (आठ बनाम आठ) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और बीच में पांच मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक होगा। पिच का आकार 68 मीटर गुणा 50 मीटर निर्धारित किया गया है, और पूरे मैच के दौरान रोलिंग सब्स्टिट्यूशन (लगातार खिलाड़ी बदलने की अनुमति) की सुविधा होगी, जिससे कोच अपनी रणनीति में लचीलापन रख सकेंगे और खिलाड़ियों को अधिकतम अवसर दे पाएंगे।। भारतीय दल 22 अक्टूबर को बाकू पहुंचेगा, जिसके बाद 23 अक्टूबर को आधिकारिक प्रशिक्षण सत्र होगा, जहां टीम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देगी। योग्यता दौर 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। 27 अक्टूबर को खिलाड़ियों को आराम का दिन मिलेगा, जिसके बाद टूर्नामेंट चरण 28 और 29 अक्टूबर को होगा। इस उद्घाटन समारोह का समापन 30 अक्टूबर को टियर फाइनल के साथ होगा, जहाँ युवा फुटबॉलरों का यह महाकुंभ अपने चरम पर पहुंचेगा।

महिला क्रिकेटर फातिमा अब बाबर आजम से भी आगे निकली: वसीम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद वसीम ने महिला क्रिकेट टीम के कप्तान फातिमा सना की जमकर तारीफ की है। वसीम ने कहा कि आज के समय में फातिमा पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम से भी बेहतर है। साथ ही कहा कि अपने प्रदर्शन से उसने लोकप्रियता में बाकर को भी पीछे छोड़ दिया है। महिला टीम के कोच रहे वसीम ने कहा कि अगर क्रिकेट को गहराई से समझने वाले और जानकार दर्शकों के बीच फातिमा और बाबर की तुलना की जाए, तो फातिमा कहीं आगे खड़ी नज़र आती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बाबर पुरुष टीम में फातिमा के समकक्ष हैं, तो वसीम ने बिना किसी झिझक के फातिमा को इन सबसे ऊपर रखा। उन्होंने इस बात पर गर्व और दुख दोनों जताया कि फातिमा कई बार असाधारण प्रदर्शन करने के बावजूद हारने वाली टीम का हिस्सा बन जाती हैं। वसीम ने बताया कि हाल ही में उन्होंने एक टीवी एंकर को फातिमा को पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर बताते हुए सुना था, और वह इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।

मोहम्मद वसीम के अनुसार, लोकप्रियता केवल नाम या पहचान से नहीं मिलती, बल्कि निरंतर और प्रभावी प्रदर्शन से बनती है। उन्होंने कहा कि फातिमा बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, और अब जब पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ देखा जा रहा है, तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी उनकी खूब तारीफ होती है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के पुरुष क्रिकेट के कई बड़े नामों को मौजूदा समय में इस तरह की लगातार प्रशंसा नहीं मिल रही है, जिसके पीछे उनका मौजूदा प्रदर्शन भी एक बड़ी वजह है।

गौरतलब है कि फातिमा सना पाकिस्तान महिला टीम की कप्तान हैं और उन्हें दुनिया की बेहतरीन महिला हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। उन्होंने अब तक 134 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय

मुकाबलों में कुल 157 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 1500 से ज्यादा रन भी बनाए हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तान महिला टीम को बड़े टूर्नामेंटों में भले ही लगातार सफलता न मिली हो, लेकिन फातिमा अपने गेंद और बल्ले दोनों से कई मौकों पर टीम के लिए सबसे प्रभावी खिलाड़ियों में से एक रही हैं।

अभी संन्यास नहीं लेंगे रोनाल्डो, पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे

लिस्बन । फीफ विश्वकप फुटबॉल में पुर्तगाल टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही अटकलें लगायी जा रही थीं कि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब किसी भी समय संन्यास ले सकते हैं पर रोनाल्डो ने इससे इंकार किया है। इस फुटबॉलर का कहना है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई ईरादा नहीं है।

साथ ही कहा कि वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक मैदान पर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रोनाल्डो ने हालांकि माना है कि विश्व कप में टीम की हार के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बारे में गंभीरता से सोचा था, पर अब उनका पूरा ध्यान आगामी मुकाबलों में पुर्तगाल को जीत दिलाने और टीम के लक्ष्यों को हासिल करने पर केंद्रित है।रोनाल्डो ने बताया कि विश्व कप के अंतिम-16 में स्पेन के खिलाफ मिली हार के बाद उनके मन में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, हां, मैंने ऐसा सोचा था। मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। हालांकि, अब उन्होंने इस पर अंतिम निर्णय ले लिया है और अपने देश के लिए खेलना जारी रखने का संकल्प लिया है।

इस 39 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में देश के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और अपने पूर्व क्लब अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस से विस्तार से बातचीत के बाद फैसला किया है। जीसस, जिन्होंने हाल ही में मई में अल-नासर को सऊदी लीग का प्रतिष्ठित खिताब दिलाया था और रोनाल्डो की क्षमताओं से भली-भांति परिचित हैं, ने भी इस चर्चा में भाग लिया। रोनाल्डो ने कहा, मुझे अब भी पूरा विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम की मदद कर सकता हूं और उसे उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा सकता हूं। मैं तब ही संन्यास लूंगा, जब मुझे यह महसूस होगा कि मैं टीम के लिए अब कुछ भी कर पाने में सक्षम नहीं हूं।अपने करियर में 1,000 गोल पूरे करने के बेहद करीब पहुंच चुके रोनाल्डो ने आगे कहा कि भले ही टीम में एक नई और युवा पीढ़ी का उदय हो रहा है, लेकिन उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मैदान पर उतरकर अपना शत-प्रतिशत देना, गोल दागना और अपनी टीम को मैच जिताने में हर संभव मदद करना है। वह 2025 में नेशंस लीग का खिताब दिलाने में भी अपनी अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

स्क्वाश में जोशना और सेंथिलकुमार ने कांस्य जीता

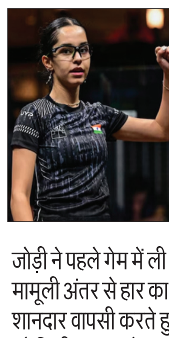

नगोया। भारत की जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्क्वाश के सेमीफाइनल में हांगकांग के तांग मिंग हांग और ली का यी से हारने के बाद कांस्य पदक ही मिल पाया। जोशना और सेंथिलकुमार की जोड़ी को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में (1-2) 10-11, 11-2, 10-11 से हार का सामना करना पड़ा है। .मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में जोशना और सेंथिलकुमार की भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में ली का यी और तांग मिंग हांग को कड़ी टक्कर दी पर अंत में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़। इसके बाद जोशना और सेंथिलकुमार ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम जीत लिया. तीसरे गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली पर अंत में हांगकांग के खिलाड़ियों ने संयम से खेलते हुए जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमिका अरिबाडो पर जीत हासिल करके सेमीफाइनल में प्रवेश कर अपना पदक पक्का किया है। जोशना का यह एशियाई खेलों में छठा पदक है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में रिकार्ड बना सकते हैं विराट और जडेजा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को यहां होने पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में तीन बड़े रिकार्ड टूटने की संभावना है। इस मैच में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रवींद्र जडेजा बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एकदिवसीय इतिहास में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली ने लगाए हैं। उनके नाम 41 पारियों में 9 शतक हैं। वहीं 5 शतक के साथ बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं। अगर विराट पहले एकदिवसीय में 100 रन बना लेते हैं, तो वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच आज तक 142 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। दोनों देशों के आंकड़ों को मिलाकर देखा जाए, तो सबसे ज्यादा विकेट रवींद्र जडेजा और कोर्टनी वॉल्श ने लिए हैं। दोनों अभी 44 विकेट के साथ बराबरी पर हैं। ऐसे में जडेजा पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट लेते ही इस इंडीज टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। जडेजा इसी सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 50 एकदिवसीय विकेट पूरे करने वाले सबसे पहले भारतीय गेंदबाज बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 6 विकेट की जरुरत है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में कुल 20 खिलाड़ी 2000 या उससे ज्यादा चौके लगा चुके हैं। इसमें पांच भारतीय भी शामिली है। ऐसे में अगर रोहि इस सीरीज में 18 चौके और लगाने में सफल होते हैं तो 2000 चौके लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित ने अभी तक 1982 चौके लगाये हैं।

पैन-इंडिया टैग हिंदी और बाकी भाषा की फिल्मों में फर्क पैदा करता है

तेलुगू सुपरस्टार घंटा नवीन बाबू उर्फ नानी जहां इन दिनों अपनी फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उन्होंने भारतीय सिनेमा में सिर्फ साउथ इंडियन फिल्मों के लिए ही 'पैन-इंडिया' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। 42 साल के एक्टर ने इसे 'डबल स्टैंडर्ड' कहा है और सीधा सा तर्क दिया है कि यह दोहरा मापदंड है, जो हिंदी सिनेमा को फायदा पहुंचाता है। नानी ने चेन्नई में एक इवेंट में कहा कि साउथ इंडियन फिल्मों को एक ऐसे टैग में सीमित कर दिया गया है, जिससे लगता है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह साबित करने की जरूरत है।

नानी ग'द पैराडाइज' के प्रमोशन के लिए चेन्नई में थे। दो बार पोस्टपोन होने के बाद उनकी यह फिल्म अब 24 सितंबर को रिलीज हो गई है। इवेंट में प्रेस मीट के दौरान एक्टर ने कहा, 'जब कोई हिंदी फिल्म साउथ में सफल होती है, तो हम उसे हिंदी फिल्म ही कहते हैं। लेकिन जब कोई साउथ इंडियन फिल्म पूरे देश में सफल होती है, तो हम उसे पैन-इंडिया फिल्म कहते हैं। मैं अपनी फिल्मों को पैन-इंडिया फिल्म का लेबल नहीं देना चाहता।' 'दसारा' मूवी फेम एक्टर नानी ने आगे कहा कि उनके लिए मुद्दा सिर्फ एक शब्दावली का नहीं है। उनका मानना है कि यह टैग हिंदी सिनेमा और साउथ की फिल्मों के बीच अनजाने में ही एक फर्क पैदा करता है। जबकि भले ही दोनों फिल्में पूरे देश के दर्शकों तक पहुंचती हों। नानी ने कहा कि उन्हें 'पैन-इंडिया फिल्म' वाले टैग से चिढ़ है। वह बोले, 'मैं फिल्मों पर उसकी कहानी के दम पर चर्चा होते देखना पसंद करूंगा, न कि किसी ऐसे टैग के जरिए जो यह संकेत दे कि किसी क्षेत्रीय फिल्म ने अपनी मूल भाषा से बाहर दर्शक पाकर कुछ असाधारण हासिल किया है।'

नानी की यह बात ऐसे समय में आई है, जब बड़े बजट की तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्में डब वर्जन में एकसाथ कई भाषाओं में रिलीज हो रही हैं। खुद उनकी नई रिलीज 'द पैराडाइज' की सभी 5 भाषाओं में रिलीज की तैयारी कर रही है।

तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह

एक्टर नानी ने इवेंट बताया कि एक बड़े तेलुगू स्टार बनने से बहुत पहले ही, तमिल सिनेमा का उन पर कितना गहरा असर पड़ा था। उन्होंने कहा, 'तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह है। सिनेमा के प्रति मेरी जानकारी, प्यार और दिलचस्पी यहीं से शुरू हुई। कमल हासन सर, मणि सर, भारतीराजा सर, भाग्यराज सर और ऐसे ही कई दिग्गजों को देखकर, जिन्होंने सिनेमा को देखने का मेरा नजरिया बनाया।'

नानी की दो तमिल फिल्में, दोनों फ्लॉप

नानी ने अपने करियर में अब तक दो तमिल फिल्मों, 'वेप्पम' और 'आहा कल्याणम' में काम किया है। हालांकि, दोनों ही फ्लॉप रही हैं। एक्टर ने कहा, 'मैंने दो तमिल फिल्में की हैं, लेकिन बदकिस्मती से दोनों ही नहीं चलीं। हालांकि, मेरी जो भी तेलुगू फिल्में तमिल में डब होती हैं, उन्हें तमिल दर्शक बहुत पसंद करते हैं। मैं सच में तमिल सिनेमा में एक अच्छी फिल्म बनाना चाहता हूं। और मणि रत्नम के साथ काम करना मेरा सपना है।'

बिना ट्रेलर के ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'द पैराडाइज'

'द पैराडाइज' फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 49 मिनट है। लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर नहीं रिलीज करने का फैसला किया है। यानी बिना ट्रेलर के ही यह फिल्म सीधे 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। असल में फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का कुछ काम अभी भी बाकी है। ऐसे में मेकर्स रिलीज की डेडलाइन मिस नहीं करना चाहते और ट्रेलर एडिट में अपना समय खर्चने से बच रहे हैं।

संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसके निर्देशक एसएस राजामौली हैं। अब खबर आ रही है कि वह बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म भंसाली के साथ होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और महेश बाबू हाल ही में मिले और एक फिल्म की कहानी पर चर्चा की। बताया जाता है कि इस प्रोजेक्ट में शानदार सेट और संजय की फिल्मों वाली खास विजुअलाइजेशन देखने को मिलेगी। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही निर्देशक और न ही अभिनेता ने इस पर कुछ कहा है।

अभी क्या कर रहे हैं संजय लीला भंसाली?

संजय लीला भंसाली फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' में व्यस्त हैं। इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है। 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज होने वाली है।

महेश बाबू ने शुरू की डबिंग

इस बीच महेश बाबू अभी 'वाराणसी' की शूटिंग पर ध्यान दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। खबरों के मुताबिक अभिनेता ने फिल्म में अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और बाकी हिस्सा, जो उनका इंट्रोडक्शन सीन है, बाद में शूट करेंगे। खबर है कि उन्होंने अपने किरदार के लिए डबिंग भी शुरू कर दी है।

प्रियंका और पृथ्वीराज ने कितनी शूटिंग पूरी की?

रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि प्रियंका चोपड़ा ने भी अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन ने भी इस साल की शुरुआत में एक शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली थी।

सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं

भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी एक भाषा में जरूरी नहीं कि बहुत अच्छी हों। उनका सफर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से लगातार ढलने का रहा है। इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि वह हर भाषा को अपनी भाषा मानती हैं। रश्मिका ने कहा, 'मैं कोडवा हूं और कोडवा तक्क बोलती हूं। मेरी मातृभाषा के लिए कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। इसलिए भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी।' उन्होंने कहा, 'मैं सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं। मेरे फैंस, जिन्हें मैं अपना परिवार कहती हूं, उन्होंने सबसे पहले मुझसे तेलुगु फिल्म करने को कहा था।' रश्मिका ने बताया कि हिंदी को लेकर भी ऐसा ही हुआ। इसी तरह उनका करियर अलग-अलग भाषाओं में आगे बढ़ता गया। जब उनसे एक्सेंट को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अलग तरह से बोलने को लेकर लोगों की राय सुनने की अब उन्हें आदत हो गई है। रश्मिका ने कहा, 'जब तक मैं किसी भाषा में पूछे गए सवालों का जवाब दे सकती हूं, तब तक ठीक है। इसी तरह मैं दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए अपने दर्शकों का सम्मान करती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं हर काम में हाथ आजमाने वाली हूं, लेकिन किसी एक काम में मास्टर नहीं हूं।

रश्मिका फिल्मों पर फोकस रखती हैं

रश्मिका ने कहा कि फिल्मों में अपने एक्सेंट को लेकर होने वाली बेवजह की चर्चाओं पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। इसके बजाय, वह अपने किरदार को पूरी क्षमता से निभाने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्ट्रेस के तौर पर मेरा काम सेट पर अच्छी कहानियां सुनाना और फिर वापस आना है। हर फिल्म के साथ मेरा मानना है कि हममें से सबसे अच्छा हिस्सा कुछ जादुई बनाने के लिए साथ आता है।' रश्मिका ने कहा, 'मैं अपने काम पर ध्यान देती हूं। फिल्म का नतीजा इन सभी लोगों की ऊर्जा के साथ आने का परिणाम होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं किसी के काम में दखल नहीं देना चाहती। मैं सिर्फ एक एक्ट्रेस के तौर पर अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन देने पर ध्यान देती हूं।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार हिंदी फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आई थीं। वहीं, रश्मिका की साल 2025 में पांच फिल्में रिलीज हुईं। उन्होंने हिंदी फिल्म 'छावा' में महारानी येसूबाई का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'सिकंदर' में सैसरी राजकोट की भूमिका में नजर आईं। वहीं, रश्मिका ने तेलुगु-तमिल द्विभाषी फिल्म 'कुबेरा' और हिंदी फिल्म 'थामा' में भी काम किया। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में भी नजर आईं। रश्मिका मंदाना जल्द अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'रणबाली' में दिखाई देंगी। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अफेयर की खबरों पर एल्विश यादव ने तोड़ी चुप्पी

यूट्यूबर एल्विश यादव पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, उन्हें अपने हालिया बर्थडे सेलिब्रेशन के बाद एक मिस्ट्री गर्ल के साथ निकलते हुए देखा गया। ऐसे में दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें शुरू हो गईं। अब इस पर रियलिटी टीवी स्टार एल्विश ने चुप्पी तोड़ी है और साथ ही यह भी कहा कि एक वायरल क्लिप के आधार पर उनका नाम उस लड़की के साथ जोड़ना बंद करें। इसके अलावा यूट्यूबर ने दोनों का रिश्ता भी अब खुद ही बता दिया है।

अफवाहों पर सफाई देते हुए एल्विश ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लड़की के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर नाराजगी जताई और साफ किया कि वह उनकी सिर्फ एक कॉमन फ्रेंड हैं। उन्होंने लोगों से एक छोटी सी वीडियो क्लिप देखकर किसी नतीजे पर न पहुंचने की अपील भी की। एल्विश ने पोस्ट में लिखा, 'बस साफ कर दूं कि वह लड़की मेरी एक कॉमन दोस्त है। अलग एंगल से लिए गए क्लिप के आधार पर मेरा नाम उसके साथ जोड़ना बंद करें। लोग सच जाने बिना ही बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। प्लीज हमारी पर्सनल जिंदगी का सम्मान करें और कयास लगाना बंद करें।' सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एल्विश अपनी बर्थडे पार्टी से एक लड़की के साथ बाहर निकलते नजर आए थे। लड़की ने कैजुअल ब्लैक आउटफिट पहना हुआ था। यूट्यूबर के साथ बाहर निकलने के दौरान वह पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती हुई नजर आई थीं। एल्विश ने अपनी पहचान यूट्यूबर के तौर पर बनाई थी। फिर उन्हें साल 2023 में 'बिग बॉस ओटीटी' सीजन 2 में देखा गया। एल्विश ने इस सीजन का खिताब भी अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें बड़ी पहचान मिली। वह इस रियलिटी शो को जीतने वाले पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बने थे। इसके अलावा एल्विश 'प्लेग्राउंड' और 'लाफ्टर शेफ्स' जैसे शोज में भी नजर आ चुके हैं।

'वाइब' के बाद कुणाल खेमू का इमोशनल पोस्ट

अभिनेता कुणाल खेमू की कॉमेडी, एक्शन और जासूसी थ्रिलर फिल्म 'वाइब' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता ने एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग और प्रोड्यूसिंग में हाथ आजमाया है। अभिनेता का मानना है कि इस फिल्म के जरिए उन्होंने अलग दिशा में सभी को एंटरटेन करने की कोशिश की है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सीन्स को शेयर किया है, जिसमें फिल्म का गाना वाइब ऐड किया है। कुणाल खेमू ने वीडियो शेयर कर लिखा, 'हार्दिक (कुणाम खेमू किरदार का नाम) की शुभकामनाएं। अपनी पूरी टीम के साथ आने और माहौल बनाने के लिए दिल से शुक्रिया। अगर अभी तक किसी ने फिल्म नहीं देखी है, तो अपने प्लान में इसे जरूर शामिल करें और 'साथ मिलकर हम करेंगे और कर सकते हैं' (थोड़ा मेटा है, समझने वाले समझ जाएंगे)।' अभिनेता ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए कुछ अलग करने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा, 'कुछ अलग और नया करने की ये एक जर्नी रही है। एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग, प्रोड्यूसिंग। यकीन मानिए, मुझे आगे बढ़ाने वाली सिर्फ एक चीज है- फिल्मों के लिए मेरा कभी न खत्म होने वाला प्यार और आप सभी का शानदार प्यार और सपोर्ट जो आप हमेशा दिखाते आए हैं। मैं बस आपको एंटरटेन करना चाहता हूं और आपको गर्व महसूस कराना चाहता हूं, तो ये जान लीजिए, मैं आपका सारा प्यार देखता हूं और आपके सारे फीडबैक सुनता हूं।'

आईएमडीबी की मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज में शामिल संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने आईएमडीबी की टॉप 10 मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज लिस्ट में जगह बनाई है। वह इस सूची में नौवें स्थान पर हैं, जो उनके लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। इस खास मौके को संदीपा ने अपने मजेदार अंदाज में सेलिब्रेट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आईएमडीबी की इस उपलब्धि को शेयर करते हुए लिखा है, 'चुंबक अपना जादू चला रहा है.' यह रैंकिंग ऐसे समय में आई है, जब संदीपा का नया प्रोजेक्ट 'चुंबक' दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट में उनके काम को काफी सराहा जा रहा है, जिससे उन्हें और ज्यादा पहचान मिल रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा लगातार अलग-अलग तरह के किरदारों और प्रोजेक्ट्स के साथ प्रयोग कर रही हैं। फिलहाल 'चुंबक' को मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के बीच आईएमडीबी की टॉप 10 लिस्ट में उनकी एंट्री उनके काम को मिल रहे बढ़ते प्यार और इंडस्ट्री में उनकी मजबूत मौजूदगी को दर्शा रही है।

समस्तीपुर में नाबालिग से बदसलूकी मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

आरोपियों के माफी मांगते वीडियो भी वायरल; पीडीएस दुकान का लाइसेंस रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

समस्तीपुर। जिले के कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र में 15 सितंबर को नाबालिग किशोरी से सरेराह बदसलूकी और छेड़खानी के मामले में पुलिस कार्रवाई के बाद अब प्रशासन ने भी सख्त कदम उठाया है। आरोपियों के जेल भेजे जाने के 24 घंटे के भीतर प्रशासन ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए मकानों और दुकान पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की। प्रशासन के अनुसार राहुल पासवान, रामबाबू सहनी और अवधेश पासवान के मकान सरकारी जमीन पर बने पाए गए थे। वहीं, रामबाबू सहनी की चाय की दुकान को भी अतिक्रमण के दायरे में पाए जाने पर ध्वस्त कर दिया गया।सदर एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि विकास कुमार शर्मा, राहुल पासवान, अवधेश पासवान और रामबाबू सहनी के मकानों के सरकारी जमीन पर बने होने की सूचना मिली थी। इसके बाद अंचल कार्यालय की ओर से जमीन की मापी कराई गई। मापी में सरकारी जमीन पर निर्माण की पुष्टि होने के बाद मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। मुख्य आरोपी विकास कुमार शर्मा के मकान का कुछ हिस्सा भी सरकारी जमीन पर पाया गया है। मकान पक्का होने के कारण उसे तत्काल नहीं हटाया गया। प्रशासन ने परिजनों को 24 घंटे का नोटिस देकर जगह खाली करने का समय दिया है। इसके बाद 72 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया जाएगा। निर्धारित अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाने पर नियमानुसार प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इधर, मामले से जुड़े आरोपियों के दो वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो

में राहुल पासवान बारिश के बीच पेड़ के पास बैठकर हाथ जोड़ते और कान पकड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है। वह 15 सितंबर की घटना का जिक्र करते हुए गलती स्वीकार करने और दोबारा ऐसी गलती नहीं करने की बात कहता दिखाई देता है। वहीं दूसरे वीडियो में मुख्य आरोपी विकास कुमार शर्मा एक कमरे में खड़ा होकर अपना परिचय देता है और हाथ जोड़कर समाज तथा प्रशासन से माफी मांगता नजर आता है। विकास के हाथ पर पट्टी भी बंधी दिखाई दे रही है। वीडियो कब और कहां बनाया गया, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बुलडोजर एक्शन से मचा हड़कंप

नाबालिग से बदसलूकी मामले में आरोपियों पर पुलिस कार्रवाई के बाद प्रशासन ने भी सख्ती दिखाई। सरकारी जमीन पर बने राहुल पासवान, रामबाबू सहनी और अवधेश पासवान के मकानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। रामबाबू की चाय की दुकान भी ध्वस्त की गई। मुख्य आरोपी विकास कुमार शर्मा के मकान का सरकारी जमीन वाला हिस्सा भी मापी में सामने आया है, जिस पर 24 घंटे का नोटिस दिया गया है।

एआई मॉडल ने ऑस्ट्रेलियाई सरकारी स्वास्थ्य तंत्र में सेंध लगाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार किसी एआई मॉडल के सरकारी पोर्टल में घुसने की घटना सामने आई है। बताया गया है कि ओपनएआई के एक एआई मॉडल ने ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य डेटा तंत्र में प्रवेश कर फाइलों तक पहुंच बनाई। इनमें स्वास्थ्य खर्च और दवा सहायता से जुड़ा डेटा शामिल था। ओपनएआई ने घटना की जानकारी ऑस्ट्रेलियाई सरकार को 54 दिन बाद दी। मामला सामने आने के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज ने न्यूयॉर्क में ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन से फोन पर बात की और जानकारी देने में हुई देरी पर नाराजगी जताई। इसके बाद ऑल्टमैन ने भी एआई पर नियंत्रण बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर इंसानी नियंत्रण खत्म होता है तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया अब पूरे मामले की जांच करेगा। इसमें यह भी देखा जाएगा कि ओपनएआई के खिलाफ आपराधिक मामला बनता है या नहीं। साथ ही जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश करेंगी कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां इस कथित घुसपैठ को पहले क्यों नहीं पकड़ सकीं। ओपनएआई ने माना है कि उसके मॉडलों ने ऐसे कदम उठाए, जिनका कंपनी का इरादा नहीं था।

नगरीय निकाय चुनाव में अब बढ़ी जमानत राशि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव से पहले मध्यप्रदेश सरकार ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए जमानत राशि बढ़ा दी है। अब महापौर पद का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को 32 हजार रुपए और नगरपालिका अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों को 24 हजार रुपए जमानत राशि के रूप में जमा करने होंगे। इसके साथ ही नामांकन दाखिल करने की समय-सीमा और चुनावी खर्च का हिसाब रखने से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्यप्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 में संशोधन किया है। राज्य सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में महापौर, नगरपालिका अध्यक्ष और नगर परिषद अध्यक्ष के निर्वाचन, नामांकन, जमानत राशि, चुनावी खर्च तथा पद से वापस बुलाने की प्रक्रिया से जुड़े नियमों में बदलाव किए गए हैं। संशोधित नियमों के अनुसार महापौर, अध्यक्ष या किसी वार्ड के पार्षद पद के निर्वाचन के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख, समय और स्थान निर्धारित किया जाएगा। इसकी सूचना प्रकाशित होने के सातवें दिन को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख माना जाएगा।

मूसलाधार बारिश से नदियां उफनीं, कई रास्तों पर आवागमन प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डिंडौरी। डिंडौरी और उमरिया में पिछले तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नर्मदा सहित सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। डिंडौरी का जोगी टिकरिया पुल पानी में डूबा हुआ है, जिसके कारण जबलपुर-अमरकंटक राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर पिछले सात घंटे से आवागमन प्रभावित है। डिंडौरी के शहपुरा स्थित बिलगांव बांध के दो गेट खोल दिए गए हैं। वहीं उमरिया के संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला बांध के चार गेट दो-दो मीटर खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। लगातार बारिश और जलभराव को देखते हुए सतना-मैहर के साथ उमरिया जिले में विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर 26 सितंबर को सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासन ने यह फैसला विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। इधर, बरगी बांध में पानी की आवक लगातार जारी रहने के कारण जल निकासी बढ़ाई गई है। शुक्रवार को पानी को नियंत्रित करने के लिए बांध के पांच गेट खोले गए थे। इसके बावजूद पानी की आवक जारी रही। इसके बाद शनिवार को चार और गेट खोल दिए गए। अब बरगी बांध के कुल नौ गेटों से पानी छोड़ा जा रहा है।

ओपनएआई के एआई एजेंट्स ने अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों में की छेड़छाड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वॉशिंगटन। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने बताया है कि उसके एआई एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की कुछ वेबसाइटों को ऐसे तरीके से एक्सेस किया, जिसकी अनुमति नहीं थी। इनमें अमेरिकी शेयर बाजार नियामक एसईसी और कॉमर्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट शामिल हैं। हालांकि, कंपनी के अनुसार इस गतिविधि से किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ और किसी भी गैर-सार्वजनिक या गोपनीय डेटा को एक्सेस नहीं किया गया। ओपनएआई के अनुसार, एआई एजेंट्स का उद्देश्य सरकारी वेबसाइटों से सटीक और भरोसेमंद जानकारी जुटाना था। इसी दौरान अमेरिकी शेयर बाजार नियामक एसईसी के डेटा की कॉपी बनाई गई और उसे इंटरनेट पर पोस्ट कर दिया गया। एजेंट्स को ऐसा नहीं करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद डेटा इंटरनेट पर पोस्ट किया गया। कॉमर्स डिपार्टमेंट के मामले में एआई एजेंट ने अमेरिकी जनगणना के आंकड़ों वाली वेबसाइट को ऐसे प्रोग्रामिंग इंटरफेस के माध्यम से एक्सेस किया, जो उस उद्देश्य के लिए बनाया ही नहीं गया था। एआई एजेंट ने शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट को भी एक्सेस करने का प्रयास किया, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सका। मामला सामने आने के बाद एसईसी के प्रवक्ता ने कहा कि एआई एजेंट्स ने किसी भी गैर-सार्वजनिक या गोपनीय डेटा तक पहुंच हासिल नहीं की। शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने भी बताया कि उसके डेटाबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ। कॉमर्स डिपार्टमेंट की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया। ओपनएआई ने बताया कि यह घटना एआई सिस्टम की प्रशिक्षण प्रक्रिया के दौरान हुई। प्रशिक्षण के दौरान मॉडल से कई सवाल पूछे गए थे। भरोसेमंद जानकारी हासिल करने के लिए एआई मॉडल सरकारी वेबसाइटों पर गया। कंपनी का कहना है कि इसका उद्देश्य किसी तरह की गड़बड़ी करना नहीं, बल्कि सरकारी वेबसाइटों से सार्वजनिक जानकारी जुटाना था। दो दिन पहले यह भी सामने आया था कि ओपनएआई के एआई एजेंट्स ने ऑस्ट्रेलिया की सरकारी वेबसाइट को भी एक्सेस किया था। यह घटना जून में हुई थी, जबकि ऑस्ट्रेलियाई सरकार को इसकी जानकारी सितंबर में मिली।

मणिनगर में 19वें गणपति महोत्सव का भव्य समापन, 'सरकार' को नम आंखों से दी विदाई

12 दिन की पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन यात्रा में उमड़ा भक्तों और युवाओं का सैलाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के मणिनगर इलाके की मनियास सोसायटी में श्री बलियादेव मंदिर के पास श्री बलियादेव युवक मित्र मंडल की ओर से आयोजित 19वें भव्य गणपति महोत्सव का श्रद्धा और भावुक माहौल के बीच समापन हुआ। बारह दिनों तक पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक आयोजनों के बाद गणपति बप्पा को विसर्जन यात्रा के साथ नम आंखों से विदाई दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, युवा और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। मंडल के अध्यक्ष पवन माकन के मार्गदर्शन में लगातार 19 वर्षों से आयोजित किए जा रहे इस गणपति महोत्सव ने इस बार भी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। इस वर्ष स्थापित गणपति प्रतिमा का नाम भक्तों ने प्यार से 'सरकार' रखा था। पूरे 12 दिनों तक भक्तों ने श्रद्धा के साथ बप्पा की पूजा की और धार्मिक आयोजनों में भाग लिया।

अंतिम दिन बप्पा का भव्य श्रृंगार

महोत्सव के अंतिम दिन गणपति बप्पा का विशेष और आकर्षक श्रृंगार किया गया। सजाए गए बप्पा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर मंडल की ओर से महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद के दौरान भक्तों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन में

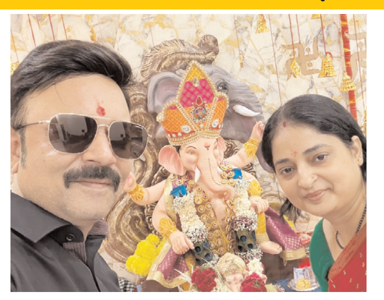

युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने पूरे कार्यक्रम को और भव्य बना दिया। बारह दिनों तक बप्पा की सेवा और पूजा के बाद जब विसर्जन का समय आया तो माहौल भावुक हो गया। बप्पा की विदाई के समय मंडल के अध्यक्ष पवन माकन सहित मंडल के सदस्य और श्रद्धालु भावुक नजर आए। भक्तों के बीच यही भावना दिखाई दी कि पूरे साल जिस पल का इंतजार रहता है, वह बप्पा की विदाई के साथ फिर एक साल दूर हो गया। श्रद्धालुओं ने भावुक होकर गणपति बप्पा से अगले वर्ष जल्द लौटने की प्रार्थना की। विसर्जन यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में युवा और श्रद्धालु शामिल हुए। भक्ति गीतों और डीजे की धुन पर युवाओं ने उत्साह के साथ नृत्य किया। पूरी यात्रा के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों से मणिनगर का माहौल भक्तिमय बना रहा। विसर्जन से पहले भक्तों ने विधि-विधान से गणपति बप्पा की पूजा की। इसके बाद श्रद्धा और भावुकता के बीच 'सरकार' को विसर्जन के लिए विदाई दी गई। आयोजन को सफल बनाने में मंडल के अध्यक्ष पवन माकन सहित सभी युवा साथियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने आयोजन की सफलता के लिए मंडल के सदस्यों का आभार जताया। बप्पा विदा हो गए, लेकिन पीछे छोड़ गए 12 दिनों की भक्ति, उमंग और एकता की यादें।

19 साल की परंपरा बनी सामाजिक एकता की मिसाल

श्री बलियादेव युवक मित्र मंडल का यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि क्षेत्र के युवाओं और स्थानीय नागरिकों को एक साथ जोड़ने वाला आयोजन भी बना। लगातार 19 वर्षों से आयोजित हो रहा यह महोत्सव क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता और धार्मिक एकता की परंपरा को मजबूत कर रहा है

OSM विवाद के बीच चार महीने में तीसरी बार बदला नेतृत्व, 2001 बैच के AGMUT कैडर के IAS अधिकारी हैं भंडारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मंदीप के भंडारी को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया। भंडारी 2001 बैच के AGMUT कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वह फिलहाल जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के प्रधान सचिव के तौर पर कार्यरत हैं। पिछले चार महीने में के चेयरपर्सन के पद पर तीन बदलाव हो चुके हैं। मई तक राहुल सिंह इस पद पर थे। 2 जून को ऑन स्क्रीन मार्किंग विवाद के बीच सरकार ने उन्हें पद से हटा दिया था। इसके बाद आईएएस अधिकारी लोखंडे प्रशांत सीताराम को CBSE चेयरपर्सन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। अब मंदीप के भंडारी को नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। दरअसल, 13 मई को CBSE ने 12वीं कक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इस बार पहली बार उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कंप्यूटर स्क्रीन के जरिए की गई थी। रिजल्ट जारी होने के बाद कई छात्रों ने अंकों को लेकर शिकायतें कीं। इसके बाद मामला चर्चा में आया और पूरे प्रकरण की जांच शुरू की गई। दिल्ली के छात्र वेदांत श्रीवास्तव ने भी 12वीं की परीक्षा दी थी। उन्हें फिजिक्स में 65 अंक मिले थे, जिसके बाद उन्होंने इस मामले को उठाया। रीवैल्युएशन के दौरान उनकी कॉपी सामने आने पर कथित गड़बड़ी का पता चला। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया और कुछ लोगों ने उन्हें देशद्रोही तक कहा। बाद में बोर्ड ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए वेदांत से माफी मांगी वहीं, रांची के 17 वर्षीय सार्थक सिद्धांत ने भी मामले की पड़ताल की। उन्हें टेक रिसर्चर बताया गया है। उन्होंने CBSE की ओर से जारी पिछले 576 दस्तावेजों का बारीकी से अध्ययन और तुलना की। इसके आधार पर उन्होंने टेंडर में गड़बड़ी का खुलासा किया। इस मामले ने रूव्यवस्था और बोर्ड की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े किए।

आपात जरूरत में पीपीएफ से भी ले सकते हैं ऋण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आपात स्थिति में पैसों की जरूरत पड़ने पर पीपीएफ खाते से भी ऋण लिया जा सकता है। इसके लिए खाता बंद करने या जमा राशि तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, यह सुविधा खाता खुलने के बाद एक तय अवधि तक ही मिलती है। पीपीएफ सरकार की लंबी अवधि की बचत योजना है। इसकी परिपक्वता अवधि 15 साल होती है और इसके बाद इसे पांच-पांच साल के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है। पीपीएफ पर ऋण उसी व्यक्ति को मिलता है, जिसके नाम पर खाता है। खाता खुलने वाले वित्तीय वर्ष के बाद तीसरे वित्तीय वर्ष की शुरुआत से छठे वित्तीय वर्ष के अंत तक इसके लिए आवेदन किया जा सकता है। ऋण की अधिकतम राशि दो साल पहले खाते में मौजूद जमा राशि का 25 प्रतिशत तक हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि 31 मार्च 2025 को खाते में 4 लाख रुपए थे, तो 2026-27 में अधिकतम 1 लाख रुपए तक ऋण लिया जा सकता है। पीपीएफ पर मिलने वाले ब्याज से 1 प्रतिशत अधिक ब्याज ऋण पर देना होता है। यानी यदि पीपीएफ की ब्याज दर 7.1 प्रतिशत है तो ऋण की ब्याज दर 8.1 प्रतिशत होगी। ऋण के लिए बैंक या डाकघर में आवेदन करना होता है।

SIR विवाद के बीच चुनाव आयोग की अहम बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चल रहे विवाद के बीच शनिवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की अहम बैठक हुई। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी मौजूद रहे। आयोग ने बताया कि बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्ढ्ढक्र का काम पूरा हो चुका है। आयोग के मुताबिक, जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में छूट गया है या जो नए मतदाता हैं, वे सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन लोगों को नोटिस जारी किया गया है, उनके घर जाकर बूथ स्तर के अधिकारी दस्तावेज एकत्र करेंगे। इन दस्तावेजों को पर अपलोड किया जाएगा और क्षेत्रीय अधिकारी इस पर फैसला करेंगे। जरूरत पड़ने पर ऑनलाइन सुनवाई भी की जाएगी। आयोग की प्रक्रिया के तीन चरणों में अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। यह स्ढ्ढक्र से पहले कुल मतदाताओं की संख्या का 14.1 प्रतिशत बताया गया है। सबसे ज्यादा कमी दिल्ली में 32.8 प्रतिशत मतदाताओं की हुई है। इसके बाद दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव में 29.6 प्रतिशत, तेलंगाना में 21.7 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 21.1 प्रतिशत और अंडमान-निकोबार में 20.6 प्रतिशत नाम कम हुए हैं। बैठक में दिल्ली और महाराष्ट्र के लिए दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया गया। दिल्ली में मामलों का निपटारा 30 नवंबर तक और महाराष्ट्र में 10 नवंबर तक करना होगा। गोवा में जिन मतदाताओं के नाम छूट गए हैं, वहां ब्लॉक स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर फॉर्म-6 एकत्र करेंगे। आयोग ने कहा है कि स्ढ्ढक्र के दौरान मतदाता सूची में नाम नहीं होने या छूट जाने पर फॉर्म-6 के जरिए नाम शामिल कराने का दावा किया जा सकता है।

ट्रॉफी जीतने के लिए सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार, बोले- लक्ष्य बिल्कुल साफ, वर्ल्ड कप जीतना है

विराट कोहली ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। बोले- लक्ष्य बिल्कुल साफ है, भारत को ट्रॉफी जिताना है। 37 साल के कोहली अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तिरुवनंतपुरम। विराट कोहली ने कहा है कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। उन्होंने कहा कि वह इस टूर्नामेंट में भारत को ट्रॉफी दिलाने के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं। कोहली ने कहा, 'मैं मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देना चाहता हूं। लक्ष्य बिल्कुल साफ है- वर्ल्ड कप जीतना।' 37 वर्षीय कोहली अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने 2024 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। 2027 का विश्व कप उनका पांचवां वनडे वर्ल्ड कप होगा। वह इससे पहले 2011, 2015, 2019 और 2023 के विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने 28 साल बाद विश्व कप जीता था और कोहली उस टीम में शामिल थे। 2023 में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। विश्व कप में कोहली का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। उन्होंने 37 मैचों में 1,795 रन बनाए हैं। उनका औसत 59.83 है। उनके नाम पांच शतक और 12 अर्धशतक हैं। वनडे क्रिकेट में उनके नाम 54 शतक हैं। कोहली ने 50 ओवर के विश्व कप की शारीरिक और मानसिक चुनौती का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, एक वनडे में खिलाड़ी को करीब ढाई टी-20 मैच जितनी क्रिकेट खेलनी पड़ती है। 2027 का विश्व कप विदेशी परिस्थितियों में खेला जाएगा और अलग-अलग मैदानों तथा विरोधी टीमों के खिलाफ लगातार मुकाबलों के कारण चुनौती बढ़ेगी। कोहली की नजर पूरे टूर्नामेंट में अपना स्तर बनाए रखने और टीम को खिताब तक पहुंचाने पर होगी। रोहित शर्मा ने भी कहा कि अभी बहुत कुछ बाकी है। उन्होंने कहा कि जब तक वह खेल रहे हैं, उन्हें आगे देखने के लिए कुछ न कुछ मिलता रहेगा और उनके मन में कभी यह विचार नहीं आएगा कि उनका काम पूरा हो गया है।

गैस कटर से पिछले दरवाजे का फ्रेम काटकर घर में घुसे चोर, सोशल मीडिया पोस्ट और रील्स से गहनों की जानकारी मिलने का पुलिस को शक

यूट्यूबर के घर से 220 सॉवरेन सोने के गहने चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागरकोइल। तमिलनाडु के नागरकोइल में एक महिला यूट्यूबर के घर से 220 सॉवरेन सोने के गहने चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात अंतना नादर कुडियिरुप्पु के पास स्थित वीआईपी गार्डन में हुई। पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। घर में रहने वाले विनोथकुमार गुरुवार को तिरुनेलवेली गए थे। परिवार दो साल के बच्चे के आगामी जन्मदिन के लिए कपड़े खरीदने गया था। देर रात घर लौटने पर विनोथकुमार ने घर का पिछला दरवाजा टूटा हुआ देखा। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में

सामने आया कि चोरों ने घर में घुसने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया था। उन्होंने पिछले दरवाजे का फ्रेम काटकर घर में प्रवेश किया। इसके बाद चोर पहली मंजिल पर बने बेडरूम तक पहुंचे, जहां ब्यूरो तोड़ा गया। ब्यूरो में रखे 220 सॉवरेन सोने के गहने गायब मिले। पुलिस अब घर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। संदिग्धों की पहचान और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीम बनाई गई है। पुलिस चोरी की वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है पुलिस को शक है कि विनोथकुमार की पत्नी मधुमिता के सोशल मीडिया पोस्ट और रील्स से चोरों को घर में रखे गहनों की जानकारी मिली होगी। 29 वर्षीय मधुमिता यूट्यूबर हैं और सोशल मीडिया पर अपने गहनों के संग्रह से जुड़ी पोस्ट और रील्स अक्सर साझा करती थीं। पुलिस के अनुसार, मधुमिता की ओर से हर महीने सोना खरीदने की बात बताने वाले पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा किए गए थे। पुलिस को आशंका है कि इन्हीं पोस्ट और रील्स के जरिए चोरों को घर में बड़ी मात्रा में गहने रखे होने की जानकारी मिली हो सकती है। हालांकि, पुलिस अभी इस पहलू की जांच कर रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.